@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
शनिवार, 28 दिसंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 48 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मनमोहन सिंह के सम्मान में झारखंड सरकार ने की सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा

रांची, 27 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन की खबर से पूरे देश में शोक की लहर है। झारखंड सरकार मे उनके सम्मान में शुक्रवार को सात दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की। सरकार ने झारखंड मुख्यमंत्री मैय्यन सम्मान

योजना (जेएमएमएसवाई) के राज्य स्तरीय कार्यक्रम समेत अपने सभी निर्धारित कार्यक्रमों को भी रद्द कर दिया। बता दें कि देश में आर्थिक सुधारों के जनक डॉ. मनमोहन सिंह ने गुरुवार 26 दिसंबर को आखिरी सांस ली। झारखंड सरकार की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया, दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री के सम्मान में भारत सरकार ने 26 दिसंबर से एक जनवरी तक सात दिनों का राजकीय शोक मनाने की घोषणा की। झारखंड सरकार ने भी सात दिनों का राजकीय शोक मनाने का निर्णय लिया है। झारखंड के जिन भवनों पर नियमित रूप से राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है, वह आधा झुका रहेगा। इस दौरान कोई राजकीय समारोह आयोजित नहीं किया जाएगा। इससे पहले झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व प्रधानमंत्री के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश ने अपने महान सपूतों में से एक को खो दिया। झारखंड के राज्यपाल संतोष गंगवार ने भी शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, वित्त मंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह के योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। बता दें कि डॉ. मनमोहन सिंह 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने से पहले आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाला था। वे देश के एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं, जिनका हस्ताक्षर भारत के नोटों (करेंसी) पर रहा। 2005 में डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री के पद पर थे तब भारत सरकार ने 10 रुपये का एक नया नोट जारी किया था।

राष्ट्रपति ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह नहीं रहे। 92 साल की उम्र में उनका दिल्ली एम्स में निधन हो गया। उन्हें उम्र संबंधी दिक्कतों की वजह से गुरुवार रात 8ः06 बजे एम्स में भर्ती कराया गया था। रात 9ः51 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। मनमोहन सिंह प्रखर अर्थशास्त्री थे। 1991 में देश में शुरू किए गए आर्थिक उदारीकरण के वे शिल्पकार रहे। 2004 से 2014 तक वे प्रधानमंत्री रहे। उनके निधन से देशभर में शोक की लहर है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस महासचिव अविनाश पांडे ने कहा, ये बहुत ही दुख की बात है। कांग्रेस कार्य समिति ने डॉ. मनमोहन सिंह जी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। देश में उनका योगदान बहुत रहा। कांग्रेस के सही प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने देश का नेतृत्व किया। कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह एक बुद्धिजीवी और दयालु व्यक्ति थे। उन्होंने आधुनिक भारत की प्रगति के लिए अनगिनत योगदान दिए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर पूर्व लोकसभा अध्यक्ष और कांग्रेस नेता मीरा कुमार ने कहा, वह बहुत ही संवेदनशील व्यक्ति थे...उनमें देश को आगे ले जाने की भरपूर क्षमता थी

और जो पीछे छूट गए और दबे हुए लोग हैं उनके प्रति उनमें बहुत संवेदनशीलता थी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, वह बहुत ही अच्छे इंसान थे। वह विभिन्न पदों पर रहे...मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला...उन्होंने देश को आगे बढ़ाने का काम किया। आज वह हमारे बीच नहीं रहे तो जो उनकी जगह खाली हुई है वह भरना मुमकिन नहीं है। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भुवनेश्वर में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। [illegible] नेता डी. राजा ने कहा, मैं भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं... वे एक महान राजनेता थे। वे भारत के संविधान, धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र की ओर एक प्रतिबद्ध व्यक्ति थे। उनका स्वभाव अत्यंत विनम्र था। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री का गुरुवार रात दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे भारत के आर्थिक सुधारों को आकार देने में एक प्रमुख व्यक्ति थे। 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह ने इससे पहले वित्त मंत्री के रूप में देश की आर्थिक नीतियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वित्तीय और आर्थिक मामलों में अपनी विशेषज्ञता के लिए विश्व स्तर पर जाने जाने वाले सिंह अपने पीछे एक स्थायी विरासत छोड़ गए हैं।

युगेंद्र को मतों की फिर से गणना की मांग नहीं करनी चाहिए: सुप्रिया सुले

कौमी संवाददाता

मुंबई, 27 दिसंबर। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव खत्म हुए एक महीने से ज्यादा वक्त हो चुका है, लेकिन तमाम दलों की तरफ से चुनाव को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगाने का दौर अभी भी बरकरार है। इस कड़ी में राज्य की बारामती विधानसभा सीट से हारे एनसीपी शरद गुट के उम्मीदवार युगेंद्र पवार ने विधानसभा में फिर से मतों के गिनती की मांग की है। बता दें कि, राज्य के विधानसभा चुनाव के दौरान सबसे हॉट सीट में शुमार बारामती विधानसभा सीट से एनसीपी अध्यक्ष और अजित पवार ने जीत हासिल की थी। वहीं, युगेंद्र पवार के फिर से मतों की गणना करने के आवेदन दिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने कहा, यह मेरा निजी विचार है कि युगेंद्र पवार (बारामती विधानसभा से हारे हुए उम्मीदवार) को मतों की पुनर्गणना की मांग नहीं करनी चाहिए। इसलिए, मैंने उनसे पुनर्गणना के लिए आवेदन वापस लेने को कहा और उन्होंने ऐसा किया है। एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने आगे कहा, जब मैं चार बार ईवीएम के माध्यम से निर्वाचित हुई हूं, तो मैं कैसे कह सकती हूं कि इसमें कोई घोटाला है...हालांकि कई लोग कह रहे हैं कि मतदाता सूची पर कई सवाल हैं...इसलिए, मेरा मानना है कि अगर चीजें पारदर्शी तरीके से होती हैं, चाहे वह ईवीएम हो या मतपत्र, तो इसमें क्या समस्या है? अगर लोग बैलेट पेपर से चुनाव करवाना चाहते हैं तो बैलेट पेपर से ही चुनाव करवाएं, इसमें क्या समस्या है?

हरमीत सिंह कालका की अगुवाई में दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी की टीम ने डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरमीत सिंह कालका की अगुवाई में कमेटी के अधिकारियों, सदस्यों और अन्य समर्थकों की टीम ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के आकस्मिक निधन पर उनके घर पहुंचकर उनके मृत शरीर पर फूल माला अर्पित करके श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर बातचीत करते हुए सरदार हरमीत सिंह कालका ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह का सदीवीन विच्छोड़ा देश के लिए एक बहुत बड़ा घाटा है। उन्होंने कहा कि वे दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी

की टीम और अन्य समर्थकों के साथ आज डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह एक दूरदर्शी सोच वाले और समर्पण भाव से काम करने वाले नेता थे, जिन्होंने भारत के इतिहास में अपनी विशिष्ट नेतृत्व शैली की छाप छोड़ी है। उनका सदीवीन विच्छोड़ा न केवल परिवार के लिए, बल्कि देश और दुनिया के लिए भी बहुत बड़ा घाटा है, जिसे कभी भी पूरा नहीं किया जा सकता।

भाजपा करेगी प्रत्याशियों की पहली सूचना जारी

देहरादून, 27 दिसंबर। निकाय चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशियों की पहली सूची शुक्रवार को जारी होगी। पार्टी मुख्यालय में आयोजित प्रदेश चुनाव समिति की बैठक में दिग्गजों ने पालिका और पंचायत के अध्यक्ष प्रत्याशियों के नामों को अंतिम रूप दिया तो मेयर पदों के पैनल केंद्रीय नेतृत्व को भेज दिए हैं। पार्टी मुख्यालय में हुई बैठक की जानकारी देते हुए प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने बताया, बैठक में सीएम पुष्कर सिंह धामी वर्चुअल शामिल हुए। इसके अलावा प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम, सह प्रभारी रेखा वर्मा, प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक, त्रिवेंद्र सिंह रावत, विजय बहुगुणा, तीरथ सिंह रावत, गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी, नैनीताल सांसद अजय भट्ट, मदन कौशिक, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी, खिलेंद्र चौधरी, कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत, प्रदेश उपाध्यक्ष कुलदीप कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा नौटियाल ने नामों पर मंथन किया। बैठक में प्रदेश के सभी निगमों के मेयर, पालिका अध्यक्ष एवं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशियों को लेकर सामने आए नामों के पैनल पर विमर्श किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से पालिका एवं नगर पंचायत के अध्यक्ष उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया गया। वहीं, महापौर के नामों का पैनल केंद्रीय नेतृत्व की सहमति के लिए भेजा गया है। शुक्रवार की शाम को भाजपा पहली सूची में सभी प्रत्याशियों के नामों की घोषणा करेगी। इसके अगले चरण में वार्डों के सभासद व सदस्य प्रत्याशियों के नामों की घोषणा होगी।

भाजपा को कांग्रेस से 2300 करोड़ अधिक दान: चुनाव आयोग

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 26 दिसंबर। केंद्रीय चुनाव आयोग ने राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक की है। देश के दो प्रमुख राजनीतिक दलों- भाजपा और कांग्रेस को 2800 करोड़ रुपये से अधिक राशि मिली। सत्तारूढ़ भाजपा को 2023-24 के दौरान 2,604.74 करोड़ रुपये से अधिक, जबकि विपक्षी पार्टी कांग्रेस को 281.38 करोड़ रुपये का योगदान मिला। रिपोर्ट में ऐसे ही दानों को सूचीबद्ध किया गया है जो लोकसभा चुनाव से पहले 31 मार्च, 2024 तक प्राप्त हुए थे। पांच साल पहले भाजपा ने 740 करोड़ रुपये से अधिक दान मिलने की घोषणा की थी। यानी पांच साल के बाद भाजपा को लगभग 2000 करोड़ रुपये अधिक मिले। दूसरी तरफ 2019 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस ने 2018-19 में 146 करोड़ रुपये से अधिक राशि प्राप्त होने का दावा किया था। पिछली बार की तुलना में कांग्रेस को 135 करोड़ अधिक मिले। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, भाजपा को प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट से 723 करोड़ रुपये से अधिक का दान प्राप्त हुआ। ट्रायम्फ इलेक्टोरल ट्रस्ट की तरफ से भाजपा को 127 करोड़ रुपये, जबकि आइन्जीगार्टिंग इलेक्टोरल ट्रस्ट से 17 लाख रुपये से अधिक का दान मिला। इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में देश के

छह राष्ट्रीय दलों ने कुल वैध मतों में से 63 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी (बसपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) [सीपीआई (एम)], आम आदमी पार्टी (आप) और नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) छह राष्ट्रीय दल हैं। चुनाव आयोग (ईसी) ने गुरुवार को जो आंकड़े जारी किए हैं इसके अनुसार, छह मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय दलों के अलावा, 47 मान्यता प्राप्त राज्य दलों और 690 पंजीकृत, गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों ने संसदीय चुनाव लड़े। आंकड़ों के अनुसार, 3,921 स्वतंत्र उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, लेकिन उनमें से केवल सात ही निर्वाचित हुए। इसके अलावा, 3,905 स्वतंत्र उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। उनका वोट शेयर कुल वैध मतों का 2.79 प्रतिशत रहा। 3,921 स्वतंत्र उम्मीदवारों में से 279 महिलाएं थीं। 2024 में नोटा (इनमें से कोई नहीं) विकल्प को 63,71,839 या 0.99 प्रतिशत वोट मिले, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 1.06 प्रतिशत था। 2019 में 91.19 करोड़ से अधिक की तुलना में 2024 में 97.97 करोड़ से अधिक नागरिकों ने खुद को मतदाता के रूप में पंजीकृत किया था। जिसमें 7.43 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली। चुनाव आयोग ने कहा कि इन पंजीकृत मतदाताओं में से 64.64 करोड़ ने 2024 में वोट डाले, जबकि 2019 में यह आंकड़ा 61.4 करोड़ था।

मनमोहन सिंह के निधन पर कांग्रेस ने शोक प्रस्ताव पारित किया

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। देश के पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुरुवार 26 दिसंबर को नई दिल्ली के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें एक बुद्धिजीवी, आर्थिक सुधारों के प्रणेता और जनसेवा के प्रति उनके समर्पण के लिए जाना जाता है। 10 वर्षों तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने से पहले उन्होंने आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष और वित्त मंत्री का भी कार्यभार संभाला था। केंद्रीय सरकार ने उनके सम्मान में एक जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया है। वयोवृद्ध कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री को अपना, दोस्त, दार्शनिक और मार्गदर्शक बताया। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के निधन से राष्ट्रीय जीवन में जो शून्य पैदा हुआ है, उसे कभी नहीं भरा जा सकता। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कहा, डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से हमने एक ऐसा नेता खो दिया है जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता का प्रतीक था। उन्होंने पूरे दिल से देश की सेवा की। उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीयों का जीवन बदल दिया। मेरे लिए डॉ. मनमोहन सिंह का निधन एक गहरी व्यक्तिगत क्षति है। वह मेरे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। वे बहुत ही विनम्र स्वभाव के थे और अपनी प्रतिबद्धता में दृढ़ थे। सोनिया गांधी ने आगे कहा, दुनिया भर के नेताओं ने उनका

सम्मान किया। उन्होंने भारत को गौरव और सम्मान दिलाया। सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता गहरी और अटूट थी। उनके साथ समय बिताने का मतलब था कि ज्ञान से भरपुर होना और उनकी ईमानदारी से प्रभावित होना कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व पार्टी प्रमुख सोनिया गांधी और राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाद्रा समेत अन्य नेताओं ने मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक के लिए कांग्रेस मुख्यालय में मुलाकात की। इस बैठक में बताया गया, डॉ. मनमोहन सिंह भारत के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में एक महान व्यक्ति थे। उनके योगदान ने देश को बदल दिया। उन्हें दुनिया भर से सम्मान मिला। बैठक में आगे कहा गया, विनियमन, निजीकरण और विदेशी निवेश को प्रोत्साहन की अपनी नीतियों के माध्यम से मनमोहन सिंह ने भारत की तीव्र आर्थिक वृद्धि की नींव रखी। उनके नेतृत्व में भारत तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा। उन्होंने वैश्विक क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूत किया। इसके साथ ही उन्होंने आम आदमी के कल्याण पर भी ध्यान केंद्रित किया। बैठक में कहा गया, एक राजनेता के रूप में अपने योगदान के अलावा मनमोहन सिंह एक सम्मानित शिक्षाविद् थे। उन्होंने अर्थशास्त्री के तौर पर भारत की नीतियों को आकार देने में मदद की। सीडब्ल्यूसी सदस्यों ने पार्टी मुख्यालय में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

चिराग के करीबी हुलास पांडेय के ठिकानों पर ईडी की कार्रवाई

पटना, 27 दिसंबर। पूर्व विधायक और बाहुबली लोजपा नेता हुलास पांडेय के पटना सहित अन्य कई ठिकानों पर ईडी की छापेमारी चल रही है। यह छापेमारी उन ठिकानों में पटना के 2 ठिकाने और बेंगलुरु का एक ठिकाना शामिल है। पटना के गोला रोड स्थित उनके आवास और बोरिंग रोड में स्थित उनके कार्यालय में छापेमारी की जा रही है। बताया जा रहा है कि यह छापेमारी बालू के अवैध खनन को लेकर की जा रही है। हुलास पांडेय लोजपा (राम विलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान के करीबी नेता बताए जाते हैं। ईडी के अनुसार यह छापेमारी बालू के अवैध खनन मामले से जु?ा हुआ है। यह छापेमारी पटना में दो से तीन जगहों पर की जा रही है। इसके अलावे बेंगलुरू में भी की जा रही है। बाहुबली लोजपा नेता हुलास पांडेय का नाम बिहार के बहुचर्चित ब्रह्मेश्वर मुखिया हत्याकांड से भी जु?ा था। सीबीआई ने इस हत्याकांड में हुलास पांडेय सहित 8 लोगों को आरोपी बनाया था। इस मामले में आरा की एमपी एमएलए की विशेष अदालत ने सीबीआई की चार्जशीट को खारिज कर दिया। 1 जून 2012 के अहले सुबह अहले सुबह टहलने निकले ब्रह्मेश्वर मुखिया को अपराधियों ने गोलियों से भून डाला था।

आमरण अनशन कर रहे किसान नेता डल्लेवाल की सेहत पर अदालत सख्त: सुप्रीम कोर्ट

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब के किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल की बिगड़ती सेहत पर चिंता जताई। अदालत ने राज्य सरकार को आदेश दिया कि वह यह सुनिश्चित करे कि किसान नेता को चिकित्सा सहायता दी जाए। बता दें, डल्लेवाल आमरण अनशन पर हैं। सुप्रीम कोर्ट की अवकाश पीठ न्यायाधीश सूर्याकांत और सुधांशु धूलिया ने पंजाब सरकार को एक अवमानना याचिका पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में पंजाब के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के खिलाफ मेडिकल सहायता प्रदान करने के आदेश का पालन न करने पर अवमानना का आरोप लगाया गया था। पीठ ने कहा, अगर कानून-व्यवस्था की स्थिति है, तो आपको इसे सख्ती से संभालना होगा। किसी की जान दांव पर है। इसे गंभीरता से लें। चिकित्सा सहायता दी जानी चाहिए और ऐसा प्रतीत होता है कि आप इसका पालन नहीं कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को 28 दिसंबर तक अनुपालन रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया। इसके साथ ही, पंजाब के मुख्य सचिव और डीजीपी को सुनवाई के दौरान वर्चुअली उपस्थित रहने का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने बताया कि पंजाब के आठ कैबिनेट मंत्रियों और डीजीपी के एक प्रतिनिधिमंडल ने 24 दिसंबर को प्रदर्शन स्थल पर जाकर डल्लेवाल से अस्पताल चलने के लिए कहा था, लेकिन किसानों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा, हमने मौके पर सारी सुविधाएं दी हुई हैं। अगर कुछ दिक्कत होती है तो हम खतरा नहीं उठा सकते। इस पर पीठ ने कहा, हमें गंभीर संदेह है उन किसानों पर, जो अपनी जान को लेकर जागरूक नहीं हैं। इस पर सिंह ने कहा कि राज्य सरकार इस मामले में बहुत गंभीरता से काम कर रही है। जब अदालत ने यह सवाल किया कि क्या केंद्र राज्य सरकार की मदद कर सकता है, तो सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र का हस्तक्षेप स्थिति को जटिल बना सकता है।

उन्होंने कहा, कुछ लोग डल्लेवाल को बंधक नहीं बना सकते। एक व्यक्ति की जान खतरे में है। राज्य सरकार कदम उठा सकती है। पंजाब एजी ने पीठ को बताया कि जब मंत्रियों का प्रतिनिधिमंडल डल्लेवाल से मिलने गया था, तो उन्होंने प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र दिया। सिंह ने कहा, उन्होंने कहा है कि यदि बातचीत होती है, तभी वे चिकित्सा सहायता स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। बता दें, डल्लेवाल फसलों पर एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित आंदोलनकारी किसानों की मांगों के समर्थन में केंद्र पर दबाव बनाने के लिए 26 नवंबर से पंजाब और हरियाणा के बीच खनौरी सीमा पर आमरण अनशन पर हैं। संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के बैनर तले किसान 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा बिंदुओं पर डेरा डाले हुए हैं। 13 फरवरी को सुरक्षा बलों ने उन्हें दिल्ली की ओर बढ़ने से रोक लिया था। याचिका में आरोप है कि किसानों और उनके संगठनों ने बेमियादी अवधि के लिए पंजाब में समस्त राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया है। याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने का अनुरोध किया था कि आंदोलनकारी किसान राष्ट्रीय राजमार्गों और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध नहीं करें। हालांकि, अदालत ने पंजाब में उन राजमार्गों पर अवरोधकों को हटाने के लिए केंद्र व अन्य को निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिका खारिज कर दी थी, जहां किसान विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

साइबर फ्रॉड को रोकने के लिए सरकार का बड़ा कदम

नई दिल्ली, 27 दिसंबर। श में साइबर अपराधों की बढ़ती संख्या के बीच, सरकार ने एक बड़ा और महत्वपूर्ण कदम उठाने की तैयारी की है। सरकार अब उन लोगों को ब्लैकलिस्ट करने जा रही है, जो दूसरों के नाम पर सिम कार्ड खरीदते हैं या फिर धोखाधड़ी वाले मैसेज भेजते हैं। ऐसे व्यक्तियों को साइबर सुरक्षा के लिहाज से खतरे के रूप में देखा जाएगा और उन्हें ब्लैकलिस्ट में डाला जाएगा। इसके बाद, इन लोगों पर सिम कार्ड खरीदने पर रोक लगाई जा सकती है और यह प्रतिबंध 3 साल तक जारी रह सकता है। भारत सरकार के दूरसंचार विभाग ने इस ब्लैकलिस्ट को बनाना शुरू कर दिया है। इस लिस्ट में वे लोग शामिल होंगे, जो धोखाधड़ी या साइबर अपराधों में लिप्त पाए गए हैं, जैसे दूसरों के नाम पर सिम कार्ड लेना या फ्रॉड मैसेज भेजना। जिनका नाम इस लिस्ट में होगा, उनके मौजूदा सिम कार्ड ब्लॉक कर दिए जाएंगे और उन्हें किसी भी नए सिम कार्ड की खरीदारी करने से 6 महीने से लेकर 3 साल तक के लिए रोका जा सकता है। सरकार ने इस प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने का भी प्रयास किया है। ब्लैकलिस्ट में किसी भी व्यक्ति को शामिल करने से पहले सरकार उसे नोटिस भेजेगी और उसके जवाब की मांग करेगी। नोटिस का जवाब देने के लिए संबंधित व्यक्ति को 7 दिनों का समय दिया जाएगा। हालांकि, यदि मामला गंभीर और व्यापक जनहित से जुड़ा हुआ है, तो बिना नोटिस दिए भी किसी व्यक्ति को ब्लैकलिस्ट में शामिल किया जा सकता है। यह कदम साइबर अपराधों को नियंत्रित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे व्यापक प्रयासों का हिस्सा है। हाल ही में, सरकार ने टेलीकॉम कंपनियों को साइबर क्राइम से बचाव के उपायों के बारे में जागरूकता फैलाने के निर्देश दिए थे। इसके तहत, टेलीकॉम कंपनियों को कोलर-ट्यून के माध्यम से उपभोक्ताओं को साइबर अपराधों से बचाव के तरीके बताने का आदेश दिया गया है।

घात लगाकर किए गए हमले में 14 अंतरिम सरकारी अधिकारियों की मौत

एजेंसी

दमिश्क । सीरिया के अंतरिम आंतरिक मंत्रालय के 14 अधिकारी उत्तर-पश्चिमी प्रांत टार्टस में एक विश्वासघाती हमले में मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी आंतरिक मंत्री मोहम्मद अब्दुल रहमान ने दी। स्थानीय अल-वतन अखबार के हवाले से सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, मंत्री ने हमलावरों को पूर्व सरकार के अवशेष बताया। मंत्रालय ने कहा कि मारे गए अधिकारी सुरक्षा बनाए रखने और नागरिकों की रक्षा करने के लिए अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। इससे पहले, यह रिपोर्ट किया गया था कि टार्टस प्रांत में हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन और स्थानीय सशस्त्र निवासियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स की रिपोर्ट के मुताबिक, लड़ाई खारबेट अल-मज्जा गांव में तब शुरू हुई, जब स्थानीय लोगों ने सुरक्षा बलों द्वारा उनके घरों की जांच का विरोध किया, जिसके बाद सशस्त्र निवासियों ने एचटीएस से जुड़े एक वाहन में आग लगा दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सैन्य गठबंधन की यूनिट 82 और के9 दस्तों का एक बड़ा काफिला लताकिया प्रांत के पास के क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है।

अमेरिका के कैलिफोर्निया में बर्ड फ्लू का प्रकोप, राज्य में दूध उत्पादन में भारी गिरावट

सैक्रामेंटो। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एवियन इन्फ्लूएंजा ए (एच5एन1) वायरस के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कैलिफोर्निया के अधिकारियों के अनुसार, बर्ड फ्लू ने अगस्त से अब तक 984 डेयरियों में से 659 को प्रभावित किया है। इनमें से एक-चौथाई मामले पिछले महीने में ही सामने आए। समाचार एजेंसी के अनुसार, राज्य के डेयरी उद्योग में तेजी से फैल रहे इस वायरस के कारण गवर्नर गेविन न्यूसम ने राज्य में पिछले सप्ताह आपातकाल की घोषणा की थी। कैलिफोर्निया के गवर्नर न्यूसम ने एक बयान में कहा, इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सरकारी एजेंसियों के पास इस विषम स्थिति से सामना करने का जरूरी संसाधन कितना है जिससे वो परिस्थिति के अनुसार तुरंत रिएक्ट कर सकें। अमेरिकी रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी) की जारी नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, इस महामारी का मानवीय प्रभाव लगातार गंभीर होता जा रहा है, तथा कैलिफोर्निया में ऐसे 36 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। जो कि देश के कुल 65 मामलों के आधे से भी अधिक हैं, हालांकि वास्तविक संख्या इससे अधिक होने की संभावना है, क्योंकि हाल ही में स्थानीय स्तर पर पुष्टि के मामले संघीय आंकड़ों में अभी तक जुड़े नहीं हैं।

नेतन्याहू ने हूती विद्रोहियों को दी चेतावनी, बोले इजरायल हवाई हमला करने पर कर रहा विचार

यरूशलम । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने चेतावनी दी कि यमन में हूती बलों को भी इजरायल विरोधी समूहों जैसा ही परिणाम भुगतना पड़ेगा। नेतन्याहू ने एक वीडियो बयान में कहा, हूती विद्रोहियों को भी वही सबक मिलेगा जो हमास, हिजबुल्लाह, असद सरकार और दूसरों को मिला है। हालांकि, इसमें समय लग सकता है। लेकिन, यह पूरे मध्य पूर्व के लिए एक सबक साबित होगा। इससे पहले बुधवार को हूती विद्रोहियों ने लगातार दूसरे दिन इजरायल की ओर जमीन से जमीन पर मार करने वाली मिसाइल दागी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार एक ड्रोन दक्षिणी इजरायल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। कथित तौर पर हूती बलों द्वारा जवाबी मिसाइल और ड्रोन हमलों के बाद इजरायल यमन में हूती बलों के खिलाफ एक बड़े हमले पर विचार कर रहा है। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने बताया कि सेना एक संभावित ऑपरेशन की तैयारी कर रही है। वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के हवाले से कान टीवी ने कहा कि इजरायली वायु सेना, सैन्य खुफिया और संचालन निदेशालय पिछले सप्ताह के हमले के बाद यमन में काफी आक्रामक योजनाएं बना रहे हैं और टार्गेट सूची का विस्तार कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर से हूती समूह ने गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए इजरायल पर कभी-कभी मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इसके जवाब में इजरायल ने कई बड़े हवाई हमले किए, जिनमें से सबसे हाल ही में पिछले सप्ताह हुआ। इस हमले में नौ लोगों की मौत हो गई।

इजरायली एयर स्ट्राइक में मारे गए 23 फिलिस्तीनी

गाजा । फिलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि गाजा पट्टी में इजरायली हवाई हमलों में 22 फिलिस्तीनी मारे गए। गाजा में सिविल डिफेंस के प्रवक्ता महमूद बसल ने सिन्हुआ को बताया कि इजरायली विमानों ने बुधवार को उत्तरी गाजा शहर में अल-मुहब्बन स्कूल के अंदर विस्थापित व्यक्तियों के लिए बने टेंट को निशाना बनाया। बसल ने बताया कि नागरिक सुरक्षा दल ने इजरायली हमलों के बाद स्कूल से सात शव और 25 घायल व्यक्तियों को बरामद किया, जिन्हें स्थानीय अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। स्थानीय सूत्र और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि टेंट में आग लग गई और बमबारी में कुछ शव क्षत-विक्षत हो गए। इजरायली सेना ने एक प्रेस बयान में कहा कि खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए इजरायली वायु सेना के एक विमान ने गाजा शहर के अल-फुरकान इलाके में हमास के एक सदस्य को निशाना बनाया। दावा किया गया कि सेना ने पूरी सावधानी बरती। आम नागरिकों को ध्यान में रख हमले किए गए।

डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित प्रमुख नेताओं ने जताया शोक

एजेंसी

काठमांडू। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर नेपाल के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कई पूर्व प्रधानमंत्री सहित प्रमुख दल के नेताओं ने शोक प्रकट किया है। इन सभी नेताओं ने दिवंगत मनमोहन सिंह के साथ अपनी स्मृति को साझा किया।

नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल ने एक बयान जारी करते हुए भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर दुख प्रकट किया है। डॉ. सिंह को विश्व के प्रख्यात अर्थशास्त्री बताते हुए राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि उनके द्वारा भारत के लिए अपनाई गई अर्थनीति का नेपाल समेत कई देशों ने अनुसरण करते हुए लाभ लिया है। राष्ट्रपति ने शोक संदेश भेजते हुए नेपाल की जनता की तरफ से गहरी शोक संवेदना जताई है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने डॉ. मनमोहन सिंह को एक अर्थशास्त्री के साथ महान विचारक एवं चिंतक के रूप में याद किया। ओली ने

सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नेपाल और भारत के संबंधों को सुदृढ़ करने के उनके प्रयासों को स्मरण कर रहा हूं। प्रधानमंत्री ओली ने डॉ. मनमोहन सिंह के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल प्रचण्ड ने डॉ. सिंह के निधन को व्यक्तिगत क्षति बताया है। प्रचंड ने अपने शोक संदेश में कहा है कि सशस्त्र द्वंद में रहे माओवादी को शांति प्रक्रिया में लाने में डॉ. मनमोहन की भूमिका की जितनी प्रशंसा की जाए कम है। नेपाल में लोकतंत्र की पुनर्बहाली में डॉ. मनमोहन सिंह के ही मार्गदर्शन में सात दल और तत्कालीन विद्रोही पक्ष माओवादी के बीच लिखित समझौता हुआ था।

इसी तरह माओवादी के पूर्व नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. बाबूराम भट्टराई ने मनमोहन सिंह के निधन पर अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए उन्हें एक महान अर्थशास्त्री, कुशल प्रशासक, दक्षिण एशिया के उदारीकरण के अग्रणी नेता के रूप में याद किया है। भट्टराई ने कहा कि नेपाल-भारत संबंधों को लेकर अत्यंत ही सकारात्मक रहने वाले डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से नेपाली जनता को भी उतना ही दुख हुआ है। पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल ने डॉ. सिंह के निधन पर जारी शोक संदेश में उन्हें नेपाल का सच्चा मित्र, सच्चे शुभचिंतक और नेपाल तथा नेपाली जनता के प्रति हमेशा ही प्रेम और सद्भाव रखने वाले नेता के रूप में याद किया है। माधव नेपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें डॉ. मनमोहन सिंह के साथ कई बार मिलने और मंच साझा करने का मौका मिला है। उनके निधन से न सिर्फ भारत ने बल्कि पूरे विश्व ने एक महान अर्थशास्त्री को खो दिया है।

जंगल की आग को और भड़का रही है तेज हवाएं

एजेंसी

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में में लगी जंगल की आग को बुझाने में फायर फाइटर्स को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा रहा है। विक्टोरिया के आपातकालीन प्रबंधन आयुक्त रिक नुगेंट ने कहा कि फायर फाइटर्स को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन वे आगे आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हैं।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, विक्टोरिया राज्य में आग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था। दरअसल गर्मी और तेज हवाओं के कारण जंगलों में आग लगने का खतरा बढ़ गया था। नुगेंट ने पत्रकारों से कहा कि तेज उत्तरी हवाएं विक्टोरिया के दक्षिण में स्थित ग्रैम्पियंस नेशनल पार्क में लगी आग को और भड़का रही हैं। अधिकारी ने कहा, इसके बाद हवा की दिशा बदलकर दक्षिण-पश्चिम की ओर हो जाएगी, जिससे मौजूदा आग को बुझाने वाले अग्निशामकों के लिए समस्याएं और बढ़ जाएंगी ग्रैम्पियंस नेशनल पार्क की आग ने पहले ही करीब 55,000 हेक्टेयर भूमि को जलाकर पर्यावरण, पशुधन और बाहरी इमारतों को काफी नुकसान पहुंचाया है। नुगेंट ने कहा, ÷हमें अब तक आवासीय घरों के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन ग्रैम्पियंस में कई लोग रहते हैं, इसलिए अगर कोई घर नष्ट होता है, तो मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं होगी। विक्टोरिया के राज्य नियंत्रण केंद्र के ल्यूक हेगर्टी ने कहा कि ग्रैम्पियंस में हालात जल्दी बदल रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि हमने अनुमान लगाया था, आज दोपहर में आग और भड़की। हवा की दिशा बदलने से आग के कुछ हिस्सों पर असर पड़ना शुरू हो गया है। हेगर्टी ने आगे कहा, आज सुबह और दोपहर को हमने उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण आग को दक्षिण-पूर्व की ओर फैलते हुए देखा है। उन्होंने कहा कि दोपहर की हवाओं ने पेड़ गिरा दिए, जिससे उस क्षेत्र से बाहर जाने की कोशिश कर रहे लोगों परेशानी हो सकती है।

सीरिया में अपदस्थ राष्ट्रपति के 20 से अधिक समर्थक मारे गए, कम से कम 45 गिरफ्तार

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया में अब अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद के समर्थकों की जान पर बन आई है। सैन्य संचालन विभाग ने राजधानी दमिश्क, ग्रामीण इलाकों, होम्स, लताकिया और टार्टस के कई इलाकों में अभियान चलाकर असद के 20 से अधिक समर्थकों को मार गिराया और कम से कम 45 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। सीरियाई सैन्य संचालन विभाग असद के इन समर्थकों को आतंकवादी मान रहा है। न्यूज एजेंसी '963+' के अनुसार सैन्य संचालन विभाग के करीबी सूत्र ने बताया कि मेजेह 86, रिपब्लिकन गार्ड के आवासों, दमिश्क के डुम्मर प्रोजेक्ट, कुदसाया, अल-हमा और असल अल में सुरक्षा अभियान शुरू किया गया है। सैन्य संचालन विभाग ने वांछित व्यक्तियों और आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए चार दिन का समय दिया था। इस अवधि के गुजरने के बाद शुरू किए गए अभियान में अपदस्थ शासन से जुड़े कम से कम 20 आतंकवादी मारे गए और 45 से अधिक को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके अलावा देश के पश्चिम में लताकिया शहर में एक अधिकारी सहित अपदस्थ शासन के 20 सदस्यों को भी गिरफ्तार किया गया। इससे पहले बुधवार को सीरियाई अंतरिम सरकार के आंतरिक मंत्री मोहम्मद अब्द अल-रहमान ने कहा था कि अपदस्थ राष्ट्रपति से संबद्ध बंदूकधारियों के घात लगाकर किए गए हमले में आंतरिक मंत्रालय के 14 सदस्य मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए।

चीन का ब्रह्मपुत्र नद पर सबसे बड़ा बांध बनाने का ऐलान

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने भारतीय सीमा के करीब तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 137 अरब डॉलर की लागत से दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण को मंजूरी दे दी है, जिससे तटवर्ती देशों- भारत और बांग्लादेश में चिंताएं बढ़ गई हैं।

दरअसल, चीन की सरकार ने ऐलान किया है कि वह तिब्बत की सबसे लंबी नदी यारलुंग त्सांगपो (भारत का ब्रम्हपुत्र नद) पर महाशक्तिशाली बांध बनाने जा रही है। इस बांध से चीन के धरती की स्पीड को प्रभावित करने वाले थ्री जॉर्ज बांध से 3 गुना ज्यादा बिजली पैदा होगी। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ ने यह जानकारी दी है। एजेंसी के अनुसार, चीन की

सरकार इसे हिमालय के करीब एक विशाल घाटी में बनाने की योजना पर काम कर रही है। इसी स्थान से ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल प्रदेश और फिर बांग्लादेश की तरफ मुड़ जाती है। चीनी मीडिया का कहना है कि यह बीजिंग के लिए इंजीनियरिंग की बड़ी चुनौती बनने जा रहा है। सरकार इस बांध को बनाने के लिए 137 अरब डॉलर खर्च करने जा रही है।

बांध निर्माण की घोषणा के बाद कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि यह चीनी बांध धरती पर चल रहे सिंगल इन्फ्रास्ट्रक्चर के किसी भी प्राजेक्ट को बहुत पीछे कर देगा जबकि कुछ विशेषज्ञ इस निर्णय को सोची समझी प्रक्रिया बता रहे हैं। उनका कहना है कि चीन इस दैत्याकार बांध का इस्तेमाल हथियार की तरह उपयोग कर भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में कभी भी बाढ़ ला सकता है।

अजरबैजानी सरकार के सूत्रों का दावा- रूसी मिसाइल के कारण हुई कजाकिस्तान में विमान दुर्घटना

एजेंसी

अक्तौ (कजाकिस्तान)। अजरबैजान सरकार के सूत्रों ने मीडिया में पुष्टि की है कि सतह से हवा में मार करने वाली रूसी मिसाइल के कारण बुधवार को अक्तौ में अजरबैजान एयरलाइंस का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

सूत्रों के अनुसार, ग्रोजी (रूस) के ऊपर ड्रोन हवाई गतिविधि के दौरान फ्लाइट 8432 पर मिसाइल दागी गई और उड़ान के बीच में विमान के बगल में विस्फोट होने से छर्रे यात्रियों और केबिन क्रू को लगे।

बाकू स्थित अंतरराष्ट्रीय आउटलेट एन्यूज़ ने अज़रबैजानी सरकार के सूत्रों का हवाला देते हुए बताया कि मिसाइल को पैंटिर-एस वायु रक्षा प्रणाली से दागा गया था।

रूसी सूत्रों के अनुसार, जिस समय अज़रबैजान एयरलाइंस की उड़ान चेचन्या के क्षेत्र से गुजर रही थी, रूसी वायु रक्षा बल सक्रिय रूप से यूक्रेनी यूएवी को मार गिराने का प्रयास कर रहे थे। वहीं, जीवित बचे लोगों ने बताया है कि उन्होंने

ग्रोज़ी में लैंडिंग के असफल प्रयासों से पहले एक विस्फोट की आवाज़ सुनी थी। इसके बाद अक्तौ में उतरने की कोशिश करने पर विमान टकराकर टूट गया और उसमें आग लग गई।

इस विमान दुर्घटना की आगे की जांच से मिसाइल के दागे जाने की परिस्थितियों, रूस में नजदीकी हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति नहीं मिलने और क्षतिग्रस्त विमान के साथ समुद्र पार करने के निर्देश का खुलासा होने की उम्मीद है। दुर्घटनास्थल से ब्लैक बॉक्स बरामद कर लिया गया है और दुर्घटना से पहले की घटनाओं की पुष्टि करने में इसका विश्लेषण महत्वपूर्ण होगा।

पाकिस्तान में आतंकवाद विरोधी अभियानों में 13 आतंकवादी ढेर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने तीन अलग-अलग अभियानों में एक सैन्य अधिकारी और 13 आतंकवादियों को मार गिराया। एजेंसी सिन्हुआ ने सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के हवाले से बताया कि बन्नू जिले में एक ऑपरेशन चलाया गया। इस ऑपरेशन में आतंकवादियों के ठिकाने को सटीक रूप से निशाना बनाया गया और मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादी मार गिराए गए। बयान में कहा गया है कि उत्तरी वज़ीरिस्तान जिले में एक और ऑपरेशन हुआ, जिसमें भारी गोलीबारी के दौरान एक सैन्य अधिकारी और पांच आतंकवादी मारे गए। इसके अलावा, आठ आतंकवादी घायल भी हुए। बयान में कहा गया है कि तीसरी मुठभेड़ दक्षिण वज़ीरिस्तान जिले में हुई, जिसमें छह आतंकवादी मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। आईएसपीआर ने कहा कि इलाके में

मौजूद बाकी आतंकवादियों को नष्ट करने के लिए अभियान जारी है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि दिसंबर में पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में पुलिस ने एक आतंकवादी हमले को विफल कर दिया था, जिसमें चार आतंकवादी मारे गए थे और दो पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। जिले की पुलिस ने एक बयान में कहा कि यह घटना मियांवाली जिले में हुई, जहां लगभग 20 आतंकवादियों ने एक पुलिस स्टेशन पर हमला कर दिया। स्टेशन के अंदर पुलिस सतर्क थी और उसकी जल्दी प्रतिक्रिया की वजह से, आतंकवादियों की साजिश नाकाम हो गई और वे घटनास्थल से भाग गए। बयान में कहा गया कि हमले के बाद दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई, जिसमें आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में ले लिया है और उनकी पहचान की जांच की जा रही है।

दक्षिण कोरिया में अब विपक्ष का कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ मोर्चा

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया में अब विपक्ष ने कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। मुख्य विपक्षी दल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोरिया (डीपीके) ने हान पर संवैधानिक न्यायालय में खाली तीन जजों के पदों पर नियुक्ति पर आनाकानी का आरोप लगाया है। साथ ही महाभियोग का सामना करने के लिए चेताया है।

दक्षिण कोरिया के दो प्रमुख समाचार पत्रों द कोरिया टाइम्स और द कोरिया हेराल्ड ने अपनी खबर में इस विवाद पर विस्तार से चर्चा की है। दरअसल कार्यवाहक राष्ट्रपति हान ने कहा है कि वह तब तक संवैधानिक न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं करेंगे जब तक प्रतिद्वंद्वी पार्टियां राजनीतिक समझौता नहीं कर लेतीं। उनके इस बयान के बाद डीपीके ने कार्यवाहक राष्ट्रपति हान के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव

पेश कर नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र में इसकी सूचना दी। डीपीके की मांग है कि नौ सदस्यीय संवैधानिक न्यायालय के तीन खाली पदों पर कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्ति को मंजूरी दें। दरअसल संवैधानिक न्यायालय को यह तय करना है कि तीन दिसंबर की अल्पकालिक मार्शल लॉ घोषणा पर राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ पारित हो चुके महाभियोग प्रस्ताव को चलाया जा सकता है या नहीं। देश के संविधान के अनुसार, महाभियोग प्रस्ताव को बरकरार रखने के लिए संवैधानिक न्यायालय में कम से कम छह मतों की आवश्यकता होती है।

मुख्य विपक्षी दल डीपीके ने नेशनल असेंबली के पूर्ण सत्र के दौरान कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पर मतदान कराने की रणनीति तैयार की है। कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू ने साफ कहा कि वह द्विदलीय समझौते के बिना किसी भी न्यायाधीश की नियुक्ति नहीं करेंगे। इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने हान पर महाभियोग चलाने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इसमें कार्यवाहक राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा का सहयोगी बताया गया।

सीरिया के अंतरिम अधिकारियों ने दमिश्क के उपनगरीय इलाके, टारटस में अभियान शुरू किया

एजेंसी

दमिश्क। सीरिया के अंतरिम प्रशासन ने ग्रामीण दमिश्क में सुरक्षा अभियान शुरू किया। साथ ही तटीय प्रांत टारटस में सशस्त्र समूहों को निशाना बनाकर अभियान चलाया, स्थानीय मीडिया अल-वतन ऑनलाइन ने यह जानकारी दी। अभियान ने दमिश्क के ग्रामीण इलाकों में कुद्सया, अल-हमे, ऐश अल-वारौर, जबल अल-वार्ड और हे अल-वुरूद सहित पड़ोस को निशाना बनाया। अस-वतन ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि अभियान का उद्देश्य अवैध हथियारों को जब्त करके और कलह भड़काने वाले के रूप में पहचाने गए व्यक्तियों को हिरासत में लेकर क्षेत्र की तलाशी लेना था। इस बीच, टार्टस में, अधिकारियों ने घोषणा की कि उन्होंने कई लड़ाकों को निष्प्रभावी कर दिया है, जिन्हें उन्होंने जंगली इलाकों और पहाड़ियों पर असद के मिलिशिया के अवशेष÷ के रूप में संदर्भित किया। रिपोर्ट ने संकेत दिया कि अतिरिक्त भगोड़ों को पकड़ने के लिए अभियान

जारी है। समाचार एजेंसी ने बताया कि यह कार्रवाई देश भर में सुरक्षा पहलों की एक श्रृंखला के हिस्से के रूप में की गई, जिसका उद्देश्य नए नेतृत्व के अधिकार को मजबूत करना है। यह घटना टार्टस, लताकिया, होम्स और दमिश्क में प्रदर्शनकारियों द्वारा सड़कों पर उतरने के एक दिन बाद हुई, जिसमें अलावी अल्पसंख्यक के धार्मिक स्थल पर कथित हमलों की निंदा की गई। सुरक्षा अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि ऐसी घटनाएं अलग-थलग हैं और चेतावनी दी कि पूर्व शासन के अवशेष सांप्रदायिक विभाजन का फायदा उठाकर कलह पैदा कर सकते हैं। , यह बताया गया कि सीरिया के अंतरिम आंतरिक मंत्रालय के 14 अधिकारी उत्तर-पश्चिमी प्रांत टार्टस में एक 'विश्वासघाती हमले' में मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए। अंतरिम सरकार के आंतरिक मंत्री मोहम्मद अब्दुल रहमान ने हमलावरों को पूर्व सरकार के 'अवशेष' बताया। मंत्रालय ने कहा कि मारे गए अधिकारी सुरक्षा बनाए रखने और नागरिकों की रक्षा करने के उद्देश्य से कर्तव्यों का पालन कर रहे थे। इस महीने की शुरुआत में सीरिया में बशर अल-असद की सरकार के हाल ही में पतन के बाद, कई हाई-प्रोफाइल घटनाओं ने पूरे देश में सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा दिया है।

सोवियत संघ और अमेरिका से सबक ले इस्लामाबाद : पाकिस्तानी एयर स्ट्राइक पर तालिबान की चेतावनी

एजेंसी

काबुल । इस्लामाबाद को अफगानिस्तान पर निशाना साधने से पहले इतिहास से सबक सीखना चाहिए, पाकिस्तान को यह चेतावनी अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने दी। कई रिपोर्टों में मुत्ताकी के हवाले से कहा गया है कि अफगानिस्तान अपने क्षेत्र पर हुए आक्रमण को नहीं भूलेगा, और पाकिस्तानी शासकों को एक संतुलित नीति अपनानी चाहिए।

बस हादसे में तीन की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

एजेंसी

ओस्लो । नॉर्वे के उत्तरीय शहर हैडसेल में एक यात्री बस के झील में गिर जाने से तीन लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी देश के स्थानीय अधिकारियों ने दी। झील में गिरने के समय इस बस में 50 से अधिक यात्री सफर कर रहे थे। दुर्घटना से पहले यह बस नार्विक से स्वोल्वेर जा रही थी। स्वोल्वेर जाते समय बस उत्तरी नॉर्वे के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल लोफोटेन द्वीपसमूह के राफ्टसुंडेट के निकट होटल में पलट गई। समाचार एजेंसी के अनुसार, आपातकालीन सेवाओं को घटनास्थल के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। खराब मौसम की वजह से घटनास्थल पर पहुंचने के लिए हेलीकॉप्टर को ले जाने में भी समस्या हुई। नॉर्डलैंड पुलिस डिस्ट्रिक्ट के चीफ ऑफ स्टाफ बेंट

एरे एलर्टसन ने इस दुर्घटना के बारे में जानकारी देते हुए कहा, बस आंशिक रूप से पानी में डूबी हुई है। तीन लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। आपातकालीन सेवाओं ने बस से सभी को निकाल लिया है। गंभीर रूप से घायल पीड़ितों को हेलीकॉप्टर से अस्पताल ले जाया गया, जबकि अन्य को एक स्कूल सहित निकटवर्ती आश्रय स्थलों में ले जाया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान में सवार यात्री आठ विभिन्न देशों से हैं, जिनमें नॉर्वे, भारत, चीन, सिंगापुर, मलेशिया, नीदरलैंड, फ्रांस और दक्षिण सूडान शामिल हैं। नॉर्वे में चीनी दूतावास ने पुष्टि की है कि बस में करीब 20 चीनी पर्यटक सवार थे, जिनमें से पांच को मामूली चोट आई। दूतावास ने कहा कि वह पर्यटकों से संपर्क बनाए हुए है और उनकी सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर ने इस दुर्घटना में मारे गए लोगों के लिए शोक व्यक्त किया। उन्होंने राष्ट्रीय प्रसारक एनआरके से कहा, ÷मुझे लगता है कि नॉर्वे में हर कोई हैडसेल से जो कुछ भी सुन रहा है, उससे प्रभावित है। उन्होंने देश से उन लोगों के साथ खड़े होने का आग्रह किया जो बुरी तरह प्रभावित हैं। दुर्घटना के कारणों की जांच चल रही है।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हिंदू मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से मुक्ति के लिए विहिप ने की देशव्यापी अभियान की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। हिन्दू मन्दिरों की सरकारी नियंत्रण से मुक्ति के लिए विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने अगले महीने से देश व्यापी जन-जागरण अभियान शुरू करने की घोषणा की है। विहिप के संगठन महामंत्री मिलिंद परांडे ने यहां प्रेस वार्ता में यह घोषणा की। मिलिंद परांडे ने कहा कि अब सभी राज्य सरकारों को मंदिरों के नियंत्रण, प्रबंधन और दैनंदिनी कार्यों से स्वयं को अविलंब अलग कर लेना चाहिए, क्योंकि उनका यह कार्य हिंदू समाज के प्रति भेदभावपूर्ण है। संतों और हिंदू समाज के श्रेष्ठ लोगों की अगुवाई में आगामी 5 जनवरी से इस संबंध में हम एक देशव्यापी जन जागरण अभियान प्रारम्भ करेंगे। इस अखिल भारतीय अभियान का शंखनाद आन्ध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में आयोजित 'हैंदव शंखारावम' नामक लाखों लोगों के विशेष व विराट समागम में होगा। विहिप संगठन महामंत्री ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश की स्वाधीनता के उपरांत जिस हिन्दू-द्रोही काम पर विराम लग जाना चाहिए था, अर्थात मंदिरों को हिंदू समाज को सौंप देना चाहिए था, एक के बाद एक अनेक राज्य सरकारें संविधान के अनुच्छेद 12, 25 और 26 की अनदेखी करती रहीं। जब कोई मस्जिद या चर्च उनके नियंत्रण में नहीं तो भला हिंदुओं के साथ ही यह भेदभाव क्यों। अनेक उच्च न्यायालयों तथा सर्वोच्च न्यायालय के स्पष्ट संकेतों के बावजूद सरकारें मंदिरों के प्रबंधन व सम्पत्तियों पर कब्ज़े जमा कर बैठी रहीं।

माकन की टिप्पणी पर भड़की आआपा, कहा- कांग्रेस को इंडी गठबंधन से बाहर किया जाए

नई दिल्ली। दिल्ली में इंडी गठबंधन न सिर्फ बिखर गया है बल्कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) के बीच तलवारें खिंच गई हैं। कांग्रेस नेता अजय माकन ने कल अरविंद केजरीवाल पर आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए गंभीर आरोप लगाए थे। आज दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी और आआपा सांसद संजय सिंह ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस पर पलटवार किया। आआपा ने कहा कि कांग्रेस को आईएनडीआईए (इंडी गठबंधन) से बाहर कर दिया जाना चाहिए। आआपा नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कांग्रेस भाजपा के पक्ष में खड़ी है। अजय माकन भाजपा की स्क्रिप्ट पढ़ते हैं और आआपा के नेताओं को कोसते हैं। उन्होंने कल आआपा के संयोजक केजरीवाल को एंटी नेशनल कहा। क्या आज तक अजय माकन ने भाजपा के किसी नेता को ऐसा कहा? ये कैसा बयान है? जिस केजरीवाल ने कांग्रेस के उम्मीदवारों के लिए दिल्ली और चंडीगढ़ में प्रचार किया, संसद में हम कांग्रेस के साथ खड़े रहे, उसी पार्टी (यूथ कांग्रेस) के नेता केजरीवाल के खिलाफ एफआईआर करा रहे हैं। हरियाणा चुनाव में हम कांग्रेस के साथ मिलकर लड़ना चाहते थे लेकिन कांग्रेस के कारण गठबंधन नहीं हुआ। इसके बावजूद हमारे किसी नेता ने कांग्रेस नेताओं के खिलाफ एक शब्द नहीं बोला। आज कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची देखकर साफ पता चल रहा कि जैसे वह भाजपा के दफ्तर से बन कर आ रही है।

सफलता के भ्रामक दावे करने वाले तीन कोचिंग इंस्टीट्यूट पर गिरी गाज, सीसीपीए ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2022 और 2023 के परिणामों के संबंध में भ्रामक दावों का विज्ञापन करने के लिए वाजीराव एंड रेड्डी इंस्टीट्यूट और स्टडीआईक्यू आईएएस पर 7-7 लाख रुपये और एज आईएएस पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि मुख्य आयुक्त निधि खरे और आयुक्त अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता में केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के लिए यह जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही सीसीपीए ने तत्काल प्रभाव से वाजीराव एंड रेड्डी इंस्टीट्यूट, स्टडीआईक्यू आईएएस स्टडी और एज आईएएस को भ्रामक विज्ञापन बंद करने का आदेश दिया है। प्राधिकरण ने उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और उन्हें बढ़ावा देने के लिए यह कार्रवाई की है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले किसी भी सामान या सेवा के लिए कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन न किया जाए।

डेढ़ करोड़ की ड्रग्स बरामद, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। नए साल के जश्न पर रेव पार्टियों में ड्रग्स का इस्तेमाल रोकने के लिए दिल्ली पुलिस पूरी तरह सक्रिय है। इसी क्रम में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एंटी रॉबरी स्नैचिंग सेल (एआरएससी) ने ड्रग्स तस्कर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से करीब साढ़े तीन किलो ग्राम उम्दा क्वॉलिटी की मलाना क्रीम (हशीश) बरामद हुई है जिसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ की आंकी गई है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि इस ड्रग्स की सप्लाई नए साल पर आयोजित रेव पार्टियों में की जानी थी। लेकिन सप्लाई से पूर्व ही पुलिस ने आरोपितों को ड्रग्स के साथ दबोच लिया। क्राइम ब्रांच की टीमों ने दो अलग-अलग जगह ऑपरेशन चलाते हुए आरोपित गोविंद, घनश्याम और बुधराम को पकड़ा है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर होगा 7 दिन का राष्ट्रीय शोक

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिल्ली के एम्स में निधन हो गया। डॉ. मनमोहन सिंह ने रात 9 बजकर 51 मिनट पर अंतिम सांस ली। केंद्र सरकार इस दुख की इस घड़ी में 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित करेगी। इसके साथ कल होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द किए जाएंगे। डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। डॉ. मनमोहन लंबे समय से अस्वस्थ थे। रात आठ बजे उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। जिसके बाद वे बेहोश होगे। उन्हें तुरंत दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह के निधन को लेकर दिल्ली एम्स ने विज्ञप्ति के जरिए बयान जारी किया।

एम्स की ओर से बताया गया कि मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। वो उम्र से संबंधित बीमारियों से ग्रसित थे। आज अपने घर पर अचानक बेहोश हो गए थे। उन्हें रात 8:06 बजे एम्स के मेडिकल इमरजेंसी में लाया गया। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। रात 9:51 बजे उन्हें मृत घोषित किया गया। मनमोहन सिंह एक प्रमुख भारतीय राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री, शिक्षक और ब्यूरोक्रेट रहे। उन्होंने 2004 से 2014 तक भारत के प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया और वह जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और नरेन्द्र मोदी के बाद चौथे सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रधानमंत्री है। उन्होंने लोकसभा का सदस्य बनने के बजाय राज्यसभा में असम से 1991 से 2019 और फिर राजस्थान से 2019 से 2024 तक सदस्य के रूप में कार्य किया। मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितंबर 1932 को पश्चिम पंजाब के गाह (जो अब पाकिस्तान में है) में हुआ था। 1947 में भारत विभाजन के दौरान उनका परिवार भारत आ गया। सिंह ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट किया और 1966 से 1969 तक संयुक्त राष्ट्र में काम किया। इसके बाद उन्होंने भारतीय प्रशासनिक सेवा में अपनी शुरुआत की और कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया।

1991 में, जब भारत गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा था, प्रधानमंत्री पी. वी. नरसिम्हा राव ने उन्हें वित्त मंत्री के रूप में अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया।

सीडब्ल्यूसी बैठक में नहीं पहुंचीं सोनिया गांधी, पत्र लिखकर भेजा संदेश

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेलगावी में हो रही विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में स्वास्थ्य कारणों से पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी शामिल नहीं हो सकीं। प्रियंका गांधी वाड्रा भी बैठक में शामिल नहीं हो पाई हैं। इस बैठक के लिए सोनिया गांधी ने एक पत्र के माध्यम से अपना संदेश भेजा है। विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया समेत अन्य नेता मौजूद हैं। इस बैठक में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी अस्वस्थ होने की वजह से शामिल नहीं हो सकी हैं। माना जा रहा है कि सोनिया की देखभाल करने की वजह से सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी इस बैठक में शामिल हुईं। इस बैठक को सोनिया गांधी ने एक पत्र भेजकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्यों को संबोधित किया। इस पत्र में उन्होंने कहा, मुझे खेद है कि मैं इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी के साथ उपस्थित नहीं हो पा रही हूं। सोनिया ने लिखा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 39वां अधिवेशन ठीक सौ वर्ष पहले इसी स्थान पर आयोजित किया गया था। इसलिए यह उचित ही है कि आप सभी महात्मा गांधी नगर में एकत्रित हों। महात्मा गांधी का यहां कांग्रेस अध्यक्ष बनना हमारी पार्टी और स्वतंत्रता आंदोलन के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। यह हमारे देश के इतिहास में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर था।

कांग्रेस पार्टी ने सात दिनों के लिए सभी कार्यक्रम रद्द किए

एजेंसी

नई दिल्ली। दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के सम्मान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस समारोह सहित सभी आधिकारिक कार्यक्रम अगले सात दिनों के लिए रद्द कर दिए गए हैं। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव केसी वेणुगोपाल ने आज रात यह जानकारी दी।केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इस दौरान रद्द किए जाने वाले कार्यक्रमों में सभी आंदोलनात्मक और आउटरीच कार्यक्रम शामिल हैं। पार्टी के कार्यक्रम 83 जनवरी, 2025 को फिर से शुरू होंगे। शोक की इस अवधि के दौरान पार्टी का झंडा आधा झुका रहेगा। कांग्रेस नेता एवं राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला ने बताया कि डॉ मनमोहन सिंह के सम्मान में कांग्रेस ने शुक्रवार को कर्नाटक के बेलगाम में अपनी जय बापू, जय भीम, जय संविधान रैली रद्द कर दी है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कल डॉ मनमोहन सिंह की याद में एक शोक सभा आयोजित करेगी।

कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा, मैंने एक मार्गदर्शक खो दिया। हममें से लाखों लोग जो उनके प्रशंसक थे, उन्हें अत्यंत गर्व के साथ याद करेंगे। मनमोहन सिंह जी ने बहुत ही बुद्धिमत्ता और ईमानदारी के साथ भारत का नेतृत्व किया। उनकी विनम्रता और अर्थशास्त्र की गहरी समझ ने पूरे देश को प्रेरित किया। श्रीमती कौर और उनके परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

सीडब्ल्यूसी बैठकः कांग्रेस देश के संविधान और स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के बेलगावी में हुई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में दो प्रस्ताव प्रमुखता से पारित किए गए। पहला- महात्मा गांधी पर और दूसरा देश की राजनीतिक स्थिति पर। पार्टी बड़े पैमाने पर संगठनात्मक सुधार करेगी और यह काम तुरंत शुरू हो जाएगा। बैठक के बाद यह जानकारी पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने पत्रकारों को दी।उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस देश के संविधान और स्वतंत्रता आंदोलन के आदर्शों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इसी के अनुरूप भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 'जय भीम जय संविधान' अभियान शुरू करेगी। इस अभियान की शुरुआत 27 दिसंबर को बेलगावी में एक रैली से होगी। इसका समापन 26 जनवरी, 2025 को संविधान के लागू होने और गणतंत्र की स्थापना की 75वीं वर्षगांठ पर महू में एक रैली से होगा। इस एक महीने के दौरान हर राज्य, ज़िले और ब्लॉक में

भी रैलियां आयोजित की जाएंगीं और मार्च निकाले जाएंगे। महात्मा गांधी की विरासत के साथ संविधान की विरासत को संरक्षित, सुरक्षित और बढ़ावा देने की आवश्यकता को देखते हुए, यह आंदोलन 26 जनवरी, 2025 से आगे भी जारी रहेगा। 26 जनवरी, 2025 और 26 जनवरी, 2026 के बीच, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस संविधान बचाओ राष्ट्रीय पदयात्रा नामक एक विशाल, राष्ट्रव्यापी जनसंपर्क अभियान शुरू करेगी, जिसमें सभी नेता भाग लेंगे। यह पदयात्रा रिले के रूप में गांव-गांव, कस्बे-कस्बे तक जाएगी। अप्रैल 2025 के पहले या दूसरे हफ़्ते में गुजरात में अखिल भारतीय कांग्रेस समिति का सत्र आयोजित किया जाएगा। बैठक में सीडब्ल्यूसी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ठीक एक महीने बाद जब हम अपने गणतंत्र के 75वें वर्ष में प्रवेश करने जा रहे हैं, तब संविधान को अब तक के सबसे गंभीर ख़तरे का सामना करना पड़ रहा है। जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि संविधान के निर्माण की डॉ. आंबेडकर से अधिक ज़िम्मेदारी किसी और ने नहीं उठाई। केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा संसद में किया गया डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान संविधान को कमज़ोर करने के संघ-भाजपा के दशकों पुराने प्रोजेक्ट का सबसे ताज़ा उदाहरण है। कार्यसमिति ने केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफ़े के साथ-साथ देश से माफी मांगने की मांग दोहराई है। सीडब्ल्यूसी ने लोकतंत्र में लगातार आ रही गिरावट पर चिंता जताते हुए कहा कि न्यायपालिका, चुनाव आयोग और मीडिया जैसी संस्थाओं का कार्यपालिका के दबाव के माध्यम से राजनीतिकरण किया गया है।

डॉ. मनमोहन सिंह को याद कर भावुक हुए जयराम रमेश

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उनके सहयोगी रहे जयराम रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर एक अत्यंत भावुक पोस्ट लिखकर उन्हें याद किया।

जयराम रमेश ने लिखा, एक अत्यंत पूर्ण और असाधारण रूप से प्रतिष्ठित जीवन समाप्त हो गया। मुख्य आर्थिक सलाहकार, वित्त सचिव, आरबीआई गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष, वित्त मंत्री और भारत के प्रधानमंत्री। ऑक्सफोर्ड और कैम्ब्रिज दोनों के पूर्व छात्र। 1956 में कैम्ब्रिज में प्रतिष्ठित एडम स्मिथ पुरस्कार के विजेता। मृदुभाषी, शांत और हमेशा गरिमामय, उनका दृढ़ संकल्प था। वे अपने 1991, 1992 और अन्य बजटों के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था के तकनीकी परिवर्तनकर्ता थे। उनके प्रधानमंत्रित्वकाल में ग्रामीण रोजगार, आदिवासी अधिकार, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ओबीसी के लिए आरक्षण, प्राथमिक शिक्षा, खाद्य सुरक्षा और भूमि अधिग्रहण से संबंधित क्रांतिकारी कानून बने। भारत-अमेरिका परमाणु समझौता एक मील का पत्थर था, जिसने भारत की वैश्विक स्थिति को

बढ़ाया। उनके प्रधानमंत्रित्व काल में देश के इतिहास में सबसे अधिक जीडीपी विकास दर देखी गई। जयराम रमेश ने आगे लिखा, वे दिल से एक सज्जन व्यक्ति थे, और उनमें किसी के प्रति कोई दुर्भावना या द्वेष नहीं था। वे संवाद, आम सहमति और कठिन परिस्थितियों में भी सामंजस्य की राजनीति में विश्वास करते थे और उसका पालन करते थे। विनम्रता और ईमानदारी उनकी पहचान थी। जो लोग उन्हें बदनाम करना चाहते थे, उन्होंने अपना असली चेहरा दिखाया। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने जो पहल की, उनमें से कई को उनके उत्तराधिकारी के योगदान के रूप में प्रचारित, प्रसारित और पेश किया गया। लेकिन डॉ. सिंह ने कभी इस पर ध्यान नहीं दिया और हमेशा अपनी खास मुस्कान के साथ पेश आते रहे। उन्होंने मुझे सितंबर 1986 में योजना आयोग में भर्ती किया और तब से यह मेरा सौभाग्य रहा कि मैं अगले 38 वर्षों तक उनके साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा रहा। अपने अनोखे और विशिष्ट तरीके से, डॉ. मनमोहन सिंह ने हमारे इतिहास पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

वक्फ संशोधन विधेयक पर विचार कर रही जेपीसी ने जानकारी देने के लिए 15 दिनों का दिया समय

एजेंसी

नई दिल्ली। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) ने कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान के अधिकारियों को वक्फ संपत्तियों से संबंधित जानकारी मुहैया कराने के लिए 15 दिनों का समय दिया है। भारतीय जनता पार्टी सांसद जगदम्बिका पाल की अध्यक्षता वाली समिति के सामने इन तीनों राज्यों के अल्पसंख्यक मामलों के प्रमुख सचिव तथा राजस्व सचिव उपस्थित हुए। वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति ने कर्नाटक, मध्य प्रदेश और राजस्थान के अधिकारियों को वक्फ संपत्तियों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने के लिए 15 दिन का समय दिया है। बैठक के बाद समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने मीडिया को बताया कि अधिकारियों द्वारा वक्फ संपत्तियों से संबंधित सवालों का जवाब नहीं दिया जा सका, ऐसे में उन्हें 15 दिनों का समय दिया गया है। उन्होंने बताया कि इन अधिकारियों को प्रश्नावली दी गई है और जवाब संतोषजनक नहीं होने पर उन्हें फिर से बुलाया जा सकता है। उन्होंने बताया, ''मध्य प्रदेश,

कर्नाटक, राजस्थान के अल्पसंख्यक मामलों के विभागों के प्रमुख सचिवों और राजस्व सचिवों को बुलाया था। हमने उनसे पहले सवाल भी किया था कि कितनी वक्फ संपत्तियां पंजीकृत हैं, 'वामसी' पोर्टल पर कितनी संपत्तियां अपलोड हुई हैं, कितनी संपत्तियां पोर्टल पर अपलोड नहीं हैं, संपत्तियों से कितनी आय हो रही है?'' लेकिन आज भी जवाब नहीं मिला। इसलिए उन्हें और समय दिया गया है। उन्होंने बताया कि समिति जल्द ही पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश का दौरा करेगी। इस बारे में लोकसभा अध्यक्ष से अनुमति ली जाएगी। समिति के अध्यक्ष पाल ने इस बात पर नाराजगी जताई कि कर्नाटक से पूरा सहयोग नहीं मिल रहा है। कर्नाटक में कुछ किसानों की जमीन पर वक्फ बोर्ड के दावे से जुड़ा विवाद हाल में खड़ा हुआ था। संयुक्त समिति की बैठक भी होगी। इस बैठक में दिल्ली के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन सहित उत्तर प्रदेश और ओडिशा के अधिकारी भी समिति के समक्ष उपस्थित होंगे। उल्लेखनीय है कि लोकसभा ने 28 नवंबर को इस संयुक्त समिति का कार्यकाल अगले साल बजट सत्र के आखिरी दिन तक के लिए बढ़ाने की मंजूरी दी थी।

सरकार ने वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक गत 8 अगस्त को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के बीच तकरार के बाद संयुक्त समिति को भेजने का फैसला हुआ था।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री समेत अन्य ने जताया दुख

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री समेत तमाम राजनीतिक हस्तियों ने श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें नमन किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर लिखा, पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी उन विरल राजनेताओं में से एक थे, जिन्होंने शिक्षा जगत और प्रशासन दोनों में समान रूप से सहजता से काम किया। सार्वजनिक कार्यालयों में अपनी विभिन्न भूमिकाओं में, उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को सुधारने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा, उनके बेदाग राजनीतिक जीवन और उनकी अत्यंत विनम्रता के लिए हमेशा याद किया जाएगा। उनका जाना हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। मैं भारत के महानतम सपूतों में से एक को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं और उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री और भारत के आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाले प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन के बारे में जानकर बहुत दुख

हुआ। पद्म विभूषण से सम्मानित और 1991 में भारत के आर्थिक उदारीकरण के वास्तुकार, उन्होंने साहसपूर्वक हमारे देश को एक महत्वपूर्ण परिवर्तन के माध्यम से आगे बढ़ाया, जिससे विकास और समृद्धि के लिए नए रास्ते खुले।

उन्होंने आगे कहा कि भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में, मुझे डॉ. सिंह के साथ उनके आवास पर सार्थक, व्यावहारिक बातचीत करने का सौभाग्य मिला। अर्थव्यवस्था की उनकी गहन समझ, सौम्य व्यवहार और भारत की प्रगति के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमेशा मेरी यादों में अंकित रहेगी। डॉ. सिंह के निधन से, भारत ने एक महान बुद्धिजीवी और एक उत्कृष्ट राजनेता को खो दिया है। उनकी विरासत हमेशा भारत के विकास पथ का मार्गदर्शन करेगी। इस कठिन घड़ी में उनके परिवार और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है और राजनीति में उनके साथ बीते पलों को याद किया है। पीएम मोदी ने कहा, जब वो प्रधानमंत्री थे और मैं गुजरात का मुख्यमंत्री था तब हम नियमित रूप से बातचीत करते थे। हम सरकार से संबंधित विभिन्न विषयों पर गहन बातचीत करते थे। उनकी बुद्धिमत्ता और विनम्रता हमेशा देखने को मिलती थी। दुख की इस घड़ी में उनके परिवार के साथ मेरी संवेदनाएं। मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देते हुए पीएम मोदी ने कहा, देश ने अपने सबसे प्रतिष्ठित नेताओं में से एक डॉ मनमोहन सिंह जी को खो दिया है, जिससे देश शोक में है। साधारण पृष्ठभूमि से उठकर वो एक सम्मानित अर्थशास्त्री बने। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर अपनी सेवाएं दीं और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीतियों पर गहरा प्रभाव छोड़ा। संसद में उनके विचारपूर्ण हस्तक्षेप भी हमेशा उल्लेखनीय रहे। प्रधानमंत्री के रूप में, उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए। भाजपा अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री एवं अर्थशास्त्री मनमोहन सिंह जी का निधन देश के लिए बहुत बड़ी क्षति है। एक दूरदर्शी राजनेता और भारतीय राजनीति के दिग्गज, सार्वजनिक सेवा में अपने उल्लेखनीय करियर के दौरान, उन्होंने लगातार वंचितों के कल्याण के लिए आवाज उठाई। उनके नेतृत्व ने सभी दलों में प्रशंसा और सम्मान अर्जित किया। मनमोहन सिंह जी की विरासत राष्ट्र निर्माण के लिए पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। उनके परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

आम आदमी पार्टी के पूर्व निगम पार्षद समेत कई लोग कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आम आदमी पार्टी के पटपड़गंज विधानसभा, कृष्णा नगर विधानसभा और लक्ष्मी नगर विधानसभा के पदाधिकारियों के साथ कई कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का दामन थामा। आम आदमी पार्टी के पूर्व निगम पार्षद सावित्री शर्मा, मौहम्मद सलाउद्दनी, प्रिंस शर्मा और लिबासपुर से पुष्पेन्द्र यादव कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। कांग्रेसमें शामिल हुए लोगों ने कहा कि केजरीवाल के भ्रष्टाचार और पार्टी में तानाशाही में हमारा दम घुट रहा था। लोगों ने कहा कि वह दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव के नेतृत्व में साथ काम करेंगे। आम आदमी पार्टी के नेताओं को दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डॉक्टर नरेन्द्र नाथ, पूर्व विधायक हरी शंकर गुप्ता ने कांग्रेस पटका पहनाकर पार्टी में स्वागत किया।

संजय सिंह ने प्रवेश वर्मा और मनजिंदर सिंह के खिलाफ ईडी में की शिकायत, पैसे बांटने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आआपा) ने पैसे बांटने के आरोप में प्रवेश वर्मा को घेरना शुरू कर दिया है। आआपा के सांसद संजय सिंह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा नेता प्रवेश वर्मा और मनजिंदर सिंह सिरसा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। सांसद संजय सिंह ने कहा कि ये शिकायत पत्र उन्होंने सिर्फ लिया है। कोई अधिकारी उनसे मिला नहीं है। इसलिए कोई कार्रवाई का भरोसा नहीं मिला है, ऐसे में ईडी क्या करेगी, इस पर मैं कुछ नहीं बोल सकता, लेकिन आधिकारिक रूप से ये शिकायत सिंह की ओर से भाजपा नेता मनजिंदर सिंह सिरसा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने पर भाजपा नेता प्रवेश वर्मा ने कहा कि दिल्ली सीट हारने जा रहे हैं। इसलिए ये लोग ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता अभी लागू नहीं हुई है, कोई भी

NAME CHANGE
I, hitherto known as ANITA DEVI alias SUNITA DEVI W/O DINESH R/O WZ-430 E-2, NARAINA VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110028 have changed my name and shall hereafter be known as SUNITA DEVI.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SHASHI alias SHASHI BALA W/O RAMDAS R/O RZG-80/12, NIHAL VIHAR, NANGLOI, NILOTHI, WEST DELHI, DELHI-110041 have changed my name and shall hereafter be known as SHASHI BALA.

NAME CHANGE
I, Ankit Kumar S/o Shoraj Singh R/o 10, Bazar Lane,Bhogal,South East Delhi-110014,Have Changed My Name To Ankit Kumar Verma For All Future Purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as POOJA KUMARI alias POOJA JHA W/O SHUBHASH KUMAR JHA R/o E- 18/19 Inder Enclave Phase -2 Kirari Suleman nagar North West Delhi, Delhi - 110086 have changed my name and shall hereafter be known as POOJA JHA

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as REENA alias BACHIYA DEVI W/o Koulesshwar Singh Present Address - G-1163, Sangam Vihar, New Delhi-110080, Permanent Address: Village Dhubadih, Post Jamu, Police Station Markachcho, District Kodarma, Jharkhand-825318, have changed my name and shall hereafter be known as BACHIYA DEVI.

NAME CHANGE
I, BHARAT S/O BANGALI BABU residing at H NO-A-433, GANESH NAGAR-2, SHAKAR PUR, DELHI-110092. have changed my name to BHARAT BHUSHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as KRISHNA DEVI PARMAR / KRISHNA DEVI W/O SHUBHKARAN SINGH PARMAR residing at H NO-202, MENKA-1, AMRAPALI ROYAL, VAIBHAV KHAND, INDIRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201014. have changed my name and shall hereafter be known as KRISHNA PARMAR

PUBLIC NOTICE
Smt. Neena Narain and Mr. Gaurav Narain Owner of the Residential Unit bearing no. E-1803, on 17th Floor, Tower-E, area measuring 2293 sq. feet., in "FREEDOM PARK LIFE" Sector-57, Gurgaon, situated in the revenue estate of village Samaspur Teh. & Distt. Gurgaon, Haryana, I have lost Original SPA executed by Mr. Gajinder Shah Singh in favour of Mr. Aridaman Shah Singh of said property, for which complaint lodged to the police. That any person(s)/Appropriate authority etc. if finds the misplaced SPA aforesaid owners may come forward and inform the undersigned within 15 days from the date of Publication. If any claim of anyone against this property then he/she is free to contact the undersigned within 15 days from today. After the expiry of 15 days, the subject property shall be deemed to be free from any kind of encumbrances, claim, right, mortgage
RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I, P RANI Mother of No-16115014P Rank-HAV Name-JEEVARAJ P Presently residing at H NO-3/297, VILL-ONDIYUR, PO-SAMANTHAMALAI, TEH & DIST-KRISHNAGIRI, TAMIL NADU-635115, have changed my name from P RANI to C RANI for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of my correct date of birth as 09/03/1964 vide Affidavit dated 27/12/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक (1) प्रमेश्वर महतो, (3) श्री विजय महतो और (3) श्री रमेश कुमार फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति संख्या 3563 के मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 50 वर्ग गज है, छत/छत के अधिकार के साथ, खसरा संख्या 125/21/2 में से, गाँव – बुराड़ी, आबादी के क्षेत्र में स्थित है जिसे गली नंबर 95, ब्लॉक ङ बी, दिल्ली – 110084 के रूप में जाना जाता है, पुण्य द्वारा, उपहार विलेख दिनांक 01.03.2024 के अनुसार दस्तावेज़ संख्या 2024/19/I/2299, खंड संख्या 10463, पुस्तक संख्या 1, पृष्ठ संख्या , एसआर– I, कश्मीरी गेट, नई दिल्ली और सुधार विलेख दिनांक 30.08.2024 विधिवत पंजीकृत, एसआर– I में, दस्तावेज़ संख्या 2024/19/I/9974, खंड संख्या 11159, बुक नं. 01, पृष्ठ 113–122, दिनांक 30.08.2024 को, अब हमारे मुवक्किल यह घोषणा कर रहे हैं कि किसी अन्य व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं है, और इसे इनक्रेड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड शाखा सी.पी. नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के अधिकार स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma
(advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

आपदा चेतावनी के मामले में वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा भारत

नई दिल्ली। विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आईएनसीओआईएस (इंडियन नेशनल सेंटर फॉर ओशन इंफॉर्मेशन सर्विसेज) 2004 में हिंद महासागर सुनामी की 20वीं वर्षगांठ के अवसर पर कहा कि भारत आज आपदा चेतावनी और अन्य देशों की जरूरतों को पूरा करने के मामले में वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि सुनामी के बाद आईएनसीओआई की संकल्पना 2004 में की गई थी। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निरंतर समर्थन और प्राथमिकता के साथ इसने दुनिया के सबसे अत्याधुनिक संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त की। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की अग्रणी समुद्री पहलों की सराहना की, जिनमें 'डीप सी मिशन' भी शामिल है। इसकी घोषणा उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में की थी। उन्होंने समुद्री अनुसंधान और आपदा तैयारी में भारत की तीव्र प्रगति पर भी प्रकाश डाला। मंत्री ने विश्व स्तरीय आपदा चेतावनी प्रणालियां उपलब्ध कराने में देश के वैश्विक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरने पर जोर दिया तथा सुरक्षा एवं स्थिरता को बढ़ावा देने में वैज्ञानिक प्रगति की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। दुनिया भर में 230,000 से ज़्यादा लोगों की जान लेने वाली भयावह सुनामी पर विचार करते हुए, जिसमें भारत में 10,749 लोगों की जान गई थी

विधा भारती में अध्यापक अभिभावक सम्मेलन का आयोजन

एजेंसी

निजामपुर। गुरूवार को विद्या भारती पब्लिक स्कूल निजामपुर में अध्यापक-अभिभावक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में अभिभावकों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। सम्मेलन में प्रवीण छिलरो, सतेन्द्र पवेरा, लीलाराम बेसरड़ा, विजेंद्र डाबला, सहीराम सरेली, दीपक डाबला, राकेश मौखुता, कमल निजामपुर, अमर सिंह निजामपुर, गोविन्द पवेरा, मुकेश डाडा फतेहपुरा, महीपाल डाबला, पवन पवेरा, जिले सिंह घाटाशेर, संदीप पवेरा, योगेश बसई के साथ सैकड़ो अभिभावक गण उपस्थित थे। इस अवसर पर संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव, वाइस चेयरपर्सन डॉ. उषा यादव, प्रबंध निदेशक एडवोकेट पीयूष यादव, निदेशक डॉ. रविन्द्रा यादव, उप प्राचार्य आर.डी. सिंह, किड्स ब्लॉक इंचार्ज विजय सोनी सहित सभी अध्यापकगण उपस्थित थे। सम्मेलन के अंत में प्राचार्य विनोद कुमार यादव ने अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझावों पर भविष्य में अमल करने का आश्वासन दिया व कहा कि अभिभावकों द्वारा दिए गए सुझाव विद्यालय व बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक होते हैं। संस्था के चेयरमैन एडवोकेट राजकुमार यादव ने अभिभावकों से समय-समय पर अपने बच्चों की शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी लेने के लिए आग्रह किया तथा अभिभावकों को अपना कीमती समय देने के लिए आभार प्रकट किया।

हकेंवि में शोध पर केंद्रित समस्याओं व समाधान पर हुई चर्चा

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पर दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तीसरे दिन की शुरुआत प्रतिभागियों डॉ. नेहरशी और श्री सिद्धांत के प्रस्तुति करण के साथ हुई। उन्होंने प्रशिक्षण के पिछले दो दिनों के अनुभव साझा किए। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार इस आयोजन के लिए आयोजकों की सराहना की और विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन में विशेषज्ञ कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एस.के. चहल ने शोध समस्याओं की पहचान व परिष्करण, शोध प्रश्नों को तैयार करने और उद्देश्यों को परिभाषित करने पर केंद्रित व्याख्यान दिया। इसी क्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रोफेसर उर्मी नंदा बिस्वास ने सामाजिक विज्ञान में डेटा संग्रह और फोकस ग्रुप डिस्कशन, डिस्कोर्स एनालिसिस, कंटेंट एनालिसिस और थीमैटिक एनालिसिस जैसी विश्लेषण तकनीकों पर चर्चा की। आयोजन के चौथे दिन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजीव कुमार सिंह ने शोध से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। वित्त अधिकारी प्रोफेसर विकास कुमार ने शोध प्रबंधन के लिए फंडिंग एजेंसियों की पहचान पर अपना व्याख्यान दिया। साथ ही दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवीन कुमार ने सामाजिक विज्ञान में गुणात्मक शोध के महत्व को संबोधित किया।

सीआईए पुलिस ने 104 ग्राम स्मैक के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

एजेंसी

नूंह। नूंह सीआईए की टीम ने नगीना थाने के अंतर्गत खाली कोठडे के समीप से एक युवक को 104 ग्राम मादक पदार्थ स्मेक के साथ दबोचा है। जिसकी पहचान अजहरुद्दीन पुत्र उस्मान निवासी सांठवाडी जिला नूंह के रूप में हुई है। नगीना थाना पुलिस ने इस संदर्भ में आरोपी के विरुद्ध केस दर्ज किया है। नूंह पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध की रोकथाम हेतु नूंह सीआइए की एक टीम फिरोजपुर झिरका सडक नगीना आईटीआई पास गस्त के दौरान मौजूद थी। उसी दौरान सूचना मिली कि साँठवाडी गांव के रहने वाले अजहरुद्दीन खेल स्टेडियम के साथ जाने वाले रास्ते पर एक खाली खेत में बने कोठडे के नजदीक एक नशीला पदार्थ बेचने की फिराक में है। सूचना के मुताबिक पुलिस ने मौके पर दबिश देते हुए युवक को दबोच लिया। जिसने पूछताछ में अपनी पहचान उपरोक्त अजहरुद्दीन के रूप में बताई। नियम अनुसार तलाशी लेने पर 104 ग्राम मादक पदार्थ मिला। जिसकी पुष्टि स्मैक के रूप में हुई। पूछताछ में वह कोई संतोषजनक जनक जवाब नहीं दे सका। नगीना थाना पुलिस ने उपरोक्त आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तावडू के सरकारी स्कूल में मनाया गया वीर बाल दिवस

एजेंसी

तावडू। उपमंडल के गांव कलवाडी में स्थित शहीद हरप्रसाद राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में एक कार्यक्रम का आयोजन कर वीर बाल दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। राजनीति शास्त्र प्रवक्ता अंबिका ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि मुगल शासन काल के दौरान पंजाब में सिक्खों के 10वें गुरू, श्री गाबिंद सिंह के 4 बेटे थे। गोबिंद सिंह ने खालसा पंत की स्थापना की। धार्मिक उत्पीडन से लोगों की रक्षा करने के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गई थी। श्री गुरू गोबिंद सिंह के 4 बेटेः अजीत सिंह, जुझार सिंह, जोरावर सिंह व फतेह सिंह सभी खालसा का हिस्सा थे। उन चारों को 19 वर्ष की आयु में पहले मुगल सेना द्वारा मार डाला गया था।

विद्यार्थी नवाचार व शोध की ओर अग्रसर हों : बंडारू दत्तात्रेय

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के राई स्थित हरियाणा खेल विश्वविद्यालय में आयोजित 51वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी ने नवाचार और शोध की दिशा में बच्चों को प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत किया गया। इस प्रदर्शनी में देशभर के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बच्चों ने अपने-अपने वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए। कुल 185 स्टाल्स में इन बच्चों ने अपने अनूठे विचारों और विज्ञान के क्षेत्रों में किए गए प्रयासों का प्रदर्शन किया।राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांढा ने इस प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और बच्चों के प्रयासों की सराहना की। इस मौके पर राज्यपाल ने विद्यार्थियों सेअपील की कि वे नवाचार को बढ़ावा देकर नए शोध की ओर अग्रसर हों और असफलताओं से घबराए बिना निरंतर प्रयास करते रहें। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि शोध के क्षेत्र में सफलता और असफलता दोनों का

सामना करना पड़ता है, लेकिन निरंतर प्रयास ही सफलता की कुंजी है। प्रदर्शनी में विशेष रूप से महाराष्ट्र के दिव्यांग बच्चों वंश मर्शकूले व वंश डोगरे ने दिव्यांगों के नाखुन काटने के लिए एक यंत्र बनाया था। वहीं गुजरात के बच्चों हर्षिता ने स्मार्ट व्हीलचेयर बनाई थी। बिहार के प्रभु नारायण ने पोर्टेबल स्ट्रेक्चर बनाया, जिसमें घर से लेकर शौचालयतक सभी माडल दर्शाए गए। सिक्किम के बच्चों भूमिका क्षेत्री ने प्यूरीफायर वाटर टैंक का माडल दर्शाया। तेलंगना की गायत्री ने बेबी मानिटरिंग सिस्टम बनाया था जो बेबी के टेंपरेचर, ह्यूमिडिटी व बेबी के रोने के बारे में बयाया था। महामहिम राज्यपाल व शिक्षामंत्री महीपाल ढांडा ने सभी बच्चों की सराहना की व उनके साथ चित्र खिंचवाते हुए आगे बढने् के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल ने कार्यक्रम में चौथे एशियाई रोल बॉल में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली अंशिका को भी सम्मानित भी किया।

51वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी नवाचार और प्रेरणा का संगम

हरियाणा के राई स्थित हरियाणा खेल विश्वविद्यालय में आयोजित 51वीं राष्ट्रीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी ने नवाचार और शोध की दिशा में बच्चों को प्रेरित करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत किया गया। इस प्रदर्शनी में देशभर के 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बच्चों ने अपने-अपने वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए। कुल 185 स्टाल्स में इन बच्चों ने अपने अनूठे विचारों और विज्ञान के क्षेत्रों में किए गए प्रयासों का प्रदर्शन किया। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय और प्रदेश के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांढा ने इस प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और बच्चों के प्रयासों की सराहना की।

शीघ्र दूर होंगी एम्स रेवाड़ी की सभी बाधाएं

एजेंसी

रेवाड़ी। जिले के गांव माजरा में निर्माणाधीन देश के 22वें एम्स में जन स्वास्थ्य की दृष्टि से अस्पताल सेवाओं को शीघ्र शुरू करने के लिए अधिकारियों ने कमर कस ली है। उच्चाधिकारियों ने इस मामले में निर्माणाधीन एम्स परिसर का निरीक्षण कर सभी कार्यों की समीक्षा की और निर्णय लिया कि सड? मार्ग के बीच से गुजर रही रेलवे लाईन पर ओवरब्रिज बनवाने के लिए शीघ्र ही रेलवे के अधिकारियों से वार्ता की जायेगी।जिले के गांव माजरा में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का निर्माण तेजी से किया जा रहा है। लेकिन यहां तक पंहुचने के लिए एप्रोच मार्ग के मध्य से रेलवे लाईन गुजर रही है। एम्स के शुरू हो जाने की स्थिति में अस्पताल पंहुचने वाले आम लोगों के लिए यह रेलवे ट्रैक बाधा बन सकता है। इस मामले में एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह और उप निदेशक (एम्स प्रशासन) ले. कर्नल अमित पराशर सहित उच्चाधिकारियों ने एम्स परिसर का निरीक्षण कर विभिन्न स्थानों पर चल रहे निर्माण कार्यों की स्थलीय समीक्षा की और विस्तृत जानकारी हासिल की। निरीक्षण के बाद संस्थान भवन में कार्य प्रगति समीक्षा बैठक के दौरान एम्स के अधिकारियों सहित रेवाड़ी के उपायुक्त अभिषेक मीणा ने अस्पताल सेवाओं को शीघ्र शुरू करने के लिए प्राथमिकताएं तय करते हुए सभी आवश्यक कार्यों में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं को भौतिक और तकनीकी कार्यों को युद्ध स्तर पर चलाने को कहा।एम्स के उप निदेशक ले. कर्नल अमित पराशर ने बताया कि अस्पताल भवन का कार्य हांलाकि अभी शुरूआती चरण में है लेकिन कार्यदायी संस्थाओं से स्पष्ट कह दिया गया है कि बिल्डिंग निर्माण में उपयोग किए जा रहे संसाधनों सहित मेन पावर में व्यापक बढ़ोतरी कर निर्माण कार्य को युद्ध स्तर पर संचालित किया जाए। उन्होंने बताया कि इस मामले में निर्माण कार्य में लगी कंपनियों की जिम्मेदारी भी तय कर दी गयी है।

स्लम जागृति ओपन शेल्टर होम में वीर बाल दिवस कार्यक्रम आयोजित

एजेंसी

नारनौल। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय की ओर से आज जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव की अध्यक्षता में स्लम जागृति ओपन शेल्टर होम में वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि वीर बाल दिवस गुरु गोबिंद सिंह जी के युवा पुत्रों साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करता है। कम उम्र में ही इन युवा आत्माओं ने अपने धर्म को त्यागने के बजाय शहादत को चुना, और अद्वितीय साहस और दृढ़ता का परिचय दिया। इस मौके पर वीर बाल दिवस के उपलक्ष पर माननीय प्रधानमंत्री का सीधा प्रसारण भी बच्चों को दिखाया गया। इस मौके

पर बच्चों के द्वारा कविता पाठ व ड्राइंग की गतिविधियां भी करवाई गई। इस मौके पर बच्चों को गर्म स्वेटर, जूते, कैप, जुराब आदि सामान वितरित किया। इस अवसर पर जिला बाल कल्याण समिति के सदस्य राजेश राज गोयल व चेतन शर्मा, बाल संरक्षण अधिकारी संतोष कुमारी, सामाजिक कार्यकर्ता कमल, स्लम जागृति समिति के प्रधान भागीरथ, प्रोजेक्ट कार्डिनेटर शुभम व समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद थे।

उत्कृष्ट योगदान एवं कार्यों के लिए सहकारी मंत्री ने किया सम्मानित

एजेंसी

नारनौल। जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास समिति जिला महेंद्रगढ़ शाखा नारनौल के प्रबंधक यशपाल सिंह को आज गोहाना में आयोजित राज्य स्तरीय सहकारिता एवं जागरूकता कार्यक्रम में सहकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान एवं कार्यों के लिए डा. अरविंद शर्मा सहकारिता मंत्री हरियाणा सरकार ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर सहकारिता समितियों के रजिस्ट्रार राजेश जगपाल एवं बैंक की प्रबंधक निदेशक सुमन बल्हारा उपस्थित थे तथा हरियाणा में सहकारिता क्षेत्र में श्रेष्ठ एवं उत्कृष्ट समर्पित कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। महेंद्रगढ़ जिले में से नारनौल शाखा के प्रबंधक यशपाल सिंह को उनको उनके निरंतर प्रगतिशील उत्कृष्ट कार्यों एवं योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया और यह

बताया की अन्य सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है और उसी प्रकार प्रत्येक व्यक्ति ईमानदारी से समर्पित भाव से अपने कार्य को करें ताकि संस्था को और मजबूत तथा आगे बढ़ाया जा सके।

कार्यक्रम एवं सम्मान के लिए जिला प्राथमिक सहकारी कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक समिति के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने खुशी व्यक्त की तथा अपने प्रबंधक को बधाई दी।

तावडू में वीर बाल दिवस पर तावडू भाजपा मंडल की टीम ने गुरुद्वारे में माथा टेका और गुरुद्वारा के पाठी साहब द्वारा अरदास लगवाई

एजेंसी

तावडू। शहर के मुख्य बाजार में स्थित गुरूद्वारे में गुरूवार को भाजपा मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने कहा कि गुरुद्वारे की सेवा करना और अरदास लगवाना एक पवित्र और सम्मानजनक कार्य है। जो सिख धर्म के महान शहीदों की याद में किया गया है।

आज ही के दिन 1705 को बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह की शहादत हुई थी। वीर बाल दिवस साहिबजादे अजीत सिंह और साहिबजादे जोरावर सिंह की शहादत की याद में मनाया जाता है। इस दिन को सिख धर्म के दसवें गुरु श्री गोबिंद सिंह जी के दो साहिबजादों की याद में मनाया जाता है। उनकी वीरता और पराक्रम के सामने बड़े-बड़े वीर भी छोटे पड़ जाते हैं।

वहीं जिला कार्यकारिणी सदस्य भाजपा गुरुग्राम धर्मेन्द्र भारद्वाज ने

कहा कि साहिबजादे अजीत सिंह और जोरावर सिंह की शहादत एक अमिट अध्याय है, जो सिख इतिहास में दर्ज है। गुरु गोबिंद सिंह के सबसे बड़े पुत्र अजीत सिंह ने चमकौर के युद्ध में अतुलनीय वीरता का प्रदर्शन किया और महज 17 वर्ष की आयु में शहीद हो गए। दूसरी ओरए जोरावर सिंह और उनके छोटे भाई फतेह सिंह को सरहिंद के नवाब वजीर खां ने बंदी बना लिया और उन्हें धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया। लेकिन दोनों साहिबजादों ने अपने धर्म पर अडिग रहते हुए शहादत को स्वीकार किया। उनकी शहादत की कहानी एक प्रेरणा है जो हमें धर्म, साहस और बलिदान की महत्ता को समझाती है। वीर बाल दिवस के अवसर परए हम साहिबजादे अजीत सिंह, जोरावर सिंह और फतेह सिंह की शहादत को याद करते हैं और उनके बलिदान को नमन करते हैं। इस मौके पर प्रदीप सैनी प्रभारी तावडू मंडल, शिवम गर्ग, पंकज तनेजा, मनोज वशिष्ठ, ओमप्रकाश जिंदल, अक्षत गुप्ता, संजय जांगड़ा, पवन कुमार, ललित मंगला आदि उपस्थित रहे।

जम्मू की आरजे सिमरन सिंह की गुरुग्राम में मौत

एजेंसी

गुरुग्राम। जम्मू की धड़कन नाम से मशहूर आरजे (रेडियो जॉकी) व इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर सिमरन सिंह का यहां एक फ्लैट में शव फंदे से लटका हुआ मिला। सिमरन सिंह रेडियो मिर्ची में भी आरजे रह चुकी थी। उनकी मौत की खबर सुनकर उनके फैंस में भी शोक की लहर दौड़ गई। सिमरन सिंह के सोशल मीडिया पर लाखों फॉलोवर हैं। जानकारी के अनुसार आरजे सिमरन सिंह जम्मू के गांव नानक नगर की रहने वाली थी। वह सेक्टर-47 गुरुग्राम स्थित अपने फ्लैट में पहुंची थी। गुरुग्राम में एक फ्लैट में उसका शव फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस उनके फ्लैट में पहुंची। वहां पर फंदे से सिमरन के शव को उतारकर पंचनामा किया गया। यह घटना बुधवार की है। उसे नजदीक के पार्क अस्पताल में भी भर्ती कराया गया। डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरजे सिमरन सिंह के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार सिमरन सिंह का एक दोस्त उसके साथ रह रहा था। उसी ने पुलिस को सिमरन के बारे में सूचना दी। सिमरन सिंह ने रेडियो मिर्ची में भी काम किया था। वर्ष 2021 में सिमरन ने रेडियो जॉकी से नौकरी छोड़ दी थी। इस समय वह फ्री लांसिंग में काम करती थी। मनोरंजन से जुड़े वीडियो बनाती थी। बताया जा रहा है कि सोशल मीडियो परउसके छह लाख से भी अधिक फॉलोवर हैं।

समाधान शिविर में संयुक्त आयुक्त अखिलेश यादव ने सुनी 15 जन शिकायत

प्रॉपर्टी टैक्स व बागवानी शाखा से संबंधित शिकायतों का मौके पर समाधान

एजेंसी

गुरुग्राम। संयुक्त आयुक्त अखिलेश यादव की अध्यक्षता में आयोजित समाधान शिविर में प्रॉपर्टी टैक्स व बागवानी शाखा से जुड़ी शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। समाधान शिविर में सेक्टर-52 निवासी मनीष चहल प्रॉपर्टी टैक्स डाटा संबंधी शिकायत लेकर पहुंचे थे।

उन्होंने बताया कि उनकी प्रॉपर्टी की दो आईडी बनी हुई थी, जिसे ठीक कराने के लिए वे कई बार शिकायत कर चुके हैं। संयुक्त आयुक्त ने उनकी शिकायत को ध्यानपूर्वक सुनकर तुरंत ही संबंधित जोनल टैक्सेशन अधिकारी को समाधान करने के निर्देश दिए। जोनल टैक्सेशन अधिकारी व उनकी टीम ने मौके पर ही मात्र 10 मिनट में शिकायत का समाधान कर दिया। बागवानी शाखा से संबंधित एक अन्य शिकायत लेकर आए पालम विहार ब्लॉक-सी आरडब्ल्यूए के प्रतिनिधियों ने बताया कि नगर निगम गुरुग्राम द्वारा उनके ब्लॉक के पाकों का रखरखाव आरडब्ल्यूए को दिया हुआ है, लेकिन पिछले नौ माह से

रखरखाव शुल्क की अदायगी नहीं हो पाई है। संयुक्त आयुक्त ने मौके पर उपस्थित सहायक अभियंता (बागवानी) को इस बारे में तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सहायक अभियंता ने बताया कि रखरखाव शुल्क अदायगी की फाइल ऑडिट ब्रांच में प्री-ऑडिट के लिए गई हुई है तथा अगले दो दिन में शुल्क अदायगी कर दी जाएगी। आरडब्ल्यूए प्रतिनिधियों ने इस पर सभी का धन्यवाद व्यक्त किया। समाधान शिविर में संयुक्त आयुक्त ने 15 शिकायतों की सुनवाई के दौरान अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा कहा कि सीवरेज व सफाई से संबंधित शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित किया जाए। इसके अलावा जिन शिकायतों के समाधान में समय लगना है, उनकी एस्टीमेट व टेंडर प्रक्रिया शुरू करके शिकायतकर्ता को समय-समय की प्रगति के बारे में अवगत कराते रहें।

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वार्ड नंबर-40 के मतदान के लिए बनाए गए 05 बूथ : गौरी मिड्ढा

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के वार्ड नंबर-40 के सदस्य के लिए चुनाव 19 जनवरी 2025 को होना है। एचएसजीएमसी चुनाव रिटर्निंग अधिकारी गौरी मिड्ढा ने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के वार्ड नंबर-40 के मतदान के लिए 05 बूथ बनाए गए है और मतदाता सूची में नए नाम दर्ज करने के लिए आवेदन उपायुक्त या उनके द्वारा अधिकृत अधिकारी द्वारा 10 जनवरी 2025 तक प्राप्त किए जाएंगे। रिटर्निंग अधिकारी गौरी मिड्ढा ने जानकारी देते हुए कहा है कि नामांकन आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना का प्रकाशन बुधवार 18 दिसंबर को किया जा चुका है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत 28 दिसंबर 2024 तक नामांकन भरे जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच लघु सचिवालय, सेक्टर-12 फरीदाबाद के कमरा नम्बर 108 प्रथम तल (उपायुक्त का न्यायालय कक्ष) 30 दिसंबर 2024 (सोमवार) को प्रातः 11 बजे की जाएगी। रिटर्निंग अधिकारी के आदेश में पुनरीक्षण के लिए उपायुक्त को आवेदन दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2024 (मंगलवार) है। पुनरीक्षण आवेदन पर दिनांक 01 जनवरी 2025 (बुधवार) को उपायुक्त द्वारा निर्णय

रिटर्निंग अधिकारी गौरी मिड्ढा ने जानकारी देते हुए कहा है कि नामांकन आमंत्रित करने के लिए अधिसूचना का प्रकाशन बुधवार 18 दिसंबर को किया जा चुका है।

लिया जाएगा। अभ्यर्थिता वापस लेने की सूचना लिखित रूप में होनी चाहिए। इसे उम्मीदवार द्वारा नाम वापसी के लिए निर्धारित अंतिम तिथि (02 जनवरी 2025) को दोपहर 03 बजे से पहले व्यक्तिगत रूप से रिटर्निंग अधिकारी को दिया जाएगा या इसे चुनाव एजेंट द्वारा दिया जाएगा, जिसे उम्मीदवार द्वारा लिखित रूप में इस संबंध में अधिकृत किया गया है।

जरूरतमंदों की मदद, रोजगार सृजन में पीएफटीआई कर रही मजबूत प्रयासः दीपक मैनी

दीपक मैनी बोले, हम समाज और देश के विकास में योगदान दे रहे

एजेंसी

गुरुग्राम। प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (पीएफटीआई) के चेयरमैन दीपक मैनी ने कहा कि उनकी संस्था का मुख्य उद्देश्य व्यापार और उद्योग जगत को बढ़ावा देना है। फेडरेशन न केवल इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी बखूबी निर्वहन कर रहा है।

समाजसेवा की इस भावना के अंतर्गत, सर्दियों के मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रोग्रेसिव फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने बुधवार को काहना प्ले स्कूल के जरूरतमंद बच्चों को स्वेटर, जूते और कैप का वितरण किया है। इस प्रोग्राम में बच्चों को स्वेटर, जूते, और कैप का वितरण किया गया। इस प्रोग्राम का आयोजन धर्मानी आयुर्वेदिक चिकित्सा केंद्र पटौदी रोड पर किया गया। बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में भी फेडरेशन सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। दीपक मैनी ने कहा कि हम जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने और उन्हें उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाने के लिए

प्रयासरत हैं। युवाओं के रोजगार के लिए प्रोग्रेसिव फेडरेशन ने एक विशेष व्हाट्सएप ग्रुप का गठन किया है।

इस ग्रुप के माध्यम से इंडस्ट्री और ट्रेड सेक्टर में रोजगार की जरूरत वाले युवाओं को उनकी योग्यता और क्षमता के अनुसार नौकरियां प्रदान की जा रही हैं। इस कार्यक्रम में फेडरेशन की ओर से वाइस चेयरमैन डॉ. एस. पी. अग्रवाल, डायरेक्टर डा. अंशुल ढींगरा, अध्यक्ष पीके गुप्ता, विनोद पहिलाजानी, कोर कमेटी सदस्य डीपी गौड़, दिनेश कुमार, उदयवीर चौधरी, डा. केके अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, हरिकिशन गोयल, इंदरजीत सिंह, विमल बेदी, डॉ. पंकज अग्रवाल, डॉ. मुकेश अग्रवाल, प्रोफेसर केके बजाज उपस्थित रहे।

केंद्रीय गृह मंत्री की डा. अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध में सडकों पर उतरे विभिन्न संगठन

एजेंसी

रेवाड़ी। देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा गत दिनों राज्यसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान डॉ भीमराव अम्बेडकर पर दी गई टिप्पणी के विरोध में बुधवार को जिले के विभिन्न संगठन सडकों पर उतर आए। विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने शहरभर में प्रदर्शन कर जिला सचिवालय पहुंचे तथा राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर अमित शाह को पद से हटाए जाने की मांग की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी के विरोध में जिले के अनेकों संगठन सर्कुलर रोड़ स्थित गुरु रविदास मंदिर में एकत्रित हुए। यहां हंसराज चौधरी की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया किया। जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संसद में संविधान निर्माता डा. भीमराव अंबेडकर पर दी गई टिप्पणी पर जमकर रोष जाहिर किया। बैठक उपरांत सभी संगठन सर्कुलर रोड से प्रदर्शन करते हुए जिला सचिवालय पहुंचकर तथा महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि गृहमंत्री द्वारा ऐसी अवांछनीय टिप्पणी करने पर पर गृहमंत्री को पद से हटाने व देश से माफी मांगने की मांग की गई। इस मौके पर बुद्धराम पंवार, हंसराज चौधरी व भगत सिंह सांभरिया ने अपने बयान में कहा कि भारतवर्ष के संसदीय इतिहास में पहली बार देश के गृहमन्त्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के नाम पर की गई अभद्र एवं अवांछनीय टिप्पणी 'अब यह फैशन हो गया अम्बेडकर.., अम्बेडकर.., अम्बेडकर.., अम्बेडकर। यदि इतने नाम भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता। यह कथन गृहमन्त्री की निकृष्ट मानसिकता को दर्शाता है जबकि बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर उच्च कोटि के विद्वान, विधिवेता, समाजशास्त्री, राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री और मानवीय एकता, समानता व समरसता के हितैषी थे।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,600 रुपये से लेकर 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 71,150 रुपये से लेकर 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज मामूली तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 91,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,150 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,050 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अडानी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया

मुंबई। जाने माने उद्योगपति और अडानी समूह के प्रमुख गौतम अडानी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया। श्री अडानी ने सोशल मीडिया एक्स पर अपने शोक संदेश में लिखा, इतिहास 1991 के आर्थिक सुधारों में डॉ. मनमोहन सिंह की महती भूमिका के लिए उन्हें हमेशा सम्मान देगा। उनके सुधारवादी कदमों से भारत को एक नया रूप मिला और देश ने दुनिया के लिए अपने दरवाजे खोलें। डॉ. सिंह अपनी विशिष्ट नेतृत्व क्षमता, विनम्रता और देश सेवा से आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। पूर्व प्रधानमंत्री का आज देर शाम राष्ट्रीय राजधानी के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। वह 92 वर्ष के थे।

फियो की अमेरिका केंद्रित 750 करोड़ रु की विपणन योजना की सिफारिश

नयी दिल्ली। देश के निर्यातकों के शीर्ष फोरम फियो ने अमेरिका और चीन के बीच व्यापार में आयात प्रशुल्क की संभावित लड़ाई के बीच भारतीय निर्यात क्षेत्र के अवसर बढ़ाने के लिये सरकार को अमेरिकी बाजार पर केंद्रित करते हुये 750 करोड़ रुपये की तीन साल की विशेष विपणन योजना शुरू करने का सुझाव दिया है। फियो का मानना है कि इससे भारत को तीन वर्ष में दो लाख करोड़ रुपये के निर्यात के अतिरिक्त अवसर मिल सकते हैं। फियो अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने बजट से पहले सरकार के समक्ष निर्यात क्षेत्र के लिये सिफारिशों की विस्तृत सूची प्रस्तुत की है। फियो ने आंतरिक अध्ययन के आधार पर कहा है, ' टैरिफ (प्रशुल्क) युद्ध से भारत के निर्यात के लिए बहुत बड़ा अवसर मिलने वाला है। चीन पर उच्च टैरिफ लगाने का इरादा रखने वाला अमेरिका भारतीय निर्यात के लिये एक महत्वपूर्ण अवसर पैदा कर सकता है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां चीन पहले एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता रहा है। फियो अध्यक्ष ने अपनी प्रस्तुति में कहा है, हमें इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में प्रदर्शनियों में भाग लेने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। तीन वर्षों के लिए प्रति वर्ष 250 करोड़ रुपये (कुल मिलाकर 750 करोड़ रुपये) के कोष के साथ अमेरिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक विपणन योजना शुरू की जा सकती है, जिससे तीन वर्षों में 2,00,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निर्यात हो सके।

दो वर्षों में तीन हजार ज्वेलरी स्टोर शुरू करने की उद्योग की योजना: शाह

नयी दिल्ली। जेम्स एंड ज्वेलरी निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) के अध्यक्ष विपुल शाह ने आज कहा कि पिछले बजट में कीमती धातुओं पर आयात शुल्क कम करने से इस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि को बढ़ावा मिला है और यह परिवार द्वारा संचालित आभूषण व्यवसायों की कई कंपनियों के शेयर बाजार सूचीबद्ध होने से लेकर विदेशों में प्रमुख खुदरा विक्रेताओं के विस्तार और अगले दो वर्षों में 3,000 खुदरा दुकानों के खुलने की योजना से स्पष्ट है, जिससे देश में लाखों रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ आज यहां बजट पूर्व चर्चा में भाग लेने के बाद श्री शाह ने यहां जारी बयान में कहा कि इस दौरान उन्होंने रत्न एवं आभूषण उद्योग की ओर से प्रमुख सिफारिशें प्रस्तुत कीं, जिनका उद्देश्य विकास को बढ़ावा देना, वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाना और उद्योग की महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना था। उन्होंने कहा हम पिछले बजट में कीमती धातुओं पर आयात शुल्क कम करने के लिए माननीय वित्त मंत्री को धन्यवाद देते हैं, एक ऐसा कदम जिसने इस क्षेत्र में अभूतपूर्व वृद्धि को बढ़ावा दिया है।

अमित शाह ने की भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।बैठक को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' और किसानों को समृद्ध बनाने के विज़न को साकार करने की दिशा में भारतीय सहकारी समिति लिमिटेड की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बैठक में बीबीएसएसएल द्वारा वर्ष 2025-26 में और 20,000 समितियों को जोड़ने का लक्ष्य रखा। शाह ने कहा कि बीबीएसएसएल को बीज उत्पादन के लिए पानी और कीटनाशक के उपयोग को कम करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों की उपज उच्चतम हो और उनकी फसल की

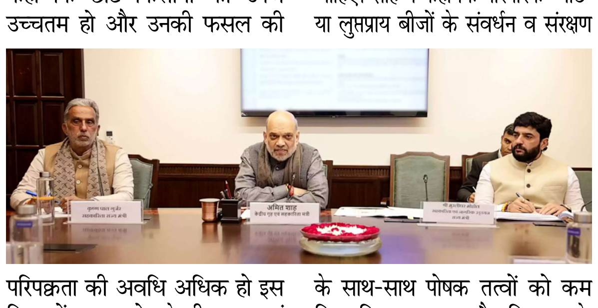

परिपक्वता की अवधि अधिक हो इस दिशा में काम करे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि बीबीएसएसएल भारत के परंपरागत 'मीठे' बीजों के संग्रहण और संरक्षण की दिशा में तेजी से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि इफ्को और कृभको को हमारे मूल और हाइब्रिड बीजों का पोषक तत्वों की दृष्टि से मूल्यांकन करना चाहिए। शाह ने कहा कि पारंपरिक 'मीठे' या लुप्तप्राय बीजों के संवर्धन व संरक्षण के साथ-साथ पोषक तत्वों को कम किए बिना दलहन और तिलहन के बीजों का उत्पादन बढ़ाना बीबीएसएसएल की प्राथमिकता रहनी चाहिए। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि इफ्को और कृभको को अपनी प्रयोगशालाओं को आदर्श और सर्वश्रेष्ठ प्रयोगशाला बनाने की दिशा में प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी सहकारी संस्थाओं को सभी किसानों को प्रमाणित बीज से खेती करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। अमित शाह ने कहा कि देशभर के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 20,000 से अधिक विभिन्न सहकारी समितियां बीबीएसएसएल की शेयरधारक है। अमित शाह ने कहा कि बीबीएसएसएल को बीज उत्पादन, शोध और संवर्धन की दिशा में काम करने वाले सभी सरकारी विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों और प्रयोगशालाओं का उपयोग करना चाहिए। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने बीज उत्पादन बढ़ाने से संबंधित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए 10 साल का रोडमैप बनाने और उसकी निरंतर समीक्षा करने पर बल दिया।

आरबीआई ने एआई के नैतिक उपयोग पर 8 सदस्यीय पैनल किया गठित

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जिम्मेदार एवं नैतिक इस्तेमाल के बारे में एक रूपरेखा तैयार करने के लिए 8 सदस्यीय समिति के गठन की घोषणा की। ये समिति पहली बैठक की तारीख से छह महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। रिजर्व बैंक के मुताबिक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मुंबई में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर पुष्पक भट्टाचार्य इस समिति के अध्यक्ष होंगे। भट्टाचार्य की अध्यक्षता वाली यह पैनल वैश्विक स्तर के साथ-साथ भारत में वित्तीय सेवाओं में एआई को अपनाने के वर्तमान स्तर का आकलन करेगा। यह समिति वैश्विक स्तर पर वित्तीय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करते हुए एआई पर विनियामक और पर्यवेक्षी दृष्टिकोण की समीक्षा करेगी। यह पैनल एआई से जुड़े संभावित जोखिमों की पहचान करके परिणामी अनुपालन आवश्यकताओं की सिफारिश करेगा। यह समिति भारतीय वित्तीय क्षेत्र में एआई मॉडल या अनुप्रयोगों को जिम्मेदारीपूर्वक नैतिक रूप से अपनाने के लिए शासन संबंधी पहलुओं सहित एक रूपरेखा की सिफारिश करेगी। आरबीआई ने कहा कि इस समिति में देबजानी घोष (स्वतंत्र निदेशक, रिजर्व बैंक इनोवेशन हब), बलरामन रवींद्रन (प्रोफेसर और प्रमुख, वाधवानी स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड एआई, आईआईटी मद्रास), अभिषेक सिंह (अतिरिक्त सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) शामिल हैं। इनके अलावा राहुल मथन (साझेदार, ट्राइलीगल), अंजनी राठौर (समूह प्रमुख और मुख्य डिजिटल अनुभव अधिकारी, एचडीएफसी बैंक), हरि नागरालू (सुरक्षा एआई अनुसंधान प्रमुख, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया) और सुवेंदु पति (मुख्य महाप्रबंधक, वित्त प्रौद्योगिकी, आरबीआई) को सदस्य बनाया गया है।

नवंबर में एनएसई से जुड़े 15.2 लाख नए निवेशक, इनवेस्टर्स की कुल संख्या 10.7 करोड़ के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्टूबर और नवंबर में घरेलू शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर रजिस्टर होने वाले निवेशकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई है। नवंबर में एनएसई से कुल 15.20 लाख नए निवेशक जुड़े, जो पिछले 7 महीने का सबसे निचला स्तर है। हालांकि एनएसई पर रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या नवंबर के महीने तक 10.72 करोड़ हो गई थी। इस साल फरवरी में रजिस्टर्ड निवेशकों की संख्या 9 करोड़ से कुछ अधिक थी, जो अगस्त तक 10 करोड़ हो गई थी।

एनएसई की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर-नवंबर में बाजार में आई गिरावट की वजह से नए निवेशकों के रजिस्ट्रेशन में गिरावट जरूर दर्ज की गई, लेकिन वार्षिक आधार पर देखा जाए तो पिछले साल की तुलना में इसमें बढ़ोतरी हुई है। 1 साल पहले नवंबर के महीने में निवेशकों के रजिस्ट्रेशन का ये आंकड़ा 13.4 लाख था, जो अब बढ़कर 15.2 लाख हो गया है।

राज्यवार इंवेस्टर्स की संख्या देखी जाए तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की

संख्या के मामले में महाराष्ट्र पहले स्थान पर है, जबकि उत्तर प्रदेश इस सूची में दूसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या इस साल अप्रैल के महीने में ही एक करोड़ के स्तर को पार कर गई थी, जबकि अगले 7 महीने में यानी नवंबर तक उत्तर प्रदेश के रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स का आंकड़ा 1.20 करोड़ के स्तर तक पहुंच गया। क्षेत्रीय आधार पर देखा जाए तो एनएसई में रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स में से 3.90 करोड़ इन्वेस्टर उत्तर क्षेत्र के हैं, जबकि पश्चिमी क्षेत्र दूसरे स्थान पर बना हुआ है। हालांकि 2022 तक पश्चिम क्षेत्र रजिस्टर्ड इन्वेस्टर के मामले में सबसे ऊपर बना हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की दिसंबर की मार्केट रिपोर्ट के मुताबिक एनएसई में रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की संख्या में महिलाओं की भागीदारी भी लगातार बढ़ रही है। 2021-22 में कुल रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स में 22 प्रतिशत महिलाएं थीं लेकिन नवंबर 2024 तक महिलाओं की भागीदारी 24 प्रतिशत हो चुकी है। इसी तरह एनएसई पर रजिस्टर्ड इन्वेस्टर्स की औसत आयु 35.8 साल है। इसके अलावा कुल इन्वेस्टर्स में 30 साल से कम आयु के निवेशकों की संख्या 39.9 प्रतिशत है।

माह नवंबर 2024 में सभी वस्तुओं का थोक मूल्य सूचकांक 401.32 रहा

एजेंसी

जयपुर। राज्य का माह नवंबर, 2024 को सभी वस्तुओं का थोक मूल्य सूचकांक आधार वर्ष (1999-2000) पर गत माह की तुलना में 0.82 प्रतिशत की कमी के साथ 401.32 रहा। माह नवंबर, 2024 में प्राथमिक वस्तु समूह सूचकांक 457.69 एवं ईंधन, शक्ति, प्रकाश एवं उपस्नेहक समूह सूचकांक 568.11 तथा विनिर्मित उत्पाद समूह सूचकांक 308.62 अंक रहा है। राज्य के मासिक सामान्य थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति नवंबर, 2024 में गत वर्ष नवम्बर माह की तुलना में 2.54 प्रतिशत रही है। आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव विनेश सिंघवी ने बताया कि माह नवंबर, 2024 में प्राथमिक वस्तु समूह का सूचकांक गत माह की तुलना में 2.04 प्रतिशत की कमी के साथ 457.69 रहा है। प्राथमिक वस्तु समूह के सूचकांक में कमी का मुख्य कारण इसके अंतर्गत कृषि उप समूह सूचकांक में 2.19 प्रतिशत एवं खनिज उप समूह सूचकांक में 0.95 प्रतिशत की कमी दर्ज होना रहा है। उन्होंने बताया कि आलोच्य माह में प्राथमिक वस्तु

समूह में कृषि मद समूह के सूचकांक के अन्तर्गत दालों में 3.85 प्रतिशत, फलों में 52.71 प्रतिशत, सब्जियों में 10.13 प्रतिशत, रेशा में 0.20 प्रतिशत, तिलहन में 1.58 प्रतिशत एवं अन्य अखाद्य पदार्थ में 5.75 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई।

खनिज उप समूह सूचकांक के अंतर्गत आलोच्य माह में 0.95 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई। जिसमें मुख्यतः जिप्सम में 2.08 प्रतिशत, चूना पत्थर में 0.49 प्रतिशत एवं चांदी में 19.51 प्रतिशत की कमी दर्ज रही है। ईंधन, शक्ति, प्रकाश एवं उपस्नेहक समूह का सूचकांक माह नवंबर, 2024 के दौरान 568.11 अंक रहा है। ईंधन, शक्ति, प्रकाश एवं उपस्नेहक समूह सूचकांक की वर्ष दर वर्ष मुद्रास्फीति दर में गत वर्ष की तुलना में 2.26 प्रतिशत की कमी पाई गई। विनिर्मित उत्पाद समूह का सूचकांक माह नवंबर, 2024 में 308.62 अंक रहा, जिसमें गत माह की तुलना में 0.06 प्रतिशत की कमी पाई गई। समीक्षाधीन अवधि के दौरान केमिकल उप समूह सूचकांक में 1.32 प्रतिशत की कमी पाई गई जबकि खाद्य उत्पाद उप समूह के सूचकांक में 0.33 प्रतिशत, लकड़ी और लकड़ी उत्पाद उप समूह के सूचकांक में 0.36 प्रतिशत, बुनियादी कीमती और अलौह धातुएं उप समूह के सूचकांक में 0.05 प्रतिशत एवं सामान्य प्रयोजन मशीनरी उप समूह में 0.04 प्रतिशत वृद्धि रही हैं। विनिर्मित उत्पाद समूह सूचकांक की वर्ष दर वर्ष मुद्रास्फीति की दर गत वर्ष की तुलना में 1.52 प्रतिशत दर्ज की गई।

सीतारमण ने निर्यात और व्यापार उद्योग विशेषज्ञों के साथ बजट पूर्व बैठक में की सुझाव एकत्र करने पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजधानी में निर्यात, व्यापार और उद्योग क्षेत्रों के प्रमुख हितधारकों और विशेषज्ञों के साथ बजट पूर्व परामर्श बैठक की। इस बैठक में आगामी केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए अंतर्दृष्टि और सुझाव एकत्र करने पर चर्चा हुई।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी, 2025 को संसद में अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश करेंगी।

निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में आगामी बजट में व्यापार एवं सेवा क्षेत्रों को मजबूत बनाने के लिए प्रमुख चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की गई। इस बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव तुहिन कांता पांडे, आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ और मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंथा वी नागेश्वरन भी शामिल हुए। इससे पहले 24 दिसंबर को केंद्रीय वित्त मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ जाने-माने अर्थशास्त्रियों और

क्षेत्र के विशेषज्ञों से बैठक की थी। इस बैठक में केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए उनके विचार और सुझाव मांगे गए। सीतारमण के अलावा नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी, नीति आयोग के सीईओ बीवीआर सुब्रह्मण्यम, मुख्य आर्थिक सलाहकार अनंथा नागेश्वरन और सुरजीत भल्ला, डीके जोशी समेत जाने-माने अर्थशास्त्री भी बैठक में शामिल थे।

आर्थिक वृद्धि को बनाये रखने की आवश्यकता, तीसरी तिमाही होगी बेहतर: वित्त मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आर्थिक वृद्धि को बनाये रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को मिलकर काम करने की जरूरत होगी। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में नरमी के बाद तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) का परिदृश्य बेहतर दिखाई दे रहा है। वित्त मंत्रालय की नवंबर 2024 की जारी मासिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। वित्त मंत्रालय ने नवंबर महीने की जारी अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा है कि देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर में चालू वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में नरमी आई है, जो कम होकर 5.4 फीसदी पर रही है। मंत्रालय ने कहा कि दूसरी तिमाही में नरमी के बाद तीसरी तिमाही का परिदृश्य बेहतर दिखाई दे रहा है। इसका पता अक्टूबर और नवंबर महीने के लिए महत्वपूर्ण आंकड़ों वस्तु एवं

सेवाकर (जीएसटी) संग्रह और पीएमआई आदि से चलता है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि, जलाशय में जल स्तर का अधिक होना और पर्याप्त उर्वरक उपलब्धता रबी बुवाई के लिए अच्छा संकेत है। कुल मिलाकर औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही में वृद्धि परिदृश्य पहली छमाही के मुकाबले बेहतर हैज। इसमें कहा गया है कि मांग में नरमी का कारण संभवतः केंद्रीय बैंक का मौद्रिक नीति रुख और विवेकपूर्ण उपाय हो सकते हैं। मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार अच्छी खबर है कि केंद्रीय बैंक ने दिसंबर, 2024 में अपनी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को 4.5 फीसदी से घटाकर चार फीसदी कर दिया। इससे कर्ज वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी, जो वित्त वर्ष 2024-25 में कुछ धीमी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार अगामी वित्त वर्ष 2025-26 को देखा जाए तो नई अनिश्चितताएं सामने आई हैं और वैश्विक व्यापार वृद्धि पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित दिख रही है। पीएमआई के संबंध में रिपोर्ट में कहा गया है कि अक्टूबर और नवंबर महीने के आंकड़े यह बताते हैं कि कंपनियों के नए ऑर्डर में वृद्धि हो रही है और मांग मजबूत है। इसके साथ ही वे विस्तार कर रहे हैं। यह रिपोर्ट कहती है कि सरकारी पूंजीगत व्यय में अपेक्षित वृद्धि से सीमेंट, लोहा, इस्पात, खनन और बिजली क्षेत्रों को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

क्राइंट फ्यूचर टेक को रेलवे से कवच सिस्टम के लिए 978.61 करोड़ रुपये का ऑर्डर

एजेंसी

नई दिल्ली/मोहाली। रेलवे सुरक्षा और ट्रेन कंट्रोल एंबेडेड सिस्टम पर काम करने वाली एक शोध-उन्मुख कंपनी क्राइंट फ्यूचर टेक लिमिटेड (क्राइंट) ने एक बड़ा ऑर्डर मिलने का ऐलान किया है। कंपनी के ट्रेन कंट्रोल सिस्टम डिवीजन ने भारतीय रेलवे और चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) से 978.61 करोड़ रुपये (कर सहित) का अनुबंध हासिल किया है, जिसमें 1,200 इंजनों पर कवच सिस्?टम लगाना और चालू करना है।

क्राइंट फ्यूचर टेक लिमिटेड (क्राइंट) के ट्रेन कंट्रोल सिस्टम डिवीजन ने जारी एक बयान में कहा कि उसे 1,200 लोकोमोटिव पर कवच सिस्टम लगाने और चालू करने के लिए भारतीय रेल और चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) द्वारा 978.61 करोड़ रुपये (करों सहित) का प्रतिष्ठित अनुबंध दिया गया है। ये परियोजना क्राइंट का अब तक का सबसे बड़ा अनुबंध है, जो सुरक्षा नवाचारों को आगे बढ़ाने और भारत के रेलवे नेटवर्क के आधुनिकीकरण का समर्थन करने के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

क्राइंट फ्यूचर टेक के प्रबंध निदेशक मोहित वोहरा ने कहा कि यह उपलब्धि महत्वपूर्ण रेलवे सुरक्षा प्रणालियों के विकास और कार्यान्वयन क्षमताओं में क्राइंट के समर्पण, नवाचार और विशेषज्ञता का प्रमाण है। उन्?होंने कहा कि कवच प्रणाली के विकास की हमारी यात्रा अगस्त 2020 में शुरू हुई, जो भारतीय रेलवे के साथ 4 साल से अधिक के कठोर विकास और सहयोग के माध्यम से हम रेलवे सुरक्षा के लिए अत्याधुनिक, विश्वसनीय समाधान देने के अपने मिशन में एक ऐतिहासिक चरण में पहुंच गए हैं।

वोहरा ने कहा कि क्राइंट अगले साल चरणों में 1200 रेल इंजनों में कवच प्रणाली स्थापित करेगा, जिसमें निर्बाध एकीकरण, गुणवत्ता और समय पर डिलीवरी पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस परियोजना से यात्री सुरक्षा को बढ़ाने और भारत को रेलवे प्रौद्योगिकी में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित करने में आधारशिला बनने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से विकसित इस तकनीक पर रेल मंत्रालय का यह महत्वाकांक्षी प्रयास देश में इसी तरह की अत्याधुनिक तकनीकों के अनुसंधान, डिजाइन और विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

उल्लेखनीय है कि क्राइंट फ्यूचर टेक लिमिटेड कंपनी सिग्नलिंग डोमेन में रेलवे के लिए तकनीक और सुरक्षा प्रणाली विकसित करने और रेलवे, नौसेना रक्षा, सौर और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योगों में अनुप्रयोगों के साथ विशेष केबल बनाने में माहिर है। कवच जैसे ट्रेन सुरक्षा समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, क्राइंट वैश्विक स्तर पर रेलवे नेटवर्क की परिचालन सुरक्षा, दक्षता और विश्वसनीयता को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

आरआईएनएल को मिला आंध्र प्रदेश राज्य ऊर्जा संरक्षण का स्वर्ण पुरस्कार

एजेंसी

नई दिल्ली। वशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट इकाई राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) ने आंध्र प्रदेश (एपी) ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार-2024 में स्वर्ण पुरस्कार जीता है। आरआईएनएल को पिछले तीन वर्षों के दौरान ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। इस्पात मंत्रालय के अनुसार विशाखापत्तनम स्टील प्लांट की कॉर्पोरेट इकाई आरआईएनएल ने लौह और इस्पात श्रेणी में ऊर्जा संरक्षण की दिशा में अपनी महत्वपूर्ण पहल के लिए राज्य ऊर्जा संरक्षण पुरस्कार 2024 प्रतियोगिताओं में प्रतिष्ठित %गोल्ड अवार्ड% जीता है। मंत्रालय ने कहा कि हाल ही में विजयवाड़ा में आयोजित ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के समापन समारोह में आंध्र प्रदेश सरकार के विशेष मुख्य सचिव (ऊर्जा) के. विजयानंद, आईएएस से आरआईएनएल की ओर से उत्तम ब्रह्मा, महाप्रबंधक (ऊर्जा, पर्यावरण एवं

उपयोगिताएं) आरआईएनएल और वीवीवीएस पुल्ला रेड्डी, उप-महाप्रबंधक (ऊर्जा प्रबंधन विभाग) आरआईएनएल ने स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त किया।इस्पात मंत्रालय ने कहा कि यह प्रतिष्ठित स्वर्ण पुरस्कार आरआईएनएल को पिछले तीन वर्षों के दौरान ऊर्जा संरक्षण उपायों को लागू करने तथा अपशिष्ट ऊर्जा का दोहन करने के लिए दिया गया। आरआईएनएल के सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार) एके सक्सेना ने विशाखापत्तनम इस्पात संयंत्र के ऊर्जा प्रबंधन तथा सहायक विभागों को आरआईएनएल को एक बार फिर गौरव दिलाने के लिए बधाई दी।

आईडेंटिकल ब्रेन्स की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, निवेशकों को पहले दिन ही जोरदार मुनाफा

नई दिल्ली। फिल्म, वेब सीरीज, टीवी सीरियल और कॉमर्शियल्स को वीएफएक्स सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आईडेंटिकल ब्रेन्स स्टूडियोज के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री हुई। लिस्टिंग के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस शेयर में गिरावट आ गई और ये लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारों ने दोबारा जोर लगाया, जिससे इस शेयर में तेजी का रुख बन गया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 54 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर ये शेयर 75.93 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 95 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये शेयर टूट कर 90.25 के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। राहत की बात यही रही कि थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने जोर लगाया, जिसकी वजह से ये शेयर लोअर सर्किट के फंदे से निकल कर 99.75 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले ही दिन इस शेयर से 84.72 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।

शुरुआती उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार ज्यादातर समय सीमित दायरे में कारोबार करके सपाट स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में तेजी आ गई, लेकिन पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.39 अंक की सांकेतिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी ने 0.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज दिन भर के कारोबार में पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। एफएमसीजी, मेटल, बैंकिंग और आईटी इंडेक्स बिकवाली के दबाव के कारण लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज मिला-जुला कारोबार होता रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में सपाट कारोबार होने के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 442.08 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 441.71 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 37 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,074 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई।

इनमें 1,640 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,327 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 107 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,504 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,010 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,494 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 84.41 अंक की मजबूती के साथ 78,557.28 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 425.50 अंक की मजबूती के साथ 78,898.37 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बनने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण दोपहर 11 के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से करीब 725 अंक लुढ़क कर 299.49 अंक की कमजोरी के साथ 78,173.38 अंक तक गिर गया।

सुबह खाली पेट एक चुटकी खा लें यह बीज, 30 दिन में दिखेगा असर- राज पूछे बिना नहीं रह पाएंगे लोग

कलौंजी बीज में काफी मात्रा में फाइबर होता है। अगर आप रोजाना खाली पेट कलौंजी के बीज पानी से एक चुटकी खा लें तो आपके शरीर को इसके काफी लाभ मिल सकते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि आपको कलौंजी खाने के फायदे पढ़ना चाहिए। ताकि आप अपना दिन शुरू करने से पहले कलौंजी के बीज का सेवन जरूर करें।

कलौंजी के बीज भले ही दिखने में छोटे होते हैं लेकिन इसके फायदे भरपूर हैं। अगर आप कलौंजी के फायदों के बारे में अच्छे से जान जाएंगे तो शायद ही सुबह खाली पेट इसको खाना भूलेंगे। कलौंजी का इस्तेमाल यूं तो सब्जी पकाते हुए होता है।

इसके बीज खाने के जायके को बढ़ाने का काम करते हैं। लेकिन इसके बीज सुबह खाली पेट खाने से शरीर को ऑवरऑल काफी फायदा मिलता है। कलौंजी बीज एक प्राकृतिक औषधि है जो कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती है। यहां इस बीज के फायदे हैं।

शुगर को कंट्रोल करने में मदद

कलौंजी बीज में एंटी-डायबेटिक गुण होते हैं जो खून में शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में काफी मदद करते हैं। इसके बीज आपकी शुगर को कंट्रोल करते हैं। हालांकि आपको अपने मीठा खाने पर भी साथ में कंट्रोल करना पड़ता है।

दिल को मजबूत करती है कलौंजी

कलौंजी बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है जो दिल को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके बीज का नियमित प्रयोग करने से आपके दिल को कलौंजी कई प्रकार के लाभ पहुंचाती है। इसके साथ ही कलौंजी खून के संचार को बेहतर करने में काफी मदद करती है।

कैंसर को रोकने में मदद

कलौंजी बीज में एंटी-कैंसर गुण होते हैं जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं। कलौंजी के बीज सुबह खाली पेट खाने से यह शरीर पर बहुत प्रभावी तरीके से असर छोड़ते हैं। कैंसर से लड़ने के लिए इसके बीज काफी उपयोगी साबित होते हैं। आयुर्वेद दवाओं में कलौंजी का विशेष तौर से इस्तेमाल होता है।

पाचन तंत्र को बनाती है बेहतर

कलौंजी के बीज में फाइबर भी होता है जो आपके पाचन तंत्र को बेहद मजबूत बनाने में मदद करता है। जिन लोगों को कब्ज और गैस की समस्या रहती है उनके लिए कलौंजी एक बेहतर विकल्प है। सुबह उठें तो आप खाली पेट कलौंजी का सेवन कर सकते हैं। इसका असर 30 दिन में ही आपको दिखने लगेगा।

स्किन और बालों के लिए उपयोगी

कलौंजी बीज में एंटी-ऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो त्वचा और बालों को स्वस्थ बनाने में मदद करते हैं। अगर आपके बाल तेजी से झड़ रहे हैं तो आप कलौंजी तेल का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसका तेल बालों की जड़ों को मजबूत करता है साथ ही बालों के पतलेपन को भी दूर करता है।

मेंटल हेल्थ को बेहतर करने में कारगर

कलौंजी बीज में ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही कलौंजी बीज में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-वायरल गुण होते हैं जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। आप इसे अपने आहार में शामिल करें, जैसे कि सलाद, सूप, या अन्य व्यंजनों में।

बेलगांव गांधी और कांग्रेस

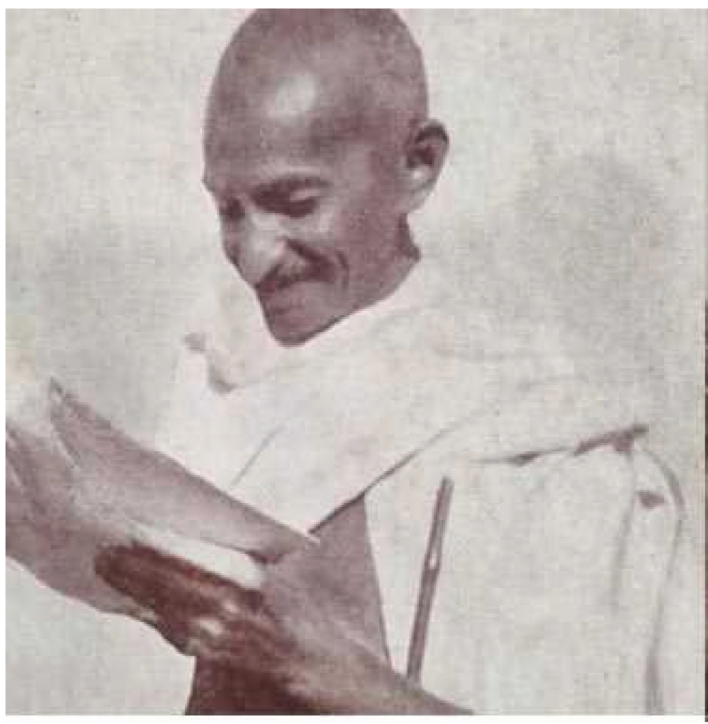

कर्नाटक का बेलगांव नगर वैसे तो हाल के दशकों में महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच जोर-आजमाइश का केंद्र बना हुआ है, लेकिन यहां देश की कुछ ऐसी अहम घटनाएं घटी हैं, जिसने राजनीतिक और सामाजिक धारा को बदलने का काम किया। इनमें सबसे प्रमुख घटना थी 26 दिसंबर 1924 को महात्मा गांधी का कांग्रेस अध्यक्ष बनना। बेलगांव का 39वां कांग्रेस अधिवेशन आजादी के आंदोलन के इतिहास में ही नहीं भारत के राजनीतिक इतिहास में मील का पत्थर बना था।

हालांकि गांधीजी केवल एक साल ही कांग्रेस अध्यक्ष रहे लेकिन 1920 के बाद से अपने निधन तक कांग्रेस के सबसे प्रमुख नीति निर्धारक बने रहे। कांग्रेस अध्यक्ष के अपने सीमित काल खंड में भी उन्होंने इतनी लंबी लकीर खींची थी कि वहां तक पहुंच पाना किसी भी दल के अध्यक्ष के लिए अब तक संभव नहीं रहा। एक साल पूरा होते ही उन्होंने अपना उत्तराधिकार कानपुर में सरोजिनी नायडु को सौंप दिया जो कांग्रेस अध्यक्ष बनने वाली प्रथम भारतीय महिला थी। गांधीजी से पहले काकीनाडा अधिवेशन की अध्यक्षता मौलाना मोहम्मद अली ने की थी।जब गांधीजी कांग्रेस अध्यक्ष बने थे तो बेलगांव 36 हजार की आबादी का कस्बा था, आज बड़ा नगर है, जहां विधान सभा तक है। इसका नाम भी अब बेलगावी है। यहां 26 और 27 दिसंबर को देश भर के प्रमुख कांग्रेस नेता जुट रहे हैं। कर्नाटक की राजधानी बंगलूर से 500 किमी दूर बेलगांव गोवा का प्रवेश द्वार भी कहा जाता है।कर्नाटक की धरती पर बेलगांव का अधिवेशन पहला था, जिसके लिए तैयारियां मार्च 1924 से ही आरंभ हो गयी थीं। सितंबर 1924 में 16 उप समितियां बनी। 80 एकड़ भूमि को ठीक करके अधिवेशन हुआ था। प्रतिनिधियों का आगमन 18 दिसंबर, 1924 से शुरु हो गया था। खुद गांधीजी 20 दिसंबर, 1924 को पहुंच गए थे और 1924 के अंत तक रहे।बेलगांव में गांधीजी ने कांग्रेस के आभिजात्य रूप-रंग को बदल कर संविधान को नया रूप दिया। गांव, गरीब और किसानों और मजदूरों के लिए कांग्रेस के दरवाजे खोले। कांग्रेस संगठन को रचनात्मक कामों से जोड़ा। छुआछूत और भेदभाव के खिलाफ मुहिम को कांग्रेस के राजनीतिक एजेंडे में शामिल किया। अंग्रेजी की तुलना में हिंदी और भारतीय भाषाओं को इसी अधिवेशन से अधिक तवज्जो मिली। खुद गांधीजी ने यहां भाषण हिंदी में दिया था। सम्मेलन में कई भाषण हिंदी, अंग्रेजी, मराठी और कन्नड़ में हुए। हिंदी में भाषण देते हुए गांधीजी ने कहा था कि %..मैं जब से हिंदुस्तान आया हूं, तब से कहे जा रहा हूं कि कम से कम कांग्रेस में, स्वराज्य के विषय में हिंदी में बात करें। लेकिन हमारी शिक्षा में ऐसा दोष है, ऐसा आलस्य आया है कि जितना प्रयत्न इसके लिए करना चाहिए था, हमने नहीं किया।सौ साल पहले जब बेलगांव की धरती पर 26 और 27 दिसंबर 1924 को विजयनगरम मंडप में महात्मा गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस महाधिवेशन हुआ तो उस दौरान पहली बार ये नगर देश की निगाह में आया था। उस दौरान केवल कांग्रेस ही नहीं देश भर के 27 दलों और संगठनों ने कांग्रेस के पंडाल में ही अपना सालाना जलसा किया था। ये आमंत्रण गांधीजी ने उस दौरान स्वराज के मुद्दे पर आपस में एकता के तहत दिया था।गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद कर्नाटक को लंबे समय तक गांधीजी का प्रांत कहा जाता था। इस अधिवेशन के बारे में लोगों को अधिक जानकारी नही है। 26 दिसंबर 1924 को महान संगीतज्ञ विष्णु दिगम्बर पलुसकर ने वंदेमातरम के गायन से अधिवेशन का आरंभ किया था और बालिका गंगूबाई हंगल ने भी पहली बार यहीं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाई थी।बेलगांव कांग्रेस में ही यह तय हुआ कि कौसिलों में स्वराज पार्टी के सदस्य कांग्रेस के सदस्य की हैसियत से उसके विचारों के अनुरूप काम करेंगे। उस दौरान कांग्रेस महासचिव के रूप में शुएब कुरैशी, बरजोरजी फ्रामजी भरूचा और जवाहर लाल नेहरू का चयन करने के साथ रेवा शंकर जावेरी तथा सेठ जमनालाल बजाज को कोषाध्यक्ष चुना गया।

कांग्रेस की कार्यसमिति में देशबंधु चित्तरंजन दास, मोतीलाल नेहरू, सरोजिनी नायडु, एनसी केलकर, मौलाना मुहम्मद अली, अबुल कलाम आजाद, सरदार मंगल सिंह, एमएस अणे और श्रीवरराजूलू नायडु जैसे नेता बेलगांव में सदस्य बने थे।उस दौरान बेलगांव में गांधीजी के साथ मंच पर इन नेताओं के साथ लाला लाजपत राय, पंडित मदन मोहन मालवीय, मौलाना हसरत मोहानी, एस सत्यमूर्ति, स्वामी श्रद्धानंद, मौलाना शौकत अली, डा. एनी बेसेंट, टी प्रकाशम और जवाहर लाल नेहरू समेत तमाम दिग्गज मौजूद थे।गांधीजी का भाषण हिंदी में हुआ। पर उनका जो आधिकारिक अध्यक्षीय भाषण कन्नड़, हिंदी, मराठी और अंग्रेजी में छप कर बंटा उससे अलग उन्होंने कई बातें कही। उनका कहना ता कि स्वराज्य मनुष्य का जन्मसिद्ध अधिकार है, तिलकजी के इस श्लोक को पूरा करने के लिए ही मैं पैदा हुआ हूं।उन्होंने एकता का संदेश देते हुए पहली बार राजनीतिक एजेड़े में छुआछूत के खिलाफ मुहिम को भी रखा और साफ कहा कि अस्पृश्यता स्वराज की राह की सबसे बड़ी बाधाओं में है। जितना जल्दी हम यह काम करें हमारे हित में है।बेलगांव में ही हिंदुस्तानी सेवादल ने डॉ हाडीकर के नेतृत्व में 1156 स्वयंसेवकों ने ऐतिहासिक काम किया। रोज सुबह राष्ट्रीय ध्वज समारोहपूर्वक फहराने और शाम को उतारने का सिलसिला भी यहीं से आरंभ हुआ, जिसका जिम्मा सेवादल को मिला।बेलगांव कांग्रेस में 14 प्रस्ताव पारित हुए। इसका धन्यवाद ज्ञापन पंडित मोतीलाल नेहरू ने दिया था। गांधीजी की आखिरी टिप्पणी जवाहरलाल नेहरू पर उनकी भविष्यवाणी थी जिसमें उन्होंने कहा था कि जवाहर लाल नेहरू की पूजा जगत करेगा और उन पर पुष्पवर्षा करेगा।इस अधिवेशन पर कुल 2.20 लाख रुपए का खर्च आया था जिसमें से खद्दर पर 30,547 तथा रेलवे के कामों पर हुआ 17,900 रुपए भी शामिल था। एक स्वदेशी प्रदर्शनी भी वहां लगी जिसमें मैसूर राज ने भी भागीदारी की। चिकित्सकों का अच्छा खासा दल भी यहां जुटा। पहली बार आयुर्वेदिक औषधियों को भी इसमें जगह मिली।बेलगांव सम्मेलन के बाद गांधीजी ने देश के कई प्रांतों का लगातार दौरा किया। केरल में वे 10 मार्च 1925 को वायकोम पहुंचे और छुआछूत के खिलाफ लड़ रहे सत्याग्रहियों को समर्थन दिया। साल भर में कांग्रेस की कार्यप्रणाली में काफी बदलाव आया और कांग्रेस की शक्ति बढ़ी।उस दौरान अंग्रेजी राज में लोगों में फौज का भय, कोने-कोने फैली पुलिस का भय, दमनकारी कानूनों का भय, महाजनों का भय, कैद का भय, जमींदार के गुमाश्ते का भय कायम था। लेकिन गांधीजी ने उनको किसी से न डरने की सलाह दी।हालांकि गांधीजी की 1915 में भारत आने के बाद से ही अलग हैसियत रही है। गांधीजी की शहादत के पहले नेहरूजी ने कहा था कि महात्मा गांधी कांग्रेस के स्थायी और सर्वोच्च अध्यक्ष हैं और जब वे नहीं रहेंगे तो उनकी आत्मा कांग्रेस का नीति संचालन करेगी।28 दिसंबर को 140वें वर्ष में प्रवेश कर रही कांग्रेस के अब तक 85 महाधिवेशन हो चुके हैं। आजादी के ठीक पहले 54वां अधिवेशन 1946 में मेरठ में और आजादी के बाद 55वां अधिवेशन जयपुर में पट्टाभि सीतारमय्या की अध्यक्षता में हुआ, जबकि संविधान बनने के बाद 56वां अधिवेशन नासिक में हुआ था।

संपादकीय

बेलगावी में कांग्रेस बटोरेगी नयी ताकत

26 दिसम्बर से कांग्रेस कर्नाटक के बेलगावी से नवसत्याग्रह की शुरुआत करने जा रही है। ठीक 100 वर्ष पहले 26-27 दिसम्बर को इसी बेलगावी में कांग्रेस का जो अधिवेशन हुआ था, उसकी अध्यक्षता महात्मा गांधी ने की थी। यह बापू के जीवन काल का एकमात्र अधिवेशन था जिसकी उन्होंने सदारत की थी। उससे प्रेरित कांग्रेस ने इस अधिवेशन के लिये वैसे तो बेलगावी का चयन काफी पहले से कर रखा था; और प्रदेश कांग्रेस ने तैयारियां भी प्रारम्भ कर दी थीं, हालिया सियासी घटनाक्रम ने इसका महत्व इस बात से कहीं अधिक बढ़ा दिया है कि यह 100 साल पूर्व हुए सम्मेलन की अगली कड़ी की तरह है। जिन परिस्थितियों में यह अधिवेशन हो रहा है और जैसे निर्णयों की अपेक्षा है, उससे कहा जा सकता है कि इसकी महत्ता प्रतीक से बढ़कर वास्तविकता के स्तर पर है। मई 2022 में हुए उदयपुर नव संकल्प शिविर के फैसलों ने जैसे निर्जीव व निस्तेज कांग्रेस में नये प्राण फूंके थे, वैसी ही ताकत बटोरने की अपेक्षा कांग्रेस को बेलगावी अधिवेशन से है।

इस अधिवेशन की महत्ता जानने के पहले उदयपुर अधिवेशन सम्मेलन के प्रभावों तथा वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को समझना आवश्यक है। 2019 में लोकसभा चुनाव तथा उसके आगे-पीछे गिने-चुने प्रदेशों को छोड़कर ज्यादातर विधानसभा चुनावों में पराजित कांग्रेस भितरघातों तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सतत शक्तिशाली होती भारतीय जनता पार्टी द्वारा इस कदर बुलडोज़ हो चुकी थी कि संगठन में टूट-फूट व बिखराव का मंजर था। नेतृत्व को कोई भी ऐरा-गैरा चुनौती देता या सवाल उठाता रहता था। जी-23 के नाम से बाकायदा एक अंदरूनी मंच तैयार हो गया था जो शीर्ष नेतृत्व की खुली आलोचना करता था। निराशा का स्तर ऐसा रहा कि 2019 के लोकसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन से व्यथित राहुल गांधी ने अध्यक्ष पद त्याग दिया तथा दल को सम्हालने के लिये सोनिया को फिर सर्वोच्च कुर्सी पर लौटना पड़ा था। बड़े पैमाने पर या तो उसकी सरकारें गिराई जाती रहीं या फिर संगठन छोड़कर उसके लोग भाजपा में प्रविष्ट होते गये। पार्टी को तोड़ने के लिये धन बल से लेकर पद का लालच और केन्द्रीय जांच एजेंसियों का डर दिखाया जाता।

मोदी व उनके मुख्य सिपहसालार केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के %ऑपरेशन लोटस% ने सारी लोकतांत्रिक व संसदीय मर्यादाएं तार-तार कर दीं। 2014 में जिस %कांग्रेस मुक्त भारत% का नारा मोदी ने दिया था, उसका विस्तार करते हुए शाह के सहयोग से पीएम %विपक्ष मुक्त भारत% की योजना के काम में जुट गये। स्वीकार करना होगा कि इसमें उन्हें काफी सफलता मिली। कांग्रेस समेत देश के तमाम गैर भाजपायी राजनीतिक दलों में मुर्दनी छा गयी। तमाम प्रशासनिक नाकामियों के बाद भी भाजपा इतनी मजबूत हो गयी कि देश की राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक ताकतें उसके हाथों में आती चली गयीं। मजबूत प्रतिपक्ष के अभाव में मोदी निरकुंश हो गये। फ्लॉप योजनाओं के अलावा भ्रष्टाचार चरम पर पहुंचा। नेहरू खानदान तथा कांग्रेस की आलोचना की आड़ में मोदी हर जवाबदेही से बचते रहे। ध्रुवीकरण के उद्देश्य से भाजपा द्वारा देश में नफ़रत व हिंसा का ऐसा विषाक्त माहौल बना दिया गया कि अब पूरा सामाजिक ताना-बाना बिखर चुका है। संवैधानिक प्रणाली पर जमकर हमले किये गये। यह सारा राजनीतिक लाभ उठाने के लिए किया जाता रहा। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यकीन करने वाले लोग, शक्तियां एवं संगठन देश में दक्षिणपंथी उभार को लाचारगी से तकने के अलावा कुछ भी नहीं कर पा रहे थे।

उदयपुर ने उस अंधेरे में रोशनी फैलानी शुरू की। उसमें लिये गये निर्णय के अनुरूप राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से श्रीनगर (कश्मीर) तक %भारत जोड़ो यात्रा% के नाम से ऐतिहासिक पैदल मार्च किया- 7 सितम्बर, 2022 से 30 जनवरी, 2023 तक। इसका उद्देश्य घृणा व हिंसा के वातावरण को खत्म करना था। फिर साम्प्रदायिक हिंसा की लपटों में घिरे मणिपुर से मुम्बई तक वाहन व पैदल की मिली-जुली यात्रा की- 14 जनवरी से 18 मार्च, 2023 तक। दोनों को मिलाकर राहुल ने लगभग 10 हजार किलोमीटर से ज्यादा का फासला नापा और करोड़ों लोगों से मिले। इन यात्राओं से स्वयं राहुल तथा कांग्रेस की छवि में बड़ा सुधार आया जिसे देश की कार्पोरेट लॉबी द्वारा प्रायोजित एक सुनियोजित व खर्चीले अभियान के तहत भाजपा के प्रचार तंत्र ने विकृत किया था। इन यात्राओं के दौरान सामने आया कि मोदी किस तरह से देश को कमजोर कर अपने मित्रों की झोलियां दौलत से भर रहे हैं। उनकी लूट-खसोट भरी शासन प्रणाली का भी पर्दाफाश हो गया।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के गौरवशाली सौ वर्ष

26 दिसम्बर 24 को हम पार्टी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने को अग्रसर हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था।

26 दिसम्बर 24 को हम पार्टी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने को अग्रसर हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था। 1920-22 में ऐतिहासिक असहयोग आंदोलन में मजदूरों, किसानों, छात्रों, मध्यम वर्गों की कार्रवाई एवं चेतना को नये स्तर तक जागृत कर दिया था।25 दिसम्बर 1925 कुछ युवा देश भक्त महान समाजवादी अक्टूबर क्रांति से प्रेरित होकर तथा क्रांतिकारी जोश से भरकर साम्राज्यवादी उत्पीड़न का सामना करते हुए कानपुर में इकट्ठा हुए और उन्होंने राष्ट्रीय आजादी एवं समाजवाद के भविष्य के लिये संघर्ष करने के संकल्प के साथ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की।

26 दिसम्बर 24 को हम पार्टी स्थापना की 100वीं वर्षगांठ मनाने को अग्रसर हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म उस अवधि में हुआ, जब भारत में साम्राज्यवाद विरोध संघर्ष ने जुझारू आयाम ग्रहण कर लिया था। 1920-22 में ऐतिहासिक असहयोग आंदोलन में मजदूरों, किसानों, छात्रों, मध्यम वर्गों की कार्रवाई एवं चेतना को नये स्तर तक जागृत कर दिया था। लेकिन अचानक असहयोग आंदोलन वापिस किये जाने से उनमें निराशा एवं मोहभंग हो गया और वे साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष के लिये नये अधिक क्रांतिकारी तथा सुसंगत मंच की खोज करने लगे। भाकपा का जन्म मजदूरों, किसानों, छात्रों के जुझारू एवं वर्गीय उभारों के बीच हुआ जो हड़तालों, संघर्षों, भूस्वामी विरोधी धाराओं के प्रतिनिधि थे। जो कानपुर में 26-28 दिसम्बर 1925 को शामिल हुए और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की। यह हल्की धारा विशाल धारा बन गई।

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का जन्म जुझारू साम्राज्यवाद विरोधी देश भक्त और अंतरराष्ट्रीयतावाद, राष्ट्रीय मुक्ति के लिये संघर्ष तथा समाजवाद के लिये वर्ग संघर्ष की धाराओं के मिलन से हुआ। साम्राज्यवाद को उखाड़ फेंकने और पूर्ण आजादी की मांग 1921 में कांग्रेस के अहमदाबाद अधिवेशन में हजरत मोहानी (जो भाकपा स्थापना स्वागत समिति के अध्यक्ष थे) ने प्रस्ताव पेश किया। 1922 के कांग्रेस के गया अधिवेशन में सिंगारवेलु चेट्टियार (जिन्होंने कानपुर स्थापना सम्मेलन की अध्यक्षता की) ने पूर्ण आजादी की मांग दुहराई और व्यापक समर्थन हासिल किया। कलकत्ता कांग्रेस अधिवेशन 1928 में एटक, भाकपा आादि ने पचास हजार लोगों का प्रदर्शन कर पूर्ण आजादी की मांग दुहराई तब जाकर 1931 करांची कांग्रेस अधिवेशन में इस मांग को मंजूर किया। भारत और विदेशों के भारतीय राष्ट्रवादी एवं क्रांतिकारी कम्युनिस्ट आंदोलन की ओर आकृष्ट होने लगे। मुस्लिम क्रांतिकारियों के खिलाफ़ जिन्हें मुजाहिरों के नाम प्रसिद्ध है। उन पर चार पेशावर षडयंत्र केस चलाये गये। जिसका लक्ष्य नवजात कम्युनिस्ट आंदोलन को कुचलना था परन्तु ऐसा नहीं हुआ। अंग्रेजों ने जल्द ही दूसरा प्रहार किया। एस.ए.डांगे मुजफ्फर अहमद, नलिनी गुप्ता, शौकत अली, उस्मानी, सिंगारवेलु चेट्टियार, गुलाम हुसैन एवं अन्य के खिलाफ़ कुख्यात कानपुर षडयंत्र केस में 17 मार्च 1924 को दिये आरोप पत्र में कहा अभियुक्त कम्युनिस्टों का लक्ष्य %एक हिंसक क्रांति द्वारा ब्रिटिश साम्राज्यवाद को पराजित करना तथा ब्रिटिश साम्राज्य की संप्रभुता से वंचित करना था।मई 1924 को डांगे, मुजफ्फर अहमद, गुप्ता और उस्मानी को चार वर्ष की कैद की सजा दी गई। कम्युनिस्टों ने राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन और ट्रेड यूनियन आंदोलन में सशक्त कार्रवाइयां करना तथा राजनैतिक क्षेत्र में उनके कार्यकलापों ने राष्ट्रीय आंदोलन के क्रांतिकारी पक्ष को सामने ला दिया। जिस पर मार्च 1929 में 31 अग्रणी कम्युनिस्ट एवं ट्रेड यूनियन नेताओं को गिरफ्तार किया जो मेरठ षडयंत्र केस के नाम से प्रसिद्ध है। इनमें एस.ए. डांगे मुजफ्फर अहमद, गंगाधर अधिकारी, पी.सी. जोशी, एस.एस. मिरजकर तथा अन्य शामिल थे।

1930-40 के दशक के दौरान सैकड़ों जुझारू देशभक्त, राष्ट्रीय क्रांतिकारी, मजदूर शामिल हो गये। वर्ग आधार एवं वर्ग दृष्टिकोण से भाकपा ने देश की बहुमत जनता को भागीदार बनाने हेतु 1920 में एटक का गठन किया गया। 1936 में स्वामी सहजानंद सरस्वती और इन्दुलाल याज्ञिक जैसे क्रांतिकारी जनवादी नेताओं के साथ किसान सभा की स्थापना की गई जिसके झंडे तले जमींदारी प्रथा समाप्त करने, कास्तकारों की हितरक्षा, आधी बटाई की जगह दो तिहाई हिस्सा देने, जोतने वालों को जमीन देने जैसी मांगों को लेकर शक्तिशाली सामंत विरोधी किसान कार्रवाईयां हुईं। किसान संघर्ष के दौरान कार्यानंद शर्मा, ए.के. गोपालन, जीवानंदन जैसे सैकड़ों नाम है। बाद में महान लेखक, विचारक राहुल सांस्कृत्यायन भी किसान सभा में शामिल हुए और अनेक बार जेल गये। कैय्यूर शहीदों के अमर नाम, तेभाना, तेलंगाना, पेप्सू संघर्ष के वीरों के नाम अवस्मिरणीय रहेंगे।

1936 में प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना की गई। भारतीय संस्कृति के महान व्यक्तियों गुरूवर रवीन्द्रनाथ टैगोर, मुंशी प्रेमचंद, महाकवि वल्लाथोल, सज्जाद जहीर, जोश महीलावादी आदि ने लोकप्रिय, प्रगतिशील, साम्राज्यवादी विरोधी एवं फासिस्ट विरोधी लोकतांत्रिक संस्कृति का अग्रदूत लेखक संघ बन गया। 1943 में भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) की स्थापना बहुलवादी संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण मोड़ था। क्रांतिकारी गीत, संगीत, नाटक, नुक्कड़ नाटक के लोक रूपों के पुर्न जीवन से %जनता को संस्कृति के निकट लाने वं संस्कृति को जनता के निकट लाने में% मदद मिली।

कम्युनिस्टों द्वारा सामंत विरोधी साम्राज्यवाद विरोधी लहर का प्रभाव आम जनता के साथ फौज पर भी पड़ा परिणाम स्वरूप भारतीय वायुसेना ने हड़ताल कर दी और 1946 में भारतीय नौसेना के सैनिकों एवं भारतीय अधिकारियों ने विद्रोह कर दिया जो महान विद्रोह 1857 के प्रथम स्वतंत्रता युद्ध के बाद अभूतपूर्व था। विद्रोही नौ सैनिकों ने पोतों पर से यूनियन जैक को उखाड़ फेंका और लाल, हरा एवं सफेद झंडा लहराया और देशवासियों के समर्थन की अपील की परन्तु कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा समर्थन न करने से व्यथित होकर विद्रोही नौसेनिकों ने सफेद और हरा झंडा भी समुद्र में फेंक दिया और सिर्फ लाल झंडा लेकर निकले। बंबई में दो लाख से अधिक मजदूरों ने नाविकों के समर्थन में हड़ताल कर प्रदर्शन किया जिसमें गिरनी कामगार यूनियन, एटक तथा कम्युनिस्टों की अग्रणी भूमिका थी। ऐसी सामन्त विरोधी, साम्राज्यवाद विरोधी प्रभावी जनसंघर्षों का परिणाम था कि अंग्रेज़ राज्य सम्भालने में असमर्थ थे तथा द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की राजनैतिक स्थितियां भी समीचीन थी और 15 अगस्त 1947 को भारत को आज़ादी मिली।

क्या आप भी जल्दी जल्दी नौकरी बदलते हैं? ये हैं फायदे एवं नुकसान

एक तो लोगों को नौकरी मिलना आज के समय में बेहद मुश्किल का कार्य है, वहीं कई लोग भाग्यशाली होते हैं, जिन्हें एक नौकरी छोड़ने से पहले ही दूसरी नौकरी मिल जाए! ऐसे में थोड़ी ग्रोथ के लिए लोगबाग जल्दी-जल्दी नौकरी चेंज करने लगते हैं। शायद आप भी उनमें से हों, किन्तु अगर आप भी जल्दी जल्दी नौकरी चेंज करते हैं तो यह जान लें कि शार्ट टर्म में बेशक इसके कुछ फायदे दिखें, किन्तु दीर्घावधि में इसका काफी नुकसान होता है।

हालांकि अभी के समय में हालात यह हैं कि अब पहले की तरह लोग एक ही नौकरी पर बहुत दिन तक कार्य नहीं करते हैं, बल्कि नौकरी चेंज करने में वह अपनी ग्रोथ देखते हैं, और उसी अनुरूप डिसीजन भी लेते हैं।

किंतु जॉब बदलने का फैसला कुछ मामलों में बेशक ठीक लगता है, किंतु कुछ मामलों में यह कहीं ना कहीं नुकसान देता है। आइये जानते हैं अगर फायदे की बात करें तो आप यह जान लीजिए कि जॉब बदलने में सबसे पहले तो कुछ परसेंट ही सही, मगर आपकी सैलरी बढ़ जाती है। निश्चित रूप से हर व्यक्ति चाहता है कि उसे उसके काम के अधिक से अधिक पैसे मिलें, और एक नौकरी में अगर उस अनुरूप ग्रोथ नहीं होती है, तो वह जॉब बदलना चाहता है, और ऐसे में उसे तुरंत ही ग्रोथ मिल जाती है।

वहीं अगर दूसरे फायदे की बात करें तो इससे पर्टिकुलर इंडस्ट्री में आपका नेटवर्क बेहतर होता है। अगर एक कंपनी में आप जॉब करते हैं, फिर दूसरी कंपनी में जाते हैं, और इस तरीके से अलग-अलग कंपनी में आपका बेस तैयार होता चला जाता है।

इसके अलावा सबसे बड़ी बात यह है कि एक ही कंपनी में काम करने पर आप कंफर्ट जोन में आ जाते हैं। आपकी स्किल कहीं ना कहीं सैचुरेट हो जाती है, तो दूसरी कंपनी में जब आप जाते हैं, तो वहां कुछ ना कुछ नया सीखने को अवश्य मिलता है। चाहे वहां आपका नया सीनियर हो, चाहे वहां का इनवायरमेंट हो, आप उस कंपनी से नई चीजें जरूर सीखते हैं, और यह वह चीज है जो आपको आने वाले दिनों में मजबूती करती है। इसके अलावा कई भारत लोग एक जगह पर कार्य करने से बोर भी हो जाते हैं, ऐसे में नयी जॉब में उन्हें नयापन भी मिलता है।

हालांकि यह इसका पॉजिटिव पक्ष है, किंतु कुछ निगेटिव पक्ष भी हैं, जिन्हें आपको अवश्य ध्यान में रखना चाहिए।

नुकसान की बात करें तो बार बार जॉब चेंज करने से पोजीशन के मामले में आपके आगे बढ़ने पर असर पड़ सकता है। जी हाँ! एक ही कंपनी में जब आप काम करते हैं, तो वहां आपकी कांस्टेंट ग्रोथ होती है। वहां आपको प्रमोशन मिलता रहता है, किंतु जब आप दूसरी कंपनी में जाते हैं, तो सीनियर पोजिशन पर आपको पहुंचने में कहीं ना कहीं दिक्कत होती है।

इससे आपकी लॉयल्टी भी चेक की जाती है। अगर आप कुछ ज्यादा ही जॉब चेंज करते हैं, तब आपको किसी हायर पोजिशन पर जॉब देने से एचआर मैनेजर निश्चित ही कई बार सोचेगा। कंपनी अगर किसी जिम्मेदारी वाली पोस्ट पर आप की हायरिंग कर भी लेती है, तो भी कंपनी श्योर नहीं हो पाती है कि आप आखिर कितने दिन जॉब करेंगे? कहीं आप बीच में ही जॉब छोड़ कर कहीं और तो नहीं चले जाएंगे? ऐसे में आप शक के घेरे में आ जाते हैं!

यह कार्य सिर्फ पोजीशन के मामले में ही नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट अलॉटमेंट के मामले में भी है, तो क्लाइंट इंटरेक्शन के मामले में भी है। जब तक आप किसी कंपनी के लम्बे समय तक वफादार नहीं होते हैं, तब तक किसी बड़े प्रोजेक्ट की कमांड आपके हाथ में देने से निश्चित रूप से वह कंपनी हिचकिचाएगी। इसी प्रकार से बड़े क्लाइंट हैंडलिंग में भी कंपनी आपको तब तक इंवॉल्व नहीं करेगी, जब तक आप उसके प्रति लॉयल साबित न हो जाएँ! ऐसे में कहीं ना कहीं बड़ी संभावनाओं से आपके दूर रहने की शुरुआत हो जाती है।

कंपनी बार-बार चेंज करने का आपके फाइनेंसियल पोजीशन पर भी खासा असर पड़ता है। चाहे आप क्रेडिट कार्ड एप्लीकेशन के लिए अप्लाई करें, चाहे आप होम लोन या दूसरे लोन के लिए अप्लाई करें आपकी फाइनेंशियल स्टेबिलिटी जरूर चेक की जाती है। आप किस कंपनी में कितने लंबे समय तक रहे हैं, यह आपके लिए एक प्लस प्वाइंट साबित होता है। वहीं अगर आप बार-बार अपनी जॉब चेंज करते हैं, तो कहीं ना कहीं आप की फाइनेंसियल स्टेबिलिटी पर एक सवाल खड़ा होता है।

मैनेजेरियल स्किल डेवलपमेंट पर पड़ता है फर्क

जी हां! ऊपर से आपको बेशक लगे कि आप कुछ चीजें ऊपर ऊपर समझ गए हैं, किंतु प्रबंधन के गुणों को आप तब तक नहीं समझ सकते, जब तक आप किसी कंपनी में देर तक नहीं टिकेंगे! कहीं टिक कर काम करने के बाद ही कंपनी पॉलिटिक्स, प्रबंधन टेक्निक आप समझ पाते हैं। कंपनी अपने इन्वेस्टमेंट डिसीजंस किस प्रकार लेती है, वास्तव में उसकी रुचि और भविष्य की योजनायें क्या हैं, यह आप गहराई से एक समय के बाद ही समझ पाते हैं। अगर बाद में आप कभी अपना उद्यम शुरू करना चाहें, तो इसलिए जरूरी है कि किसी कंपनी में आप देर तक टिक कर काम करें, अन्यथा आप उसकी गहराई को नहीं समझ पाएंगे।

पॉलीमर साइंस में बीटेक करने के बाद है शानदार करियर संभावनाएं

विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं।

मौजूदा तकनीकी दौर में पॉलीमर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। इनमें प्लास्टिक, मोल्डेड सामग्री, सिंथेटिक फाइबर, रबर आदि शामिल हैं। ईको-फ्रेंडली और रीसाइक्लेबल प्लास्टिक के साथ इन सभी पॉलीमर प्रोडक्ट्स के उचित प्रबंधन की आवश्यकता भी समय के साथ बढ़ रही है। यह काम पॉलिमर इंजीनियर्स करते हैं। वे प्लांट डिजाइन, प्रोसेस डिजाइन और थर्मोडाइनेमिक्स के सिद्धांतों का उपयोग करते हैं। विदेश ही नहीं, भारत में भी कई पॉलिमर और पेट्रोकेमिकल इंडस्ट्रीज खुल चुकी हैं। नतीजतन, करियर विकल्प के रूप में केमिकल इंजीनियरिंग या पॉलिमर इंजीनियरिंग का महत्व कई गुना बढ़ गया है। अगर आप इस क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 12वीं के बाद पॉलीमर साइंस में बीटेक कर सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको पॉलीमर साइंस में बीटेक के बाद करियर अवसर के बारे में जानकारी देंगे-

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के अवसर

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद आप सरकारी फर्मों जैसे सेंट्रल ग्लास एंड सिरेमिक रिसर्च इंस्टीट्यूट, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, राउरकेला और सेंट्रल साल्ट एंड मरीन केमिकल्स रिसर्च इंस्टीट्यूट आदि में बतौर जूनियर रिसर्च फेलो काम कर सकते हैं। इन फेलोशिप कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करने की आवश्यकता है। कुल मिलाकर कम से कम 55% अंकों के साथ एम ।टेक डिग्री प्राप्त करने के बाद कोई भी नेट के लिए बैठ सकता है। जिन उम्मीदवारों ने अपनी बी टेक डिग्री में 60% अंक प्राप्त किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में वैज्ञानिक या इंजीनियर के रूप में 40,000/- रुपये के मासिक वेतन के साथ काम कर सकते हैं। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन भी वैज्ञानिक बी पद की भूमिका में पॉलिमर इंजीनियरिंग स्नातकों की भर्ती करता है। इनके अलावा सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, ब्रह्मपुत्र क्रैकर एंड पॉलिमर लिमिटेड (बीसीपीएल) जैसे संगठन भी पॉलिमर इंजीनियरिंग में बी टेक स्नातकों को नियुक्त करते हैं। इनके अलावा स्नातक डिग्री धारक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, ऑयल इंडिया लेबोरेटरीज, पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग प्लांट्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कमीशन (ओएनजीसी) आदि विभागों में भी रोजगार पा सकते हैं। उम्मीदवार विभिन्न इंजीनियरिंग संस्थानों में लेक्चरर पद का विकल्प भी चुन सकते हैं।

पॉलिमर इंजीनियरिंग में बीटेक के बाद निजी क्षेत्र के अवसर

जर्मन आधारित कंपनी विंडमोलर एंड होल्शर, अक्सर अपने मैकेनिकल इंजीनियरिंग अनुभाग में संचालन करने के लिए पॉलिमर इंजीनियरों की भर्ती करती है। 7 से 8 साल के कार्य अनुभव वाले लोग एलाइड सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में सेल्स/बिजनेस डेवलपमेंट सेक्शन में जा सकते हैं। यहाँ आप 35,000/- से रु ।50,000/- प्रति माह तक की सैलरी पा सकते हैं। अपोलो टायर्स लिमिटेड, सिएट लिमिटेड आदि जैसी टायर कंपनियों को भी पॉलिमर इंजीनियर्स की जरूरत है। पॉलीमर इंजीनियरिंग में स्नातकों के लिए क्वालिटी इंजीनियर, प्रोडक्शन इंजीनियर्स/ टेक्नोलॉजिस्ट, पॉलीमर स्पेशलिस्ट आदि सामान्य जॉब प्रोफाइल हैं।

विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र में हैं अपार संभावनाएं

विजुअल मर्चेंडाइजिंग शब्द भले ही कुछ लोगों के लिए नया हो, लेकिन सेल्स और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोग इससे भली-भांति वाकिफ हैं। विजुअल मर्चेंडाइजिंग वास्तव में एक आर्ट है, जिसमें एक व्यक्ति किसी प्रॉडक्ट या सर्विस को क्लाइंट्स के सामने कुछ इस तरह पेश करता है ताकि वह सेल्स को बढ़ावा दे सके। अब इस कॉन्सेप्ट को रिटेल सेक्टर में एक मार्केटिंग टूल के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस क्षेत्र में वह सभी गतिविधियां शामिल हैं, जो रिटेल स्टोर्स में उत्पादों की बिक्री बढ़ाने में मदद करती हैं। उदाहरण के तौर पर, प्रॉडक्ट के संभावित ग्राहकों के माइंड को समझना और उपभोक्ताओं को उत्पाद के बारे में शिक्षित करना व प्रॉडक्ट को बेहद इफेक्ट व क्रिएटिव तरीके से पेश करना आदि। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस करियर के बारे में

क्या है विजुअल मर्चेंडाइजिंग

एजुकेशन एक्सपर्ट बताते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजिंग के क्षेत्र से जुड़े लोगों को विजुअल मर्चेंडाइजर कहा जाता है। विजुअल मर्चेंडाइजर ऐसे पेशेवर हैं जो किसी भी ब्रांड, एक चेहरे को देने के लिए जिम्मेदार हैं। वे ऑनलाइन शॉपर्स और रिटेल स्टोर दोनों के लिए विंडो और स्टोर डिस्प्ले में अवधारणा, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं। वे स्टोर थीम की योजना बनाते हैं, डिस्प्ले के लिए प्रॉपर की व्यवस्था करते हैं, डिस्प्ले फिक्स्चर और लाइटिंग की व्यवस्था करते हैं, ओपनिंग से पहले स्टोर सेट करते हैं, फ्लोर प्लान के साथ काम करते हैं और डिस्प्ले को बनाने के लिए सेल्स फ्लोर पर स्टोर कर्मियों को प्रशिक्षित करते हैं। एक विजुअल मर्चेंडाइजर का मुख्य उद्देश्य स्टोर की छवि के अनुरूप डिस्प्ले बनाना और अधिक ग्राहकों को स्टोर में लाना है।

शैक्षणिक योग्यता

आजकल ऐसे कई इंस्टीट्यूट हैं जो विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित सर्टिफिकेट व डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं। इस कोर्स को करने के लिए छात्र का 12वीं पास होना आवश्यक है। हालांकि अधिकतर जगहों पर विजुअल मर्चेंडाइजिंग को फैशन डिजाइनिंग या फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के तहत पढ़ाया जाता है।

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, विजुअल मर्चेंडाइजिंग के कोर्स में छात्रों को विजुअल मर्चेंडाइजिंग से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया जाता है जैसे कि रिटेल स्टोर का लेआउट और डिजाइन, इंटीरियर डेकोरेशन, स्टोर के अंदर फर्नीचर और फिक्स्चर की स्थापना, स्टोर डिस्प्ले और उत्पादों की प्रस्तुति, विभिन्न संचार साधनों के उपयोग के जरिए ग्राहकों को आकर्षित करना।

व्यक्तिगत गुण

इस क्षेत्र में कॅरियर देख रहे छात्रों में डिजाइनिंग और क्रिएटिविटी के गुण का होना बेहद आवश्यक है। एक विजुअल मर्चेंडाइजर में बेहतरीन आर्गेनाइजिंग स्किल्स होने के साथ-साथ प्लानिंग, प्रोजेक्ट मैनेजमेंट व टाइम मैनेजमेंट आदि विशेषताएं भी होनी चाहिए। इसके अलावा उनमें संचार व इंटरपर्सनल स्किल्स, समस्या सुलझाने की क्षमता और कंप्यूटर का ज्ञान होना भी जरूरी है। कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि विजुअल मर्चेंडाइजर को उपभोक्ताओं के मनोविज्ञान को जानना आना चाहिए और उसे रूझानों का भी पूर्वानमान लगा लेना चाहिए।

संभावनाएं

शॉपिंग मॉल, फाइव स्टार होटल, बुटीक व रिटेल आउटलेट्स की संख्या बढ़ने के साथ ही विजुअल मर्चेंडाइजर्स की मांग में भी काफी इजाफा हुआ है। विजुअल मर्चेंडाइजर फैशन बुटीक, शॉपिंग मॉल, एम्पोरिया, डिजाइन कंपनी, आर्किटेक्चर फर्म, थीम पार्टी ऑर्गनाइजिंग कंपनी आदि में जॉब कर सकते हैं। वे प्रदर्शनियों, मेलों, ब्यूटी कॉन्टेस्ट, अवार्ड सेरेमनी, मॉल, रिटेल में विंडो डिस्प्ले के लिए अनुबंध के आधार पर फ्रीलांसिंग भी कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर भी दस से पंद्रह हजार आसानी से कमा सकता है। वहीं कुछ समय के अनुभव के बाद आप किसी बड़े ब्रांड के रिटेल आउटलिट में काम कर सकते हैं और एक आकर्षक पैकेज पा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, बैंगलोर
- द सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन, मुम्बई
- स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन एंड मैनेजमेंट स्टडीज, कोच्चि
- बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, ग्रेटर नोएडा

प्रतिभावान विद्यार्थियों को तराशती योजना
राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा

नेशनल टेलेंट सर्च यानी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज एनसीईआरटी की एक प्रमुख योजना है। इसका उद्देश्य प्रतिभावान विद्यार्थियों का पता लगाना और उनकी प्रतिभा को बढ़ाना है। इसके तहत विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन और विधि जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया है। यह योजना प्रतिभावान विद्यार्थियों को मासिक स्कॉलरशिप के रूप में आर्थिक मदद दे कर सहयोग देती है। इस योजना में बेसिक साइंस, सामाजिक विज्ञान और वाणिज्य के पाठ्यक्रमों के लिए पीएचडी स्तर तक सहायता प्रदान की जाती है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों जैसे इंजीनियरिंग, चिकित्सा विज्ञान, प्रबंधन एवं विधि के लिए पीजी स्तर तक सहायता दी जाती है। एनसीईआरटी द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन कक्षा 8 स्तर पर किया जाता है।

स्कॉलरशिप

परीक्षा आयोजन के आधार पर कक्षा 8 की परीक्षाओं के लिए बैठे छात्रों के प्रत्येक समूह के लिए 1000 स्कॉलरशिप दी जाती हैं।

स्कॉलरशिप की राशि प्रत्येक माह 500 रुपए होती है। अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए 7.5 प्रतिशत और विकलांग छात्रों के लिए 3 प्रतिशत स्कॉलरशिप आरक्षित होती है। स्कॉलरशिप का भुगतान सीधे प्राप्तकर्ता को न देकर संबद्ध संस्थान के प्रमुख के माध्यम से दिया जाता है।

चयन प्रक्रिया

प्रतिभाओं की पहचान दो स्तरीय लिखित परीक्षा के आधार पर की जाती है। प्रथम स्तर का चयन अलग-अलग राज्य/यूनियन टेरेटरीज द्वारा लिखित परीक्षा के माध्यम से किया जाता है। प्रथम स्तर की परीक्षा में सफल अभ्यर्थी ही एनसीईआरटी द्वारा संचालित द्वितीय स्तर की परीक्षा में भाग लेने के लिए पात्र माने जाते हैं। राज्य और यूनियन टेरेटरीज राष्टीय प्रतिभा खोज योजना की प्रथम स्तर की लिखित परीक्षा के साथ राष्टीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना की भी परीक्षा आयोजित करते हैं।

पात्रता

मान्यताप्राप्त विद्यालयों के 8वीं कक्षा में अध्ययनरत विद्यार्थी उस राज्य/यूनियन टेरेटरी द्वारा संचालित प्रथम स्तर की परीक्षा में बैठने के पात्र होते हैं, जिस राज्य में विद्यालय स्थित है।

आवेदन प्रपत्र

आवेदन-प्रपत्र प्राप्त करने के लिये राज्य संपर्क अधिकारी से संपर्क करें। आवेदन-प्रपत्र एनसीईआरटी की वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। भरे हुए आवेदन प्रपत्र विद्यालय के प्राचार्य द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिए। आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि तथा प्रपत्र कहां जमा कराया जायेगा, इस संबंध में संबंधित राज्य/संघ राज्य-क्षेत्र के संपर्क अधिकारी से पता किया जा सकता है। विभिन्न राज्यों की आवेदन प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथियां भिन्न हो सकती हैं।

शुल्क

एनसीईआरटी द्वारा द्वितीय स्तर की परीक्षा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता। राज्य और यूनियन टेरेटरी प्रथम परीक्षा के लिए अपेक्षित शुल्क के भुगतान के लिए अधिसूचना जारी कर सकते हैं। इसलिये आवेदन प्रपत्र जमा करने से पहले कितनी और कैसे फीस दी जायेगी, इसका पता अपने राज्य संपर्क अधिकारी से लगा लेना चाहिए।

परीक्षा माध्यम

परीक्षा हिन्दी व अंग्रेजी के साथ असमी, बंगला, गुजराती, कन्नड़, मराठी, मलयालम, उड़िया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, उर्दू में संचालित की जाएगी। अभ्यर्थी आवेदन प्रपत्र में जिस भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उस विकल्प का उल्लेख करें। इसके आधार पर ही अभ्यर्थी को उस भाषा में प्रश्न पुस्तिका उपलब्ध कराई जाएगी।

परीक्षा-विधि

8वीं के लिए लिखित परीक्षा की विधि इस प्रकार है :- प्रथम स्तर की राज्य/ यूनियन टेरेटरी स्तर पर संचालित परीक्षा में दो भाग होंगे (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी)। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे। द्वितीय स्तर की राष्टीय स्तर पर संचालित परीक्षा में (अ) मानसिक योग्यता परीक्षण (एमएटी) और (ब) शैक्षिक योग्यता परीक्षण (एसएटी) शामिल होंगे। इनमें सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित विषय शामिल होंगे।। (स) इंटरव्यू - इंटरव्यू के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को आमंत्रित किया जाएगा, जिन्होंने राष्टीय स्तर पर संचालित लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

लिखित परीक्षा

लिखित परीक्षा में प्रथम भाग एमएटी और द्वितीय भाग एसएटी शामिल होंगे। दोनों परीक्षाएं एक छोटे से अंतराल पर अलग-अलग ली जाएंगी। मानसिक योग्यता परीक्षा-एमएटी - चार विकल्पों सहित इसमें 90 मल्टीच्वॉइस प्रश्न होंगे, जिनमें से केवल एक सही उत्तर होगा। प्रत्येक प्रश्न एक अंक का होगा। समय 90 मिनट होगा।

स्कॉलरशिप पाने की सामान्य शर्तें

स्कॉलरशिप प्राप्त करने के लिए यह जरूरी है कि उम्मीदवार अनुमोदित पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत हो। वह अच्छा आचरण बनाए रखता हो (संस्थान प्रमुख द्वारा प्रमाणित) और अपना अध्ययन एक नियमित विद्यार्थी के रूप में कर रहा हो। बिना उचित अवकाश के अनुपस्थित न होता हो। पूर्णकालिक आधार पर अध्ययन करता हो। कोई रोजगार नहीं करता हो। राष्टीय प्रतिभा खोज योजना पीएचडी कोर्स को छोड़ कर छात्रवृति प्राप्तकत्ताओं को कोई अन्य स्कॉलरशिप स्वीकार करने से वंचित नहीं करती, अलबत्ता किसी भी पाठ्यक्रम के लिए विदेश में अध्ययन के लिए कोई स्कॉलरशिप उपलब्ध नहीं होगी। यदि कोई प्राप्तकर्ता पंजीकरण/प्रवेश के एक माह के अंदर अपने पाठ्यक्रम का अध्ययन छोड़ता है तो उसे कोई स्कॉलरशिप नहीं दी जाएगी।

नाजुक तेरे लब

सुन्दरता स्त्रियों को प्रकृति की दी हुई अनुपम भेट है। हर ऋतु में अपनी सुन्दरता को संभाल कर रखना हर स्त्री का धर्म है। अपने अनुपम अंगों की सही देखभाल करना स्त्री की सचेतना को दर्शाता है। विशेषकर शीत ऋतु में ठंडी हवाओं के चलते हुए हमें अपने खुले अंगों पर विशेष ध्यान देना चाहिए क्योंकि ठंडी हवाएँ खुले अंगों की त्वचा को खुरदरा व सिकुडा हुआ बना देती है और त्वचा फटनी शुरू हो जाती है।

खुले अंगों में से होंठ सबसे अधिक नाजुक होते हैं और शीघ्र फट जाते हैं। इनके फटने से या सिकुड़ने से चेहरे की सुन्दरता पर बुरा प्रभाव पड़ता है। सुन्दर होठ चेहरे की शान होते हैं, इसलिए इनको फटने और सिकुड़ने से बचा कर रखना चाहिए।

- फटे हुए होंठ पीड़ादायक होते हैं और कभी-कभी अधिक फटने से उनमें खून रिसना शुरू हो जाता है। कई बार होठों पर जख्म बन जाते हैं जो देखने में बहुत गंदे लगते हैं। खिले-खिले होंठ सबको अच्छे लगते हैं। उनको खिला-खिला रखने के लिए सर्दियों में विशेष ध्यान देना चाहिए।
- खाना खाने के पश्चात दाँतों और होठों को अच्छी तरह से साफ करना चाहिए। अधिक जोर से होठों को न रगड़ें।
- होठों पर पपड़ी जमने पर उन्हें खींच कर मत निकालें। उन पर माइश्चराइजर या मलाई आदि धीरे-धीरे लगायें और कुछ समय के लिए छोड़ दें।
- नहाने से पूर्व नियमित नाभी में तेल लगायें। ऐसा नियमित करने से होंठ फटेंगे नहीं।
- होठों पर जैतून के तेल की या कोल्ड क्रीम की हल्की मालिश करें। उससे होठों की खुश्की से बचा कर रख सकते हैं।
- लिपस्टिक लगाने से पूर्व होठों पर माइश्चराइजर लगायें। बाहर जाते समय लिपिस्टिक लगा कर ठंड से होठों की सुरक्षा कर सकते हैं। ध्यान रखें रात्रि में सोते समय लिपस्टिक साफ कर के सोयें। बाद में होठों पर मलाई से हल्की मालिश कर लें।
- कच्चे दूध में केसर मिला कर नियमित होठों पर लगाने से होंठ गुलाबी बने रह सकते हैं।
- हो सके तो लिपस्टिक लगाने के बाद होठों पर लिप ग्लास लगा लें। इससे होठों में अधिक चमक आती है और लिपस्टिक जल्दी नहीं छूटती।
- उचित आहार पर अवश्य ध्यान दें।
- अधिक ठंडे और गर्म पेय पदार्थो का सेवन न करें। थोड़ी सी अतिरिक्त देखरेख से आप अपने होठों को सुंदर और गुलाबी रख सकती हैं। सर्दियों की हवा ठंडी और शुष्क होती है, इसलिए इन्हें आवश्यकता होती है अधिक देखभाल की।

इन्हें भी आजमाइए

- रसदार सब्जी बनाते समय यदि धीमी आंच पर बर्तन को ढंक कर पकाएं तो यह ज्यादा स्वादिष्ट और पौष्टिक बनेगी और मसालों की सुगंध भी नहीं बिगड़ेगी।
- यदि टमाटर छीलने हों तो कुछ देर के लिए गर्म पानी में डालकर छीलें। छिलका आराम से उतर जाएगा।
- प्याज काटते समय उसका असर आंखों में कम हो, इसके लिए प्याज छील कर कुछ देर के लिए पानी में डाल दें।
- नींबू सूख गए हों तो उन्हें थोड़ी देर के लिए गर्म पानी में डाल दें। रस निकल आएगा।
- नींबुओं को अधिक समय तक ताजा और रसदार रखने के लिए इन्हें राख में दबाकर रखें।
- हरा धनिया मुरझाने पर गिलास में थोड़े गर्म पानी में धनिए की डंडियां करीब एक घंटे के लिए डुबो देने से ताजा हो जाता है।
- आलू के चिप्स बनाते समय पानी में चुटकी भर फिटकरी डाल दें, चिप्स बिल्कुल सफेद बनेंगे।
- हरी सब्जियों को जल्दी सूखने से बचाने के लिए इन्हें टोकरियों में खुला रखने की बजाय अलग-अलग पॉली-थीन बैग में बंद करके रखें।
- पकौड़े अधिक कुरकुरे और खस्ता बनाने के लिए बेसन में थोड़ा-सा पिसा हुआ चावल का आटा मिला दें।
- सब्जियां बनाते समय उनमें पानी गर्म ही डालें तो सब्जियां जल्दी पकेंगी।

खुशी से मिले कामयाबी

हर चीज को देखने का अलग-अलग नजरिया होता है। हम अपनी हार व सामने वाले की जीत को किस नजरिए से देखते है। यह हमारी सोच पर निर्भर करता है। कुछ लोगों के मन में सफल व्यक्ति को देखकर ईर्ष्या की भावना पैदा होती है। तो कुछ उसे प्रतियोगी समझ कर उससे और आगे बढ़ना चाहते है। जलन या ईर्ष्या में हम दूसरों की उन्नति को देखकर बहुत दुखी होते है। ईर्ष्या करने से हमारे अंदर हीन भावना आती है। जबकि प्रतियोगिता में हमें सामने वाले से मेहनत करके आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। स्वस्थ प्रतियोगिता में कई बार प्रतिभागी ही एक दूसरे की मदद करते हैं। जबकि उन्हें पता होता है कि हमारी यह मदद सामने वाले को हमारे बराबर या हमसे आगे निकाल सकती है। यूंकि यह स्वस्थ प्रतियोगिता है। इसलिए हम इसमें एक-दूसरे की मदद करके भी आगे बढ़ते है। ईर्ष्यालु व्यक्ति तो कई बार मदद करने की बजाय काम ही बिगाड़ देते है। ताकि सामने वाला पिछड़ जाए। इस तरह की भावना रखने वाले लोग कभी स्वस्थ प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकते। यह एक अस्वस्थ प्रतियोगिता है। सही प्रतियोगिता तो तभी होती है। जब दोनो ही प्रतिभागियों का विकास हो, लेकिन जब एक व्यक्ति ही आगे बढ़ता हैं। और दूसरा उससे ईर्ष्या करके हीन भावना से ग्रस्त हो जाता है। तो उसका दिमाग कुछ और नहीं कर पाता। उसकी पूरी ऊर्जा जलने में ही लगी रहती हैं। ईर्ष्या में उसकी उन्नति पूरी तरह समाप्त हो जाती हैं। वह अपना ध्यान अपने पर न देकर दूसरों पर ही लगाए रहता है। जिससे ईर्ष्याग्रस्त व्यक्ति अपने लिए कुछ नहीं कर पाता। दूसरों की सफलता से ईर्ष्या करने की वजाय यदि हम अपने मन में एक बात ठान लें कि जीतने वाले कोई अलग काम नहीं करते बल्कि वे हर काम अलग ढंग से करते है। बस, हमें उसी ढंग को समझना है। चूंकि दूसरों की अच्छाई को अपनाने में कोई बुराई नहीं होती इसलिए सामने वाले से जितना हो सके उतना सीखने की कोशिश करें ताकि आपकी जानकारी बढ़े और आप प्रगति करें।

सब्जी टिक्की

सामग्री : 250 ग्राम उबले हुए आलू, 150 ग्राम कॉर्नफ्लोर, 50 ग्राम गाजर बारीक कटे हुए, 50 ग्राम हरे मटर उबले हुए, 50 ग्राम फूलगोभी बारीक कटी हुई, 1 टीस्पून जीरा, 1 टीस्पून राई, 1 टीस्पून साबुत धनिया, आधा-आधा टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, आधा टीस्पून अमचूर, आधा टीस्पून सफेद तिल, 1 टीस्पून शक्कर, चुटकीभर हल्दी पाउडर, नमक स्वादानुसार।

विधि : आलू को अच्छी तरह मैश करके उसमें कॉर्नफ्लोर मिला लें और छोटी-छोटी लोई बनाकर रख दें। एक पैन में थोड़ा तेल डालकर जीरा, राई धनि.I और करीपत्ते का तड़का लगाएं और उसमें सभी बारीक कटी सब्जियां और थोड़ा-सा पानी डालकर पकाएं। जब सब्जियां पक जाएं तो उसमें मिर्च पाउडर, अमचूर, शक्कर, सफेद तिल और स्वादानुसार नमक मिलाएं। आंच पर से उतारकर ठंडा होने दें। आलू की लोइयों में सब्जी वाला मिश्रण भरकर टिक्कियां बना लें और सुनहरा होने तक तलें।

सौंदर्य समस्याएं और प्रसाधन

- त्वचा का रंग निखारने के लिए नियमित फेस पैक स्क्रब लगाएं।
- आंखों के आसपास की लकीरों को दूर करने के लिए आंखों के आसपास सिनर्जी आई कंटूर जैल लगाएं।
- त्वचा के खुले रोम छिद्रों को दूर करने के लिए किसी भी बढ़िया कम्पनी का एस्ट्रींजैंट लोशन लगाएं।
- हाथों की त्वचा को नरम व मुलायम बनाए रखने के लिए बाडी लोशन या कोल्ड क्रीम का प्रयोग करें।
- हेयर स्टाइल को सैट करने के लिए हेयर स्प्रे का प्रयोग करें।

दाम्पत्य जीवन में शिष्टाचार

- सुखी दाम्पत्य के लिए अप्रिय स्थितियों से बचने के विकल्प खोजें, कार्यों में रूचि लें, पूर्वाग्रहों से मुक्ति पाएं, गुणों की सराहना करें, बातों को तूल न दें, अपने व्यवहार की समीक्षा करें, क्रोध पर काबू रखें।
- अपने जीवनसाथी की किसी से तुलना न करें। हर वक्त ताना देने, बुराई करने, दोष देने से जीवनसाथी कुंठित होता है। इससे बचें।
- दोनों एक साथ क्रोध न करें। एक दूसरे के साथ जोर-जोर से न बोलें, वाद-विवाद में जीत का श्रेय अपने साथी को दें।
- पत्नी की भावनाओं और सम्मान का ध्यान रखें। पति-पत्नी समय-समय पर एक-दूसरे की तारीफ करें तथा विशेष मौकों पर उपहार दें।
- किसी पार्टी, यात्रा के दौरान पति-पत्नी अपना व्यवहार संतुलित रखें। अन्यथा उपहास के पात्र बन सकते हैं।
- यदि पत्नी नौकरपेशा है, तो उसके कार्य में सहयोग करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-6-9

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय का लाभ लें। शुभांक-4-7-9

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-6-8

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभकार्यों में अड़चनें व परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-1-5-7

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-1-3-5

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-4-6-8

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
अपने काम पर नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-4-6-8

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। पारिवारिक विवाद टालें। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। यात्रा से लाभ। शुभांक-3-5-6

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतान-स्त्री पक्ष से लाभ होगा। शुभांक-3-4-6

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। आय के योग बनेंगे। यात्रा का योग है। शुभांक-3-5-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 1940

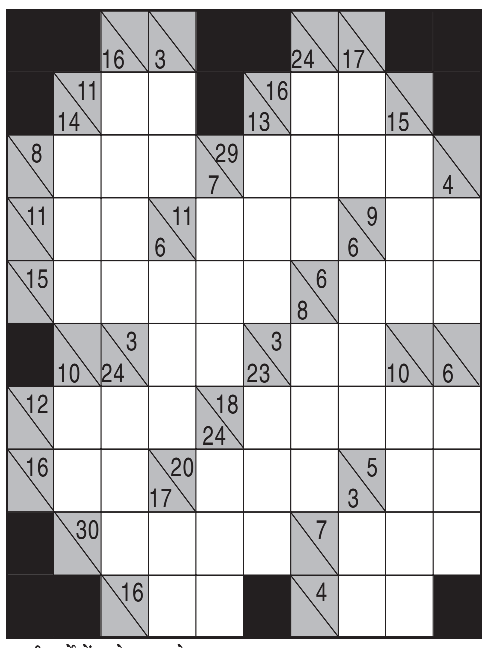

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

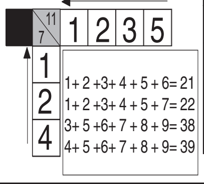

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1939 का हल

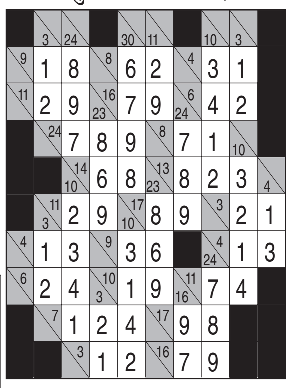

लॉफिंग जोन

एक चोर अदालत में अपनी गवाही देने खुद ही खड़ा हो गया। वहाँ खड़ा होकर जब वह अनाप-शनाप बकने लगा तो न्यायाधिश ने झुँझलाकर कहा- तुमको तो ठीक से झूठ भी नहीं बोलना आता।

चोर- तो मैं क्या करूँ महोदय।

न्यायाधिश- तुम एक वकील को अप्वाइंट क्यों नहीं कर लेते। ताकि तुम आसानी से झूठ बोल सको।

□ □ □

ब्यूटी-क्लीनिक पहुँची एक महिला डॉक्टर से बोली- मेरे चेहरे को और सुंदर बनाने के लिए क्या फीस लगेगी?

डॉक्टर साहब (गंभीर होकर बोले)- पाँच हजार पाँच सौ रुपए।

निराश होकर महिला बोली- इससे सस्ता कोई उपाय नहीं है क्या? सुझाइए न!

डॉक्टर साहन ने सलाह दी- इससे सस्ता उपाय भी है...। आप बस घूँघट काढ़ना शुरू कर दीजिए।

□ □ □

प्रेमी (प्रेमिका से)- क्या तुम जानती हो, संगीत में इतनी शक्ति है कि उससे पानी भी गरम हो सकता है।

प्रेमिका- हाँ हाँ क्यों नहीं! तुम्हारा गाना सुन कर मेरा खून खौल सकता है, तो फिर पानी क्यों नहीं?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1940

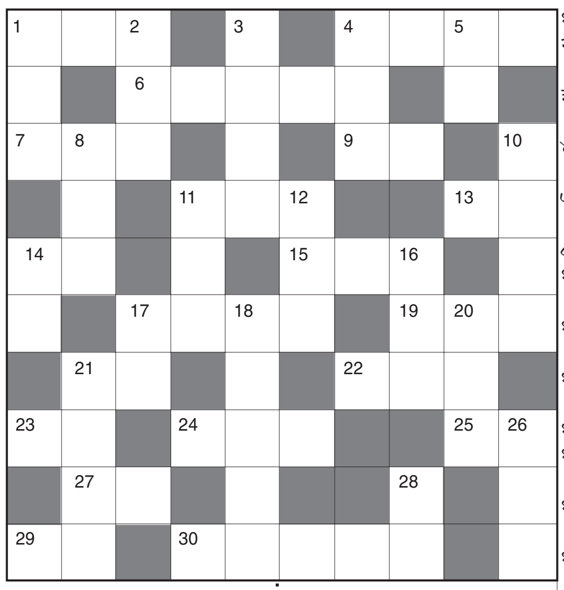

बायें से दायें:-

१. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'राजी राजी मैं हूँ राजी' गीत वाली फिल्म-३
४. 'उनके खयाल आये तो' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
६. मिथुन, मधु की 'हुस्न वालों से ये दिल बचाये' गीत वाली फिल्म-५
७. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी देओल, सोहेल, सुनील शेट्टी, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
९. अमिताभ, ऋतिक रोशन, प्रीति जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
१३. अनिलकपूर, माधुरी दीक्षित की 'एक बात मान लो तुम' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'साँसों का चलना' गीत वाली सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की फिल्म-२
१५. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'तूने ओ रंगीले ऐसा' गीत वाली राजकुमार, विनोद, प्रिया की फिल्म-४
१९. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की 'आँखें भी होती' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली अमिताभ, जया भादुड़ी की फिल्म-२
२२. फिल्म 'इश्क इश्क इश्क' में देव आनंद के साथ नायिका कौन थी-३
२३. 'फूलों से जो खुशबू आये' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म-२
२४. फिल्म 'हुतूतू' में नायक कौन था-३
२५. 'मेरा मन क्यों तुझे चाहे' गीत वाली आमिर खान, मनीषा की फिल्म-२
२७. आमिर, टिवंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फारूख शेख, पूनम ढिल्लों कीफिल्म-२
३०. आमिताभ, रजनीकांत, माधवी की 'रोते रोते हँसना' गीतवाली फिल्म-२,३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीपकुमार, नर्गिस एक की फिल्म-३
२. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'तेरी ऑखों का दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'पी कर शंकर जी की बूटी' गीत वाली ऋषिकपूर, नीलम की फिल्म-४
४. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीना की 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'अपनी चाहतों पे काबू' गीत वाली जॉन अब्राहम, उदिता की फिल्म-२
८. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३
१०. 'मैं तेरे मन की मैना' गीत वाली अजय देवगन, काजोल की फिल्म-४
११. अमोल पालेकर, रंजीता की 'नाचो गाओ मौज' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'मेरे यार ये दिन हो' गीत वाली शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की फिल्म-३
१४. 'रोज रोज आँखों तले' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'हर गोरी रानी' गीत वाली वहीदा, अमिताभ, जीनत, परवीन की फिल्म-३
१७. अमिताभ, रति, वहीदा की 'दोनों जवानी की मस्ती में' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'कई बार यूं भी देखा है' गीत वाली अमोल पालेकर, विद्या की फिल्म-५
२०. नसीरूद्दीनशाह, स्मिता पाटिल, नताशा की १९८२ की एक फिल्म-३
२१. 'ओ रात के' गीत वाली किशोर कुमार, मीनाकुमारी की फिल्म-२,२
२६.अमिताभ, संजीव, हेमा, शर्मिला की फिल्म-३
२८. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अक्षयकुमार, टिवंकल खन्ना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1939

ब्लै	क	मे	ल		जं		बे	व	फा
क		ला	ल	बं	ग	ला		जू	
	ही		का		ली		ग	द	र
मे	रा	ध	र	म		रा	ज		फ्ता
हं		र्मा		ह	वा		ब	हा	र
दी	दी		दि	ल	दा	र		सि	
	दा	मु	ल			मा	ई	ल	व
सु	र		से	ह	रा				फा
हा		य		व		ज	या	प्र	दा
ग	र्दि	श		स	त्या		दें		र

सूडोकु -1940

3	9			1	4			2
1	2		6		3		5	
		5		8	7			9
	7			6	9			8
2	1			5			4	6
4			3	2			9	
9			8	4		5		
	6		9		5		2	4
8			1	7			6	3

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1939 का हल

6	9	2	3	7	4	5	8	1
3	8	5	6	2	1	7	4	9
7	4	1	8	9	5	6	2	3
2	3	9	5	4	6	8	1	7
1	7	4	9	8	3	2	6	5
5	6	8	7	1	2	9	3	4
4	5	7	1	6	8	3	9	2
8	2	3	4	5	9	1	7	6
9	1	6	2	3	7	4	5	8

शब्द पहेली - 1940

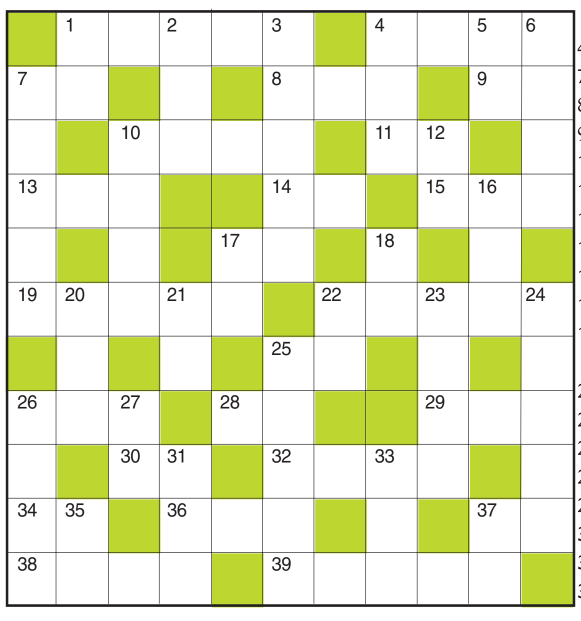

बाएँ से दाएँ

1.राजीव गांधी की पत्नी का नाम-3,2
4.उदारता,बडप्पन-4
7.भोजन,खाद्य पदार्थ-2
8.प्रहरी,रक्षा करने वाला-3
9.अपशिष्ट पदार्थ-2
10.कामदेव,चंद्रमा-4
11.नाड़ी,नस-2
13.जबरन,जबरदस्ती-3
14.वायदा,वचन-2
15.भवन,आलय-3
17.आर्ट,हुनर-2
19.ख्वाबगाह, आरामगाह, सोने का कमरा-5
22.उद्देश्यहीनता-5
25.परिणाम-2
26.अंजन,नेत्रांजन-3
28.सांझ,संध्या-2
29.अधीन-3
30.निश्चित-2
32.निष्ठावान,सत्तानिष्ठ-4
34.बेइमान,सेंधमार-2
36.दाम,मूल्य-3
37.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
38.मुस्लिम कैलेंडर का एक महीना-4
39.अश्रु,आंसू-5

ऊपर से नीचे

1.स्वर्ण,कनक-2
2.गुजर करना-3
3.धैर्यवान-3,2
4.राशिचक्र की एक राशि-3
5.आंशिक भीगा हुआ-2
6.सामंजस्य-4
7.यायावर,बंजारा-5
10.चुनाव,वोटिंग-4
12.दुख,कष्ट-2
16.यज्ञ,होम-3
17.कमरा,रूम-2
18.उम्मीद,आस-2
20.जुड़वा-3
21.प्याला-2
22.हृदय,हार्ट-2
23.निकृष्टतर-4
24.बलवान,दमदार-5
25.स्वदेशवासी-5
26.आलसी,निठल्ली-4
27.बुरी आदत-2
31.भरोसा,विश्वास-3
33.आंचल,पल्लू-3
35.अंग्रेजी शराब का एक प्रकार-2
37.समय, वक्त-2

शब्द पहेली - 1939 का हल

आ	ला	क	मा	न			क	मी	ज	
रा	ल		न		श	प	थ		मा	मा
म			ध	नि	क		न			लि
दे	ह	दा	न			अ		ल	ल	क
ह		खि		बे	शु	मा	र		ह	
	सा	ल		ल		न		सु	र	
	हि		ब	गा	व	त		र		हा
ज	ल	न		म			अ	भि	मा	नि
ग			चु		रा	ज	न			का
त	र		ना	ह	क		ब		चा	र
	ब	हा	व			म	न	मो	ह	क

कांग्रेस को अपनी संगठनात्मक शक्ति को बढ़ाना होगा: खरगे

एजेंसी

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में नव सत्याग्रह की शुरुआत हो गई। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उद्घाटन भाषण में कहा कि हमें अपनी संगठनात्मक शक्ति को बढ़ाना होगा। हमारे समर्थक जानना चाहते हैं कि हम अपने आप को शक्तिशाली बनाने के लिए क्या करने वाले हैं? वैसे लोग जो हमारे समर्थक नहीं है परन्तु केंद्र सरकार से अपनी उम्मीद खो बैठे हैं, वो भी जानना चाहते हैं कि हम कैसे अपने आप को मजबूत बनाएंगे।बैठक शुरू होने से पहले मल्लिकार्जुन खरगे ने झंडोत्तोलन किया। उससे पहले पार्टी अध्यक्ष के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं ने मार्च किया। खरगे ने बैठक में शामिल पदाधिकारियों और नेताओं का स्वागत करते हुए कहा कि आज कांग्रेस के इतिहास में बहुत सुनहरा दिन है। गांधी जी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के सौवें वर्ष पर बेलगावी (बेलगांव) में महात्मा गांधी नगर में ऐतिहासिक नव सत्याग्रह बैठक हो रही है। 100 साल पहले यहीं 26 दिसंबर 1924 को 3 बजे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे पहले मौलाना मुहम्मद अली जौहर कांग्रेस अध्यक्ष थे। इस मौके पर सेवादल के संस्थापक डा. एनएस हार्डिकर को याद कर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। यहीं से कांग्रेस के इतिहास में रोज सुबह राष्ट्रीय ध्वज समारोह पूर्वक फहराने और शाम को उतारने का सिलसिला आरंभ हुआ।

हरियाणा और महाराष्ट्र के बाद अब दिल्ली चुनाव में भी सक्रिय हुआ संघ

नागपुर/नई दिल्ली। हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए सफलता का मार्ग प्रशस्त करने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अब दिल्ली में भी मोर्चा सम्भाल लिया है। इसके चलते स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गयी है। देशभर के कई राज्यों में चुनावी सफलता के झंडे गाड़ने वाली भाजपा बीते करीब ढाई दशक से दिल्ली की सत्ता से महरूम है। पहले कांग्रेस की शीला दीक्षित और बाद में आम आदमी पार्टी के अरविंद केजरीवाल का जादू दिल्ली पर ऐसा चला कि भाजपा हाथ मलते रह गई, लेकिन इस बार दिल्ली विधानसभा का चुनाव कुछ अलग होने वाला है। क्योंकि अब संघ के स्वयंसेवक सक्रिय हो चुके हैं। संघ के सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार संघ दिल्ली में भी सक्रिय हो चुका है। संगठन पूरी दिल्ली में हजारों छोटी-छोटी बैठकें कर लोगों को विकास के मुद्दे पर जागृत करेगा और एक राष्ट्रवादी सरकार के गठन के लिए लोगों को वोट करने के लिए प्रेरित करेगा। संघ और भाजपा के शीर्ष पदाधिकारियों के बीच पार्टी कार्यालय में हुई एक बैठक में इसका खाका तैयार कर लिया गया है। इससे पूर्व, हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों के दौरान भी संघ ने इस तरह कि रणनीति आजमाई थी जो बहुत सफल रही थी। अब दिल्ली में भी उसी तरह प्रयोग किया जा रहा है।

लालू यादव राजनीतिक नजरबंद, सुर्खियों में बने रहने के लिए दे रहे बयान - नीरज कुमार

पटना। बिहार की राजधानी पटना में बीपीएससी अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज को लेकर राजद प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव के प्रदेश सरकार को घेरने पर जनता दल (यूनाइटेड) प्रवक्ता नीरज कुमार ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि लालू यादव को उनकी पार्टी ने ही राजनीतिक नजरबंद कर दिया है, इसलिए वह सुर्खियों में बने रहने के लिए ऐसा बोल रहे हैं। बीपीएससी अभ्यर्थियों पर हुए लाठी चार्ज को गलत बताते हुए लालू यादव ने भाजपा को घेरा। इसपर जदयू नेता नीरज कुमार ने कहा, लालू यादव राजनीतिक रूप से नजरबंद हैं। वह राजनीतिक बयान देकर मीडिया में स्थान बनाना चाहते हैं, जब परिवार ने ही उनको नकार दिया है तो बीपीएससी अभ्यर्थी उनकी कहां सुनेंगे। नीरज कुमार ने कांग्रेस के ईवीएम पर सवाल उठाने को गलत बताने पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) नेता सुप्रिया सुले का समर्थन किया। उन्होंने कहा, देश के अंदर राजनीतिक ईर्ष्या की बुनियाद पर राजनीति की दिशा तय होती है, वे जहां पर चुनाव जीत जाते हैं, वहां पर ईवीएम सही और जहां हार जाते हैं, वहां पर गलत हो जाती है। जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के मुख्यमंत्री बन जाने के बाद इंडी गठबंधन के बहुत सारे नेता परेशानी की हालत में हैं, इसलिए वे ईवीएम पर आरोप लगा रहे हैं।

संभल में नए कूपों के मिलने को प्रमोद कृष्णम ने चमत्कार बताया

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के संभल में मिल रहे नए कूपों को लेकर पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि भगवान के अवतार से पहले ऐसे चमत्कार होते हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा, एक प्रामाणिक और ऐतिहासिक भगवान श्री कल्कि का अवतार संभल में होगा। जब अवतार होता है तो ऐसे चमत्कार भी होते हैं। नए-नए कूप और बावड़ी मिल रही हैं। अभी जितनी खुदाई होगी, ऐसी चीजें और मिलेंगी। भगवान के आने से पहले उनके इशारे को समझने की जरूरत है। इस चमत्कार को वो अंधे नहीं समझ पा रहे हैं, जिन्होंने अपनी आंखों में पट्टी बांध रखी है। पूरी दुनिया भगवान की प्रतीक्षा में है। जब से संभल में पीएम मोदी के कदम पड़े हैं और कल्कि धाम का शिलान्यास हुआ है, पूरी दुनिया संभल-संभल बोल रही है।प्रमोद कृष्णम ने कहा, नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना भारत के लिए शुभ है। भारत ने पूरी दुनिया में अपनी धाक पैदा की है। उन्होंने कल्कि धाम शिलान्यास किया किया तो जो सदियों बाद अवतार होना था और अब ऐसा लगने लगा है।

युवाओं के कारण विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की सफलता सुनिश्चित है : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय युवाओं के साहस और सामर्थ्य की सराहना करते हुए कहा कि आज के युवाओं के सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि युवाओं के कारण विकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत की सफलता सुनिश्चित है। प्रधानमंत्री नई दिल्ली के भारत मंडपम में वीर बाल दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने इस दौरान 'सुपोषित ग्राम पंचायत अभियान' का शुभारंभ भी किया। इसका उद्देश्य पोषण संबंधी सेवाओं के कार्यान्वयन को मजबूत करके और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी सुनिश्चित करके पोषण संबंधी परिणामों और कल्याण में सुधार करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के दौरान ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) के विजेता बच्चों से भी बातचीत की।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं को

भविष्योन्मुखी बनाने की जरूरत पर बल दिया और कहा कि युवा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रहें। प्रधानमंत्री ने देश की आजादी के समय युवाओं की भूमिका से लेकर मौजूदा समय में विदेशी कंपनियों के शीर्ष पर भारतीयों के काबिज होने का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा, आज के युवाओं के सामने विकसित भारत का लक्ष्य है। इस दशक में हमें अगले 25 वर्षों के तेज विकास की नींव रखनी है, इसलिए भारत के युवाओं को अधिक से अधिक इस समय का लाभ उठाना होगा। हर सेक्टर में स्वयं भी आगे बढ़ना है और देश को भी आगे बढ़ाना है। प्रधानमंत्री ने लाल किले से दिये अपने भाषण का जिक्र करते हुए देश में गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि के एक लाख युवाओं को राजनीति में लाने का संकल्प दोहराया। उन्होंने अगले 25 सालों के लिए इस शुरुआत को बेहद महत्वपूर्ण करार दिया। उन्होंने युवाओं से इस अभियान का हिस्सा बनने की अपील करते हुए कहा कि देश की राजनीति में एक नवीन पीढ़ी के उदय के लिए यह आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का भी आयोजन होगा। देशभर के लाखों युवा इसका हिस्सा बनेंगे। इसमें विकसित भारत के विजन पर चर्चा होगी।

देवभूमि को रोशन करने निकली 38वें राष्ट्रीय खेल की मशाल तेजस्विनी

एजेंसी

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल की ऊर्जा और उमंग से देवभूमि को रोशन करने के लिए खेल मशाल तेजस्विनी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और खेल मंत्री रेखा आर्या ने झंडी दिखाकर रवाना किया। यह मशाल 33 दिन में राज्य के 13 जिलों में 3823 किलोमीटर की यात्रा कर खेलों के उद्घाटन की पूर्व संध्या पर देहरादून पहुंचेगी।

इस मौके पर गौलापार स्टेडियम के बैडमिंटन काम्प्लेक्स में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खिलाड़ियों से इन खेलों में बेहतर प्रदर्शन करने का आह्वान किया। खेल मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि आज से राष्ट्रीय खेलों के औपचारिक आयोजन शुरू हो रहे हैं और खिलाड़ियों को जीत के अपने संकल्प को इतना मजबूत करना होगा कि वह शिखर तक पहुंच सकें। इस मौके पर खेल मंत्री रेखा आर्या ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आप इन खेलों में इतिहास बदल दीजिए, हमें टाप 5 में आना है । उन्होंने कहा कि अगर आप ऐसा कर सके तो आप आने वाली पीढ़ी के लिए आदर्श बन जाएंगे। आपकी देखादेखी प्रदेश में हजारों खिलाड़ियों की फौज तैयार होगी। खेल मंत्री ने कहा कि सरकार ने खेल को कैरियर बनाने के लिए युवाओं के खातिर सारे रास्ते खोल दिए हैं। सरकार की योजनाएं न सिर्फ खिलाड़ियों को तैयार करने में बचपन से उनकी मदद कर रही है बल्कि पदक जीतने पर अब उनका करियर बनाने की गारंटी भी सरकार की है। उन्होंने कहा कि अगले 33 दिन खेल मशाल तेजस्विनी 3823 किलोमीटर के सफर में प्रदेश के सभी 13 जिलों से होकर गुजरेगी और खेल उद्घाटन की पूर्व संध्या पर देहरादून पहुंचेगी।

कश्मीर में भीषण शीतलहर, रात के तापमान में गिरावट से पानी की आपूर्ति लाइनें जमीं

एजेंसी

श्रीनगर। कश्मीर में भीषण शीतलहर की स्थिति बनी हुई है, क्योंकि न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से कई डिग्री नीचे चला गया है। शुक्रवार और शनिवार को ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी की संभावना है, क्योंकि पश्चिमी विक्षोभ इस क्षेत्र को प्रभावित करने वाला है। कश्मीर में अधिकांश स्थानों पर रात के तापमान में गिरावट आई है। पारे में गिरावट के कारण पानी की आपूर्ति लाइनें जम गई हैं । डल झील सहित कई जल निकायों की सतह पर बर्फ की एक पतली परत जम गई है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि श्रीनगर में बुधवार रात को न्यूनतम तापमान शून्य से 7 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया, जो पिछली रात के शून्य से 7.3 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान से थोड़ा ऊपर है। उत्तरी कश्मीर में स्कीइंग गतिविधियों के लिए मशहूर पर्यटक रिसॉर्ट शहर गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछली रात माइनस 6.6 डिग्री सेल्सियस था। दक्षिण कश्मीर में वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए आधार शिविर पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछली रात के माइनस 8.4 डिग्री सेल्सियस से थोड़ा कम है। कश्मीर

के प्रवेश द्वार काजीगुंड में न्यूनतम तापमान माइनस 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पंपोर क्षेत्र का एक छोटा सा गांव कोनीबल माइनस 9 डिग्री सेल्सियस के साथ घाटी में सबसे ठंडा स्थान रहा। उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में न्यूनतम तापमान माइनस 6.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दक्षिण कश्मीर के कोकरनाग में माइनस 5.5 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग ने कहा है कि शनिवार दोपहर तक एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर को प्रभावित करेगा। इस वजह से शुक्रवार की दोपहर से लेकर अगले दिन सुबह तक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी होने की संभावना है। 29, 30 और 31 दिसंबर को मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा, जबकि 1-4 जनवरी तक कश्मीर में अलग-अलग स्थानों पर हल्की बर्फबारी संभव है। कश्मीर में 21 दिसंबर से शुरू हुआ चिल्लई-कलां चरम पर है, जिसे सर्दियों का सबसे कठोर समय माना जाता है। चिल्लई-कलां के 40 दिनों के दौरान बर्फबारी की संभावना सबसे अधिक होती है और तापमान काफी गिर जाता है। यह अगले साल 30 जनवरी को समाप्त होगा।

संभल के सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर बिजली चोरी के मामले की जांच शुरू

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में संभल लोकसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के सांसद जियाउर्रहमान बर्क और उनके दादा पूर्व सांसद दिवंगत डॉ. शफीकुर्रहमान बर्क के घर पर लगे बिजली मीटरों की जांच विद्युत परीक्षण शाला में प्रारंभ हो गई। बिजली विभाग की ओर से दोनों मीटरों के नाम से नोटिस जारी किया गया था।

सप्ताह भर पहले सांसद जियाउर्रहमान बर्क के खिलाफ बिजली मीटर में गड़बड़ी और बिजली चोरी के आरोप में एफआईआर दर्ज की गयी थी। बिजली विभाग की टीम को धमकाने के आरोप में सांसद बर्क के पिता ममलूक उर्रहमान के खिलाफ भी प्राथमिकी दर्ज हुई थी। बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गुप्ता की तहरीर पर यह कार्रवाई की गई थी। अधीक्षण अभियंता विनोद कुमार गुप्ता ने बताया कि 19 दिसंबर को बिजली विभाग की एक टीम पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स के साथ सपा सांसद बर्क के आवास पर गई थी। सांसद बर्क और पूर्व सांसद के नाम से दो अलग-अलग मीटर लगे थे। जिनकी क्षमता दो-दो किलोवाट थी। टीम ने घर का लोड

और घर में लगे विद्युत उपकरणों को चेक किया था तो उसमें कई अनियमितताएं मिलीं।

सांसद के आवास के मीटर की रीडिंग, एसी, पंखे और अन्य बिजली उपकरणों के लोड की भी जांच की गयी। बिजली मीटर का लोड निर्धारित लोड से अधिक था। यह सीधे-सीधे बिजली चोरी का मामला था। अधीक्षण अभियंता ने कहा कि प्राथमिक जांच पड़ताल में मीटर यूनिट में गड़बड़ी मिली थी। उसके बाद दो-दो किलोवाट क्षमता के बिजली मीटरों को सील कर दिया गया था और और गड़बड़ी के आरोपों के चलते परीक्षण के लिए विद्युत परीक्षणशाला भेजा गया था। वहीं सांसद बर्क के घर में बिजली चोरी पकड़े जाने पर बिजली विभाग ने 1.91 करोड़ का जुर्माना लगाया था।

इन मीटरों की एमआरआई कराने पर गड़बड़ी पकड़ में आई थी। स्मार्ट मीटर लगाने के बाद इस्तेमाल किए जाने वाले भार की जानकारी हुई थी। सांसद बर्क को क्रमशः 20 एवं 23 दिसंबर को जांच के लिए पहले दो नोटिस भेजे गए थे। जिस पर कोई जवाब न आने के बाद अंतिम नोटिस 25 दिसंबर को भेजा गया था।

उसके बाद आज जांच प्रक्रिया प्रारंभ हो गई। जांच के दौरान सपा सांसद बर्क की ओर से उनके प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तेलुगु फिल्म जगत की हस्तियों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री से की मुलाकात, मंत्रिस्तरीय उपसमिति का गठन

एजेंसी

हैदराबाद। तेलुगु फिल्मी जगत की हस्तियों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से मुलाकात की। बंजारा हिल्स स्थित पुलिस कमांड कंट्रोल सेंटर में फिल्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एफडीसी) अध्यक्ष दिल राजू के नेतृत्व में फिल्मी जगत के 50 लोगों ने सीएम से मुलाकात की। संध्या थिएटर में भगदड़ और अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी के बाद इस बैठक का महत्व सामने आया है। सरकार की ओर से इस बैठक में उप मुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, मंत्री कोमती रेड्डी वेंकट रेड्डी, गृह सचिव रविगुप्ता, डीजीपी जितेंद्र, चिक्कडपल्ली एसीपी और डीसीपी भी शामिल हुए। इस दौरान फिल्मी हस्तियों ने सीएम से फिल्म उद्योग के विकास और अन्य मुद्दों पर चर्चा की। बैठक की शुरुआत में सीएम ने फिल्मी हस्तियों के सामने संध्या थिएटर में भगदड़ की घटना का वीडियो दिखाया। फिल्म उद्योग के विकास के साथ उद्योग की समस्याओं को फिल्मी हस्तियों ने

मुख्यमंत्री के संज्ञान में डाला। टिकट की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ ही बेनिफिट शो को रद्द करने के राज्य सरकार के फैसले पर चर्चा हुई है। राज्य सरकार के पुरस्कार, छोटी और मध्यम फिल्मों के लिए थिएटरों के आवंटन पर भी चर्चा हुई है। तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं पर हमला करने वाली फिल्मों के लिए प्रोत्साहन पर चर्चा की। सीएम ने फिल्मी हस्तियों को नशे के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम और लघु फिल्में बनाने के कई सुझाव दिए हैं। तेलंगाना सरकार ने फिल्म इंडस्ट्री की समस्याओं और मौजूदा हालात को देखते हुए एक अहम फैसला लिया। सीएम रेवंत रेड्डी ने कहा कि इसपर एक मंत्रिस्तरीय उप समिति का गठन किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिये। सीएम ने कहा कि मंत्रिस्तरीय उपसमिति फिल्म उद्योग के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करेगी। आने वाले दिनों में उद्योग के विकास के लिए उठाए जाने वाले कदम, अतिरिक्त शो के प्रबंधन के लिए दिशा-निर्देश और टिकट दरों में बढ़ोतरी पर रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपी जाएगी। राज्य सरकार तदनुसार कार्रवाई करेगी. सीएम के सुझाव के मद्देनजर कि फिल्म उद्योग को भी एक समिति बनानी चाहिए, उद्योग जगत के नेता अपने सुझावों को उप-समिति के ध्यान में लाएंगे और इस पर करवाई होगी। मुख्यमंत्री ने साफ तौर पर कह दिया है कि राज्य सरकार बेनिफिट शो के लिए भविष्य में कोई अनुमति नहीं देगी ।

इकोनॉमिक ग्रोथ के साथ नये रोजगार भी उपलब्ध कराएगा नये भारत का नया उत्तर प्रदेश: सीएम

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर रोजगार सृजन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस अवसर पर सीएम के समक्ष विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं संस्थान के प्रतिनिधियों ने रोजगार सृजन की संभावनाओं और योजनाओं का प्रस्तुतिकरण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अपने-अपने विभाग में ठोस कार्य योजना के अनुरुप रोजगार सृजन के निर्देश दिये। साथ वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के कार्यों को और गति देने के लिए विषय विशेषज्ञों का सहयोग भी लिया जाए। इससे नये भारत का नया उत्तर प्रदेश इकोनॉमिक ग्रोथ के साथ नये रोजगार के अवसर उपब्लध कराने में अहम भूमिका निभाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को उनकी योग्यता और कौशल के अनुसार समयबद्ध तरीके से रोजगार उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता में शामिल है। ऐसे में स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए ज्यादा से ज्यादा रोजगार के अवसर तैयार किये जाएं। उन्होंने अधिकारियों को युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रेरित करने के लिए कौशल विकास के कार्यक्रमों को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिये। प्रदेश सरकार उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनॉमी बनाने के लिए सेक्टरवाइज कार्य कर रही है। इसके लिए 10 सेक्टर में बांटकर कार्य किये जा रहे हैं। वहीं इन सेक्टर्स के साथ प्रदेश के सभी विभागों को इंटीग्रेट किया गया। इन कार्यों की समीक्षा हर तीन में मुख्यमंत्री जी द्वारा स्वयं की जाती है तथा हर माह संबंधित मंत्री द्वारा समीक्षा की जाती है। वहीं 15 दिन में विभाग के प्रशासनिक प्रमुख द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की जाती है।

वैदिक संस्कृति के ध्वज वाहक श्री शंभू पंचअग्नि अखाड़े का महाकुम्भ क्षेत्र में हुआ भव्य प्रवेश

एजेंसी

महाकुंभ नगर। महाकुम्भ नगर में भक्ति और अध्यात्म की धारा प्रवाहित हो रही है। एक एक करके महा कुम्भ क्षेत्र में सनातन धर्म के सभी 13 अखाड़ों का प्रवेश हो रहा है। संन्यासियों के तीसरे अखाड़े श्री शंभू पंच दशनाम अग्नि अखाड़े ने छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया। शहर के बीचों बीच से होकर गुजरी इस भव्य छावनी प्रवेश यात्रा का स्थानीय लोगों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया।

अग्नि अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा में दिखी वैदिक संस्कृति और प्रतीकों की झलक महा कुम्भ नगर में अखाड़ा सेक्टर में तीसरे संन्यासी अखाड़े का भी प्रवेश हो गया। श्री शंभू पंच अग्नि अखाड़े ने पूरी भव्यता के साथ छावनी क्षेत्र में प्रवेश किया । अनंत माधव स्थित अग्नि अखाड़े के

स्थानीय मुख्यालय से आरम्भ हुई इस भव्य छावनी प्रवेश यात्रा में वैदिक संस्कृति और प्रतीकों की झलक देखने को मिली। शंख ध्वनि और डमरू की थाप पर वैदिक मंत्रोच्चार ने यात्रा में वैदिक युग की अनुभूति प्रदान की। हाथी , घोड़े और ऊंट के काफिले पर सवार संतों के दर्शन के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा। अग्नि अखाड़े के राष्ट्रीय महामंत्री सोमेश्वरानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि प्रवेश यात्रा में पांच महामंडलेश्वर और आचार्य महामंडलेश्वर के अलावा अखाड़े के हजारों संत और वेद विद्यार्थी शामिल हुए। अग्नि अखाड़े की छावनी प्रवेश यात्रा अब तक सम्पन्न हुई सभी अखाड़ों की छावनी प्रवेश यात्रा में सबसे लंबी थी।

चौफटका के अनंत माधव मंदिर से छावनी क्षेत्र पहुंची संतों की इस यात्रा ने 13 किलोमीटर का सफर तय किया। महा मंडलेश्वरों के रथों की सवारियों को देखने के लिए जैसे रास्तों में पूरा शहर उमड़ पड़ा। इस यात्रा आधा दर्जन ऊंट, 15 घोड़े, 60 रथ की व्यवस्था की गई है। फूलों के भव्य सिंहासन पर सवार संतों की सवारियों से पूरा क्षेत्र महक उठा।

माफिया अतीक अहमद के क्षेत्र से गुजरी यात्रा में जमकर हुई पुष्प वर्षा

अग्नि अखाड़े की प्रवेश यात्रा का एक तिहाई मार्ग ऐसा था जो शहर पश्चिमी में आता है। यहां एक वक्त माफिया अतीक अहमद का आतंक था जिसमें इस तरह की भव्य शोभा यात्राओं का आयोजन लोगों के लिए एक दिवास्वप्न होता था।

जिस समय यह यात्रा उस इलाके से गुजरी तब स्थानीय लोगों ने गुलाब की पंखुड़ियों से पूरे मार्ग को पाट दिया। स्थानीय नागरिक रघुनाथ साहू बताते हैं कि पूज्य संतो की इस भव्य यात्रा के दर्शन दशकों बाद हुए हैं। योगी जी का शासन न होता तो यह पुण्य अवसर भी इस क्षेत्र के लोगों को देखने को न मिलता।

संभल में एएसआई का सर्वे सातवें दिन रहा जारी, विवादित मस्जिद से कुछ दूरी पर मिला प्राचीन कुआं

एजेंसी

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के संभल जिले के विभिन्न इलाकों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का सर्वे लगातार सातवें दिन भी जारी रहा। विवादित जामा मस्जिद से करीब 200 मीटर की दूरी पर एक कुआं मिला है। अधिकारियों ने जामा मस्जिद से कुछ दूरी पर कुआं मिलने की पुष्टि की है। यह कुआं प्राचीन समय में मृत्य कूप के नाम से जाना जाता है। स्थानीय लोगों का दावा है कि इस कूप में स्नान करने के बाद श्रद्धालु हरिहर मंदिर में पूजा करने जाते थे। इससे पहले संभल के चंदौसी तहसील क्षेत्र में एएसआई के सर्वे में 150 वर्ष पुरानी बावड़ी मिली थी, जिसकी खुदाई चल रही है। संभल के निवासी एवं इतिहास के अध्येता मोहन यादव ने बताया कि मृत्यु कूप का जिक्र संभल के इतिहास में आता है। पुराणों में ये ब्रह्मा जी द्वारा निर्मित कूप

बताया गया है। यह ब्रह्मा जी द्वारा निर्मित 19 कुओं में से एक है। इसमें लगभग 20 साल पहले तक पानी था। लोग पहले स्नान करते और फिर हरिहर मंदिर में पूजा करने जाते थे। इसका स्वच्छ और निर्मल जल भगवान को चढ़ाया करते थे। हमारे पूर्वजों ने बताया है कि यहां पर महादेव का मंदिर है। अगर इस क्षेत्र की खुदाई कराई जाए तो सब सच सामने आ जाएंगे। मोहन यादव ने बताया कि हमारे बुजुर्ग पूर्व में यहां आते थे और कुएं से पानी लाते थे। हालांकि कुछ परिस्थितियों और उदासीनता के कारण लोगों ने इसका उपयोग करना बंद कर दिया लेकिन अब प्रशासन और योगी सरकार के प्रयासों से हमारी विरासत के पुनरुद्धार पर जो काम हो रहा है, उसके लिए हम उनका हार्दिक आभार जताते हैं।

मप्र के सीधी जिले में बिजली का टावर गिरने से पांच लोगों की मौत, चार घायल

एजेंसी

भोपाल/सीधी। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में रामपुर नैकिन थानांतर्गत पटेहरा गांव में बड़ा हादसा हो गया। यहां बिजली टावर को एक जगह से दूसरे जगह पर शिफ्ट किया जा रहा था। इसी दौरान अचालक टावर नीचे गिर गया। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।रामपुर नैकिन थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, सीधी जिले के जेपी नगरी पावर प्लांट से सतना तक बिजली लाइन का काम किया जा रहा है। इस लाइन के लिए दोपहर में ग्राम पटेहरा में 70 फीट ऊंचा हाईटेंशन लाइन का टावर शिफ्ट किया जा रहा था। इसी दौरान टावर नीचे गिर गया और उसको शिफ्ट करने में जुटे नौ मजदूर इसकी चपेट में आ गए। कुछ मजदूर टावर के ऊपर मौजूद थे, जो टावर के नीचे दब गए। प्रशासन के अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। टावर को काटकर उसके नीचे दबे लोगों को बाहर निकाला और रीवा के जिला अस्पताल पहुंचाया। रामपुर नैकिन थाना प्रभारी सुधांशु तिवारी ने बताया कि हादसे में पांच लोगों की मौत हुई है। इनमें से तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दो लोगों ने अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। तीन मृतकों की पहचान एसके मुबारत, अजमेर शेख और सोन मौसीर के रूप में हुई है। तीनों पश्चिम बंगाल के हापुड़ जिले के रहने वाले थे। वहीं, दो अन्य मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि हादसे में चार लोग घायल हुए हैं।

कन्नौज पुलिस बनी यूपी की पहली डिजिटल पुलिस

एजेंसी

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डिजिटल इंडिया मिशन को उत्तर प्रदेश में योगी सरकार तेज गति से अमली जामा पहनाने में जी-जान से जुटी हुई है। इसी के तहत सुशासन दिवस 25 दिसंबर के अवसर पर कन्नौज पुलिस के सभी थाने मोटी-मोटी फाइलों के जंजाल से मुक्त हो गये। इसी के साथ कन्नौज पुलिस पूरे प्रदेश में पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां सारे थाने ई ऑफिस सिस्टम प्रणाली पर पूरी तरह से काम करते नजर आ रहे हैं। यहां कागजों पर लिखा-पढ़ी का दौर अब गुजरे जमाने की बात हो गया है। दरअसल, स्मार्ट पुलिसिंग की दिशा की ओर कदम

बढ़ाते हुए कन्नौज पुलिस सभी थानों, सीओ ऑफिस और एडिशनल ऑफिस समेत तमाम पुलिस ऑफिसेज में ई-ऑफिस सिस्टम को लागू कर दिया है। कन्नौज एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा डिजिटल इंडिया मिशन को बढ़ावा देने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। इसी के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस में तकनीकी सुधार और आधुनिकरण की दिशा में बड़े कदम उठाये जा रहे हैं। इसी दिशा में कन्नौज पुलिस ने बड़ी पहल करते हुए सभी थानों को 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के अवसर पर पूरी तरह से डिजिटल करते हुए ई ऑफिस से जोड़ दिया है। इस पहल के तहत थानों में मोटी-मोटी फाइलों का जमाना खत्म हो गया है और ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से प्रशासनिक कार्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुचारू रूप से संचालित हो गये हैं। वहीं कन्नौज उत्तर प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन गया है, जहां सभी पुलिस थानों और कार्यालयों में शत-प्रतिशत ई-ऑफिस प्रणाली पर काम शुरू हो गया है। पुलिस अधीक्षक कन्नौज ने हाल ही में पुलिस कार्यालय में आयोजित एक समारोह में डिजिटल परिवर्तन की शुरुआत की थी। इस दौरान सभी थाना प्रभारियों, क्षेत्राधिकारियों और राजपत्रित अधिकारियों को लैपटॉप वितरित किए गए थे।

पुलिस अधीक्षक कन्नौज अमित कुमार आनंद ने बताया कि डीजीपी प्रशांत कुमार ने सुशासन दिवस के अवसर पर ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारंभ किया।

नए साल में बना रहे घूमने का प्लान तो...

मलेशिया को करें एक्सप्लोर, वीजा पर नहीं खर्च होगा एक भी पैसा

नए साल को आने में कुछ दिनों का समय बचा है। नए साल पर कई लोग घूमने का प्लान बनाते हैं, तो वहीं कुछ लोग विदेश घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में अगर आप भी नए साल पर विदेश घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको बता दें कि घूमने के शौकीन लोगों के लिए एक बेहद अच्छी खबर सामने आई है।

दरअसल, भारत और चीन के नागरिकों को 1 दिसंबर से मलेशिया में वीजा फ्री एंट्री मिल रही है। ऐसे में आप बिना वीजा पर एक पैसा खर्च किए मलेशिया घूमने का प्लान बना सकते हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम ने अपने एक भाषण के दौरान यह घोषणा की।

इन देशों के नागरिक कर सकेंगे वीजा फ्री यात्रा

मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के अनुसार, चीनी और भारतीय नागरिक बिना वीजा के 30 दिनों तक मलेशिया की सैर कर सकते हैं। हांलाकि अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि वीजा फ्री एंट्री कब तक लागू रहेगी।

इन देशों में कर सकेंगे वीजा फ्री एंट्री

आपको बता दें कि इस लिस्ट में अब कई देशों का नाम शामिल हो गया है, जहां पर भारतीय नागरिक वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं। मलेशिया के अलावा भारतीय नागरिक श्रीलंका और थाईलैंड में भी वीजा फ्री एंट्री कर सकते हैं।

भारत और चीन, मलेशिया के चौथे और पांचवें सबसे बड़े सोर्स मार्केट की लिस्ट में शामिल हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस साल जनवरी से जून के बीच मलेशिया में 9.16 मिलियन पर्यटक आए। जिनमें से भारत के 2,83,885 पर्यटक और चीन के 4,98,540 पर्यटक शामिल रहे। वहीं कोरोना महामारी से पहले साल 2019 में भारत से 3,54,486 और चीन से 1,5 मिलियन लोग मलेशिया पहुंचे थे।

वीजा के लिए आवेदन

थाईलैंड ने अपने महत्वपूर्ण पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने और सुस्त अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करने के लिए वीजा फ्री एंट्री का ऐलान किया। इस साल चीनी और भारतीय नागरिकों को भी यह छूट मिली है। हांलाकि वर्तमान समय में भारतीय और चीनी पर्यटकों को मलेशिया जाने के लिए वीजा का आवेदन करना पड़ता है।

जर्मनी के प्रचलित शहरों में से एक कोलोन

जर्मनी के प्रमुख शहरों में से एक कोलोन में जमीन पर तो अब रोम साम्राज्य के अधिक अवशेष दिखाई नहीं देते हैं परंतु जमीन के तले आज भी रोम साम्राज्य के प्रभुत्व के प्रमाण मौजूद हैं। एक सीढ़ी की मदद से नीचे उतरने पर रहस्यमयी अंधेरे से घिरे दूसरी सदी की एक कब्रगाह तक पहुंचा जा सकता है।

विभिन्न पौराणिक जीवों की आकृतियों से सजा एक विशाल ताबूत यहां दिखाई देता है। इसका ढक्कन हटाया गया है जिसके भीतर झांकने पर सारा डर दूर हो जाता है क्योंकि इसमें कोई भयावह चीज नहीं बल्कि दो कुर्सियां रखी दिखाई देती हैं। पहली नजर में ये कुर्सियां आजकल की आम कुर्सियां जैसी प्रतीत होती हैं परंतु ध्यान से देखने पर इनका महत्व महसूस होने लगता है क्योंकि इन कुर्सियों को बेहद कलात्मक ढंग से चूना पत्थर से करीब 1800 वर्ष पहले तैयार किया गया था।

इन भूमिगत हिस्सों में सब कुछ बेहद प्राचीन है। बेशक कई सौ वर्ष पूर्व कोलोन वासी रोम साम्राज्य से आजाद हो गए थे और जमीन से तो इसके अधिकतर अवशेष हटा दिए गए परंतु जमीन के नीचे आज भी कोलोनिया क्लाऊडिया अरा एग्रीप्पिनेनसियम (वह उपनिवेश जिससे यह नगर विकसित हुआ) के अवशेष बाकी हैं। गवर्नर के महल प्रायटोरियम का पता ही नहीं चलता यदि द्वितीय विश्व युद्ध में कोलोन शहर का मध्य हिस्सा तबाह न हुआ होता।

आज पर्यटक इस महल के अवशेषों की सैर कर सकते हैं जो सोमवार को छोड़ कर सप्ताह के बाकी दिन खुला रहता है। इसके ठीक साथ प्राचीन गटर है। रोमन 100 किलोमीटर दूर एफिल पहाडियों से ताजा पानी कोलोन तक लाए थे जबकि गंदे पानी की निकासी वे राइन नदी में करते थे। इसके लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल प्राचीन रोमन करते थे उसका पता अन्यों को 19वीं सदी में जाकर लगा था।

इस जर्मन शहर में रोम साम्राज्य के कई नए अवशेषों का भी पता चलता रहा है, विशेषकर भूमिगत रेलवे के लिए की जाने वाली खुदाई के चलते कई अवशेषों का पता चल रहा है। हालांकि शहर के भीतरी हिस्से में रहने वाले किसी भी इंसान को प्राचीन अवशेषों का पता चल सकता है। 1965 में एक व्यक्ति को अपने घर के बेसमैंट की खुदाई में कुछ पत्थरों से बने हिस्से मिले थे जो एक प्राचीन स्मारक निकला। आज यह रोमन–जर्मैनिक म्यूजियम की शोभा बढ़ा रहा है। इससे पहले 1941 में भी एक बंकर की खुदाई के दौरान एक खोज हुई थी।

तब भगवान डाइओनीसोस का एक मोजायक मिला था जिसमें 15 लाख टाइल्स लगी थीं। यदि आप जानना चाहें कि प्राचीन रोम वासी किस तरह से स्पा का आनंद लिया करते थे तो आपको कोलोन से निकल कर करीब स्थित जुएलपिच कस्बे तक जाना होगा। वहां म्यूजियम ऑफ बैथ कल्चर में प्राचीन रोम के स्नानागारों के संरक्षित अवशेष सहेज कर रखे गए हैं। संग्रहालय में मॉडल्स बना कर रोम कालीन स्नानागारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई है। गहरे रंग में रंगे स्नानागारों में कपड़े बदलने के लिए लॉकर रूम बने हैं।

स्वीटिंग या हॉट बैथ में स्नान करने से पहले शरीर पर तेल लगाया जाता था या मालिश करवाई जाती थी। फिर करीब 40 डिग्री तक गर्म पानी में स्नान किया जाता था। बाद में वे ठंडे पानी में नहाते थे। स्नानागारों में केश विन्यासक, चिकित्सक तथा रसोइए भी मेहमानों की सेवा में मुस्तैद रहते थे।

स्नानागारों के नीचे गुलाम लगातार आग जला कर रखते थे जिसकी ऊष्मा फर्श तथा दीवारों बने छिद्रों से होकर स्नानागार तक पहुंचती रहती थी।

जब आग के लिए लकड़ी पाने के लिए आस–पास के जंगलों के पेड़ों को काट कर खत्म कर दिया गया तो प्राचीन रोम वासी ब्लैक फॉरैस्ट से लकड़ी काट कर राइन नदी के रास्ते कोलोन तक पहुंचाने लगे थे। उस वक्त अभिजात्य वर्ग के रोम वासियों के लिए विशेष शौचालय भी बनाए गए थे जहां वे एक साथ बैठ कर निवृत्त होते हुए विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श भी किया करते थे। इतिहास पर नजर डालें तो कोलोन की खूबियों ने रोमन साम्राज्य का मन पूरी तरह मोह लिया था।

इतिहास बताता है कि हर किसी ने कोलोन को अपना बनाने की कई कोशिशें कीं। यह रोमन साम्राज्य का एक बड़ा केंद्र रहा। 2 हजार साल पहले राइन नदी के किनारे रोमन साम्राज्य का विस्तार केंद्र कोलोन ही था। रोम शासकों ने यहां अपनी व्यापारिक चैकी स्थापित की थी और नाम दिया था कोलोनिया। रोमन दौर की निशानियां कोलोन में आज भी यहां वहां बिखरी हुई हैं। राइन नदी इलाके में व्यापार का प्रमुख रास्ता रहा है और इसकी बदौलत कोलोन की समृद्धि भी रही। मध्ययुगीन दौर में रोमन शासन के बनाए 12 चर्च और किले सरीखे तीन नगर द्वार कोलोन की विशिष्टता रहे हैं।

मॉरीशसः समुद्र का निराला संसार

दुनिया के बीच डेस्टिनेशन में जिन जगहों को मुख्य रूप से गिना जाता है उनमें मॉरीशस टॉप पर है। हिंद महासागर के नीले गहरे पानी में स्थित मॉरीशस अनूठा है। रंग, संस्कृति और स्वाद में जो विविधता यहां है, वह यहां गुजारे पलों को यादगार बना देती है। इसकी भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि लगभग पूरे साल यहां का मौसम लगभग एक सरीखा रहता है। ना बहुत ज्यादा गर्मी पड़ती है और न ज्यादा ठंड। दिसंबर से मार्च के महीने सबसे ज्यादा बारिश वाले होते हैं, इसलिए उनको छोड़कर बाकी पूरे साल यहां कभी भी जाया जा सकता है। मॉरीशस के सफेद रेतीले तट कोरल रीफ बैरियर से सुरक्षित हैं। यहां का लगभग समूचा तट कोरल रीफ से घिरा है, सिवाय दक्षिणी सिरे के कुछ अपवाद को छोड़कर। इसीलिए बाकी तटों पर समुद्र जहां शांत होता है, वहीं दक्षिणी हिस्से में वह बहुत अशांत है। वहां चत्रनी तट पर समुद्र की पछाड़ें देखकर आप मुग्ध हो सकते हैं।

मॉरीशस के मुख्य द्वीप के चारों ओर कई छोटे–छोटे निर्जन द्वीप भी हैं। हम भारतीयों के लिए मॉरीशस उन जगहों में से है, जहां से हमारा भावनात्मक लगाव है। हमारी संस्कृति साझी है और लोग भी। राजधानी पोर्ट लुई पश्चिमी तट पर स्थित है। उत्तर का इलाका मैदानी है और यहां देश के कई सबसे खूबसूरत बीच हैं। समुद्र तटों की रंगीनियत भी सबसे ज्यादा इसी इलाके में है। वहीं पूर्वी मॉरीशस के समुद्र तट सुकून से कुछ पल बिताने के लिए हैं। यहां के समुद्र तट की खूबसूरती खोह और लैगून में हैं। यहां ब्लू बे और बेले मेरे सबसे लोकप्रिय समुद्री इलाकों में से हैं। उधर पश्चिमी और दक्षिण–पश्चिमी तट रोमांच प्रेमियों के लिए स्वर्ग हैं। यहां आप सर्फिंग, स्नोर्कलिंग, डीप शी फिशिंग, जैसे ज्यादातर समुद्री खेल का आनंद आप ले सकते हैं। यहां टेमेरिन बे के आसपास आप डॉल्फिन भी देख सकते हैं। दक्षिणी इलाके का रंगरूप बाकी देश से पूरी तरह अलग है। ग्रिस–ग्रिस ही मॉरीशस के समुद्री तट का अकेला ऐसा इलाका है जहां कोरल रीफ नहीं हैं। वहां किनारे ऊंची पहाड़ियां और गहरी खाइयां देखने को मिल जाएंगी। मॉरीशस का भीतरी इलाका संस्कृति के विभिन्न रंगों से रंगा है। यहां की शिवरात्रि आपको भारत की शिवरात्रि जैसी ही लगेगी।

कैसे जाएं

मॉरीशस के लिए दिल्ली व मुंबई आदि शहरों से कई एयरलाइंस की उड़ानें हैं। दिल्ली से मॉरीशस की सीधी उड़ान लगभग साढ़े सात घंटे का समय लेती है। कई उड़ानें दुबई के रास्ते भी हैं। मॉरीशस का वापसी किराया दिल्ली से 26 हजार रुपये से शुरू हो जाता है। मॉरीशस जाना बेशक महंगा है लेकिन वहां रुकने के लिए लग्जरी रिजॉर्ट के अलावा बजट होटल भी बड़ी आसानी से मिल जाएंगे।

इस एक स्थान पर होती है तीन धर्मों की यात्रा

संसार भर में भारत ही ऐसा देश है जहां विभिन्न धर्मों से जुड़े लोग एकजुट होकर रहते हैं। बहुत से ऐसे स्थान हैं जहां विभिन्न धर्मों के पवित्र स्थल एक ही स्थान पर स्थापित हैं। उन्हीं में से एक तीर्थ है राजगृह। राजगृह हिन्दू, बौद्ध और जैन तीनों धर्मों के अनुयायीयों का तीर्थ है। पुरातन काल में राजगृह मगध की राजधानी हुआ करती थी तत्पश्चात मौर्य साम्राज्य आया। महाभारत में राजगृह को तीर्थ माना गया है। राजगृह के समीप अरण्य में जरासंध की बैठक नाम की एक बारादरी अवस्थित है।

हिन्दू तीर्थ

यहां प्रवाहित होने वाली सरस्वती नदी को स्थानीय लोग प्राची सरस्वती कहते हैं। सरस्वतीकुण्ड से आधा मील की दूरी पर सरस्वती को वैतरणी कहा जाता है। इस नदी के तट पर पिण्डदान और गोदान का बहुत महत्व है इसलिए यहां प्रत्येक धर्म–समुदाय के लोग पिण्डदान करते हैं। यहां मार्कण्डेयकुण्ड, व्यासकुण्ड, गंगा–यमुनाकुण्ड, अनन्तकुण्ड, सप्तर्षिधारा और काशीधारा हैं। जिनके समीप बहुत से देवी–देवताओं के मंदिर अवस्थित हैं।

बौद्ध तीर्थ

पुरातन काल में इस स्थान पर बौद्धों के 18 विहार हुआ करते थे। राजगृह मुख्य बौद्ध तीर्थ है क्योंकि महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन काल का बहुत बड़ा हिस्सा यहां व्यतित किया था। वर्षा के चार महीने यहीं व्यतीत किया करते थे।

जैन तीर्थ

जैन तीर्थ पंच पहाड़ों पर स्थित है। इक्कीसवें तीर्थंकर मुनि सुव्रतनाथ का जन्म इसी पहाड़ी पर हुआ था। यही उनकी तपो भूमी थी। मुनिराज धनदत्त और महावीर के बहुत सारे गणधर इसी स्थान से मोक्ष को प्राप्त हुए थे। जैनयात्री यहां विशेष रूप से दर्शनों के लिए आते हैं।

हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 28, 29 दिसंबर को

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बास्केटबॉल महासंघ (बीएफआई) के दिवंगत महासचिव के योगदान को याद करते हुए हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 3×3 प्रारूप में किया जाएगा, जिसमें दर्जनों पुरुष और महिला टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन 28 और 29 दिसंबर को यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम के केडी जाधव हॉल में किया जाएगा।दो दिवसीय इस आयोजन में 3-पॉइंट शूटिंग, फ्री थ्रो और डंक प्रतियोगिताएं भी होंगी, जो इसे सभी के लिए रोमांचक बना देंगी। हरीश शर्मा मेमोरियल बास्केटबॉल चैंपियनशिप का दूरदर्शन द्वारा 'लाइव' प्रसारण किया जाएगा और सोशल मीडिया पर भी इसका प्रसारण किया जाएगा। विश्व संस्था फीबा भी आयोजकों के सहयोग से इस कार्यक्रम का प्रसारण करेगी। दिल्ली बास्केटबॉल एसोसिएशन की विज्ञप्ति के अनुसार, इस वर्ष का समापन बास्केटबॉल के दिग्गज हरीश शर्मा को श्रद्धांजलि देने के साथ करना वास्तव में एक शानदार अवसर है, जो एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने अनुकरणीय नेतृत्व के माध्यम से भारत और विदेशों में बास्केटबॉल को बढ़ावा देने में अपनी अभिनव और अनूठी रणनीतियों के साथ खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। दर्शकों को प्रेरित करने और उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण करेंगे। बास्केटबॉल 3म3 की विश्व संस्था फीबा ??ने इस चैंपियनशिप का समर्थन किया है और आयोजकों के साथ मिलकर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी करेगी।

एशियाई युवा भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 : भारत ने जीते 33 पदक

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने दोहा में 2024 एशियाई युवा (लड़के और लड़कियों) भारोत्तोलन चैंपियनशिप का समापन +87 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीतकर शानदार तरीके से किया। मैबाम मार्टिना देवी ने +87 किलोग्राम भार वर्ग में समापन दिवस पर एक कांस्य और दो रजत पदक जीते। 40 किलोग्राम भार वर्ग में 135 किलोग्राम भार उठाकर नया एशियाई युवा रिकॉर्ड बनाने वाली ज्योशना सबर को 1000 रॉबी अंकों के साथ युवा लड़कियों के वर्ग में सर्वश्रेष्ठ भारोत्तोलक चुना गया। इस आयोजन के दौरान जूनियर महिला और युवा लड़कियों की भारतीय टीम ने तीसरे स्थान की टीम ट्रॉफी जीती। इस आयोजन के दौरान कुल मिलाकर भारतीय युवा और जूनियर टीम ने सात स्वर्ण, 17 रजत और नौ कांस्य पदक के साथ 33 मूल्यवान पदक जीते।

क्रिकेट को दुनिया भर में अधिक लोगों तक पहुंचाना ही प्राथमिकता : जय शाह

नई दिल्ली। टी20 पुरुष विश्व कप के गूगल ट्रेंड्स 2024 में शीर्ष पर पहुंचने पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा है कि क्रिकेट के खेल को दुनिया भर में अधिक लोगों तक पहुंचाना आईसीसी सदस्यों के लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है। जय शाह ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि क्रिकेट के खेल को दुनिया भर में अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना आईसीसी सदस्यों और मेरे लिए मुख्य प्राथमिकताओं में से एक है। इसलिए इस साल टी20 विश्वकप में विश्व स्तर पर कितनी रुचि थी, इसका प्रमाण देखना उत्साहजनक है। अपने पोस्ट के साथ शाह ने फाइनल खेलने वाली दो टीमों की एक तस्वीर और त्शश्दद्यद्ग के शीर्ष रुझानों का एक स्क्रीनशॉट संलग्न किया है।उन्होंने कहा कि विराट कोहली टी20 पुरुष विश्व कप फाइनल में 76 रन की बहुमूल्य पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। पूरे टूर्नामेंट में 4.17 की शानदार इकोनॉमी रेट से 15 विकेट हासिल करने वाले बुमराह को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का सम्मान मिला।

खो खो विश्व कप 2025 से सह-ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़े टाइगर श्रॉफ

नई दिल्ली। खो खो विश्वकप 2025 की स्टार पावर में लगातार इजाफा हो रहा है। बॉलीवुड सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ भी सह-ब्रांड एंबेसडर के तौर पर खो खो विश्वकप प्रतियोगिता से जुड़ गए हैं। ऐसे में खो खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई)) अभिनेता टाइगर श्रॉफ का स्वागत किया और इस खेल के प्रति लोगों के झुकाव को लेकर इसके बेहतर भविष्य के प्रति आश्वस्तता जताई। भारतीय खो-खो महासंघ ने कहा कि यह घोषणा करते हुए वो रोमांचित है कि बॉलीवुड के युवा सुपरस्टार टाइगर श्रॉफ उद्घाटन खो-खो विश्व कप के ब्रांड एंबेसडर के रूप में सलमान खान के साथ शामिल हो गए हैं। यह आयोजन 13 जनवरी से 19 जनवरी, 2025 तक नई दिल्ली में होने वाला है। यह ऐतिहासिक टूर्नामेंट वैश्विक दर्शकों के लिए भारत के पोषित खेल का सार प्रदर्शित करेगा। फिटनेस के कट्टर समर्थक टाइगर ने स्वस्थ जीवन शैली विकसित करने में खेल की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ÷किसी के भी जीवन में फिटनेस अंतिम लक्ष्य होना चाहिए और खेल इसे हासिल करने का सबसे बड़ा साधन है। खो-खो फिटनेस, रणनीति और भावना का एक आदर्श मिश्रण है और मुझे उम्मीद है कि मैं लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित करूंगा।खो-खो को लेकर टाइगर ने कहा कि यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि ऐसी भावना है जो भारत की मिट्टी से गहराई से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा, हमारी संस्कृति में अपनी जड़ों से लेकर वैश्विक सनसनी बनने तक, यह खेल ताकत, चपलता और गति का उदाहरण देता है।

जयपुर को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे यूपी योद्धाज, हरियाणा से भिड़ेंगे

एजेंसी

पुणे। यूपी योद्धाज ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एलिमिनेटर-1 मुकाबले में जयपुर पिंक पैंथर्स को 46-18 के अंतर से हराते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। पहले सेमीफाइनल में उसका सामना हरियाणा स्टीलर्स से होगा जबकि दो बार के चैंपियन जयपुर को घर वापसी करनी होगी।लगातार 10 मैचों से अजेय यूपी जीत में भवानी राजपूत (12), गगन गौड़ा (5), हितेश (6), महेंद्र (4) और सुमित (5) का योगदान रहा जबकि जयपुर के लिए रेजा मीरबघेरी (5) ही सबसे चमकदार सितारे रहे। यूपी ने रेड में 12 के मुकाबले 18 और डिफेंस में 5 के मुकाबले 18 अंक ले वर्चस्व कायम किया। शानदार रेडिंग कर रहे भवानी और डिफेंस में मुस्तैद आशू, भरत और हितेश के दम पर यूपी योद्धाज ने सात मिनट में ही जयपुर को आलआउट कर 9-3 की लीड ले ली। शुरुआती 10 मिनट में यूपी के डिफेंस ने अर्जुन को नहीं चलने दिया। वह 4.30 मिनट बाहर रहे और तीन में से दो रेड में

लपके गए। दूसरी ओर, भवानी ने 6 रेड से पांच अंक उठा लिए।

ब्रेक के बाद जयपुर ने रेड खाता खोल स्कोर 5-13 कर दिया। इसी बीच धरनीधरन ने लगातार दूसरा अंक ले लिया लेकिन गगन ने मल्टीप्वाइंटर के साथ फासला बढ़ा दिया। आज अंकुश भी नहीं चल रहे थे। भवानी ने अगली रेड पर उनका भी शिकार कर स्कोर 17-6 कर दिया। फिर यूपी के डिफेंस ने तीसरी बार अर्जुन का शिकार कर मुश्किल बढ़ा दी। इसके बाद सुपर टैकल सिचुएशन में भवानी ने एक और शिकार किया और फिर यूपी ने दूसरा आलआउट लेते हुए 22-7 की लीड ले ली और फिर 23-8 के स्कोर पर पाला बदला। हाफटाइम के बाद जयपुर ने चार बदलाव किए। इस बीच सुरजीत ने गगन को डैश कर डिफेंस में जयपुर का खाता खोला। इसके बाद भवानी ने मल्टीप्वाइंटर के साथ स्कोर 26-9 कर दिया।

जल्द ही जयपुर के लिए सुपर टैकल आन हो गया था। डू ओर डाई रेड पर भवानी आए और यूपी को आलआउट की कगार पर ला दिया और फिर इसे अंजाम दे 32-10 की लीड ले ली। इसी बीच भवानी ने सुपर-10 पूरा किया। आलइन के कुछ मिनट अंदर ही यूपी ने फिर से जयपुर के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। 10 मिनट बचे थे और यूपी 37-11 से आगे थे।ब्रेक के बाद रेजा ने भवानी को सुपर टैकल कर जयपुर को दो अंक दिलाए। इस बीच रेजा के खिलाफ फाउल पर आशू को दो मिनट के लिए बाहर किया गया। और फिर यूपी ने चौथा आलआउट ले 42-13 की लीड ले ली। अंतिम मिनट में जयपुर ने यूपी को सुपर टैकल सिचुएशन में डाला लेकिन यूपी ने इसके भी दो अंक उठाकर तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बना ली।

हरियाणा ने झारखंड को 64 रनों से हराया

एजेंसी

जयपुर। दिनेश बाना (नाबाद 72), अंकित कुमार (67) और सुमित कुमार (नाबाद 56) की अर्धशतकीय पारियों के बाद अंशुल काम्?बोज (चार विकेट) की बदौलत हरियाणा ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुए ए मुकाबले में झारखंड को 64 रनों हराया।

हरियाणा के 295 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी झारखंड़ की पूरी टीम 46.4 ओवर में 231 रन पर सिमट गई। झारखंड के लिए अतुल सिंह ने (49), अनुकूल रॉय (32), कप्तान इशान किशन ने (36), विराट सिंह ने (34), उत्कर्ष सिंह (27), कुमार देवब्रत (16) और बाल कृष्णन (19) रन बनाकर आउट हुये। चार बल्लेबाज दहाई अंक से नीचे आउट हुये। हरियाणा के लिए अंशुल काम्बोज ने चार विकेट लिये। निशांत सिंधु को दो विकेट मिले। अमित राणा, सुमित कुमार और अमन कुमार ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। झारखंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी हरियाणा के लिए दिनेश बाना ने 57 गेंदों में (नाबाद 72) और अंकित कुमार ने 94 गेंदों में (67) रन की पारी खेली। इसके अलावा सुमित

कुमार ने 39 गेंदों में (नाबाद 56) रन बनाये।हिमांशु राणा (38) और पार्थ वत्स (27) रन बनाकर आउट हुए। हरियाणा ने निर्धारित 50 ओवरों में छह विकेट पर 295 रनों का स्कोर खड़ा किया।झारखंड की ओर से उत्कर्ष सिंह ने तीन विकेट लिये। विकास सिंह, अनुकूल रॉय और बाल कृष्णना ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

पहले सत्र में दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे पाकिस्तानी पारी लड़खडाई

एजेंसी

सेंचुरियन। डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने भोजनकाल तक पाकिस्तान के 88 रन पर चार विकेट झटक लिये है। भोजनकाल तक पाकिस्तान ने चार विकेट पर 88 रन बना लिये है तथा कामरान गुलाम (23) और मोहम्मद रिजवान (10) रन बनाकर खेल रहे है।आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 15वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने कप्तान शान मसूद (17) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को पहली सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में डेन पैटरसन ने सैम अयूब (14) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।इसके बाद 18वें ओवर में पैटरसन ने बाबर आजम (चार) को अपना शिकार बनाकर दक्षिण अफ्रीका को तीसरी सफलता

दिलाई। सऊद शकील (14) को कॉर्बिन बॉश ने आउट किया। पहले सत्र का खेल समाप्त होने के समय पाकिस्तान ने 24 ओवरों में चार विकेट पर 88 रन बना लिये है और कामरान गुलाम (नाबाद 23) और मोहम्मद रिजवान (10) रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। दोनों बल्लेबाजों के बीच अब तक 33 गेंदों में 32 रनों की साझेदारी हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका की ओर से डेन पैटरसन और कॉर्बिन बॉश ने दो-दो विकेट लिये।

टिम साउदी करेंगे आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण में शारजाह वारियर्स की कप्तानी

एजेंसी

शारजाह। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों में से एक टिम साउदी डीपी वर्ल्ड आईएलटी-20 के तीसरे संस्करण के लिए शारजाह वारियर्स टीम की कप्तानी करेंगे। शारजाह वारियर्स का मानना है कि साउदी का अनुभव और खेल का ज्ञान आईएलटी-20 के आगामी सीजन के लिए टीम को मजबूती देगा। आईएलटी-20 तीसरे सत्र की शुरुआत 11 जनवरी को होगी और शारजाह वारियर्स अपना पहला मैच 12 जनवरी को गुजरात जायंट्स के खिलाफ खेलेगा। इस अवसर पर टिम साउदी ने कहा, शारजाह वारियर्स के पास एक शानदार टीम है, जिसमें कई बेहतरीन बल्लेबाज और योग्य और कुशल गेंदबाज हैं। इतने प्रतिभाशाली क्रिकेटरों की कप्तानी करना और उनके साथ रहना वाकई रोमांचक होगा। टीम प्रबंधन के साथ मेरी बातचीत भी अब तक काफी सफल रही है और हमें पूरा भरोसा है कि यह सत्र अच्छा रहेगा। मैं टीम में शामिल होने और उसका नेतृत्व करने

के लिए वाकई उत्साहित हूं। शारजाह वॉरियर्स के मुख्य कार्यकारी क्षेमल वैनगंकर ने कहा, हम, कैप्री स्पोर्ट्स में टिम साउदी को शारजाह वॉरियर्स टीम में कप्तान के रूप में शामिल करने पर बहुत उत्साहित हैं। क्रिकेट के खेल के प्रति उनकी कार्य नीति और समर्पण बेमिसाल है और लड़ते रहने की उनकी दृढ़ता, योद्धा भावना के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। साउथी न केवल आईएलटी-20 के आगामी संस्करण के लिए हमारी टीम को मजबूत करते हैं, बल्कि इसमें गहराई और अनुभव भी जोड़ते हैं। हमें विश्वास है कि नेतृत्व की उनकी गतिशील शैली हमारे लिए एक नए युग की शुरुआत करेगी।

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 474 रन पर समाप्त, स्टीव स्मिथ ने लगाया शतक, बुमराह ने झटके 4 विकेट

एजेंसी

मेलबर्न। स्टीव स्मिथ के शतक और उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, सैम कोंस्टास के अर्धशतकों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने सर्वाधिक 4 विकेट लिए। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास और उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरु की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और

उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए। 154 के कुल स्कोर पर बुमराह ने ख्वाजा को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी। ख्वाजा ने 57 रनों शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। लाबुशेन और स्मिथ ने एक बार फिर से पारी संभाली और तीसरे विकेट के लिए 83 रनों की साझेदारी की। इस साझेदारी को वाशिंगटन सुंदर ने तोड़ा। सुंदर ने 237 के कुल स्कोर पर लाबुशेन को पवेलियन भेज भारत को तीसरी सफलता दिलाई। लाबुशेन के आउट होने के बाद बुमराह ने ट्रैविस हेड (00) को बोल्ड कर भारत को बड़ी राहत दिलाई। इसके बुमराह ने 246 के कुल स्कोर पर मिचेल मॉर्श (04) को भी अपना शिकार बनाया।

यहां से एलेक्स कैरी और स्मिथ ने छठे विकेट के लिए 53 रन जोड़े। इस दौरान स्मिथ ने 71 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। आकाशदीप ने 299 के कुल स्कोर पर कैरी (31) को आउट कर यह साझेदारी तोड़ी।

डीएसए प्रीमियर लीग में दिल्ली एफसी, तरुण संघा की बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्लेयर ऑफ द मैच ओलेन सिंह नींगठोजाम के दो शानदार गोलों की मदद से तरुण संघा ने यूनाइटेड भारत को 4 -1 से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग के दूसरे चरण में बड़ी जीत के साथ शुरुआत की। दिन के दूसरे मैच में जैकब के दो बेहतरीन गोलों से दिल्ली एफसी ने नेशनल यूनाइटेड को 5-0 से परास्त किया।

तरुण संघा के लिए नरेश मेटी और रिलेक्स सिंह ने भी एक-एक गोल किये। वहीं यूनाइटेड भारत का गोल जावेद अख्तर ने किया।

दिल्ली एफसी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' जैकब ने दो गोल किये। आरिस खान, अबेलसन जाची और थॉन्गखोग मायूम ने एक एक गोल जमाए। विजेता टीम ने 12 मैचों में 25 अंक बना लिए हैं जबकि नेशनल यूनाइटेड 12 अंक जुटा पाई है। तरुण संघा ने दूसरे लेग की शुरुआत जीत के साथ की और 14 अंक बनाए हैं। पराजित यूनाइटेड भारत के मात्र छह अंक हैं और अंक तालिका में सबसे पीछे है।

विराट कोहली और सैम कॉन्स्टास के बीच मैच के दौरान हुई बहस

एजेंसी

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन भारत विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के लिए पदार्पण कर रहे सैम कॉन्स्टास के बीच टक्कर के बाद बहस हुई।आज यहां खेले जा रहे मैच में घटनाक्रम 10वें ओवर के दौरान उस समय हुआ जब कोहली और कॉन्स्टास ओवर की समाप्ति के बाद पिच पर आपस में टकरा गए। इसके तुरंत बाद दोनों खिलाड़ी आपस में बहस करते हुए देखे गये। उस्मान ख्वाजा ने बीच बचाव किया।

सत्र में बाद में रिप्ले सामने आने पर यह दिखा कि कॉन्स्टास दूसरे छोर की ओर जा रहे थे लेकिन पिच के बाहर से गेंद को हाथ में टॉस करते हुए आ रहे कोहली कॉन्स्टास से टकरा गए।मैच के बाद कॉन्स्टास ने एक स्थानीय चैनल से कहा, मैं समझ नहीं पाया। मैं दस्ताने ठीक कर रहा था और तब कंधे टकरा गए। लेकिन यह क्रिकेट में होता रहता है।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कॉमेंट्री के दौरान कहा, जरा देखिए विराट कैसे चल रहे हैं। विराट पिच की दाईं ओर गए और इस टकराव की शुरुआत उन्हीं की ओर से हुई।स्थानीय चैनल से साइमन टॉफेल ने इस घटना को आईसीसी के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत अनुचित बताया।

भोजनकाल तक जिम्बाब्वे के दो विकेट पर 92 रन

एजेंसी

बुलावायो। बेन कर्रन (68) रनों की अर्धशतकी पारी के दम पर जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन भोजनकाल तक अफगानिस्तान के खिलाफ दो विकेट पर 92 रन बना लिये है। भोजनकाल के समय टी काइटानो (नाबाद 13) और सीन विलियम्स (नाबाद 10) रन बनाकर खेल रहे है। यहां इससे पहले जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की जॉयलॉर्ड गंबी और बेन कर्रन की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 43 रन जोड़े। नौवें ओवर में नवीद जदरान ने जॉयलॉर्ड गंबी (नौ) को आउट कर अफगानिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये टी काइटानो ने बेन कर्रन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में ए एम गजनफर ने अर्धशतक बना चुके बेन कर्रन को बोल्ड कर जिम्बाब्वे

को बड़ा झटका दिया। कर्रन ने 74 गेंदों में 11 चौके लगाते हुये (68) रनों की पारी खेली। जिम्बाब्वे ने भोजनकाल तक दो विकेट पर 92 रन बना लिये है और टी काइटानो (नाबाद 13) और सीन विलियम्स (नाबाद 10) क्रीज पर मौजूद है। अफगानिस्तान की ओर से ए एम गजनफर और नवीद जदरान ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

गुजरात ने असम को आठ विकेट से हराया

जयपुर । चिंतन गजा (पांच विकेट) और प्रियजीत सिंह जाडेजा (चार विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद उर्विल पटेल (37) और आर्य देसाई (28) रन की बल्लेबाजी के दम पर गुजरात ने विजय हजारे ट्रॉफी के ग्रुप ए मुकाबले में असम को 241 गेंदों के शेष रहते आठ विकेट से हरा दिया।

असम के 75 रनों के जवाब में गुजरात ने 9.5 ओवर में दो विकेट पर 78 रन बनाकर मुकाबला आठ विकेट से जीत लिया। गुजरात के लिए उर्विल पटेल ने (37) और आर्य देसाई (28) रनों की पारी खेली। उमंग कुमार (आठ) और सौरव चौहान (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। असम की ओर से अब्दुल अजीज कुरैशी और आकाश सेनगुप्ता ने एक-एक विकेट लिया।

गुजरात ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी असम की टीम चिंतन गजा और प्रियजीत सिंह

जाडेजा की घातक गेंदबाजी का सामना नहीं कर सकी और पूरी टीम 19.1 ओवर में 75 के स्कोर पर ढ़ेर हो गई। असम के लिए स्वरूपम पुरकायस्था ने(15) रन बनाये। वहीं मुख्तार हुसैन (19) रन बनाकर नाबाद रहे। असम के नौ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। गुजरात की ओर से चिंतन गजा ने पांच विकेट और प्रियजीत सिंह जाडेजा ने चार विकेट लिये। अरजान नागवासवाला ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

यू मुंबा को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे पटना पाइरेट्स, दबंग दिल्ली से भिड़ेंगे

एजेंसी

पुणे। प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन की चौथी सेमीफाइनलिस्ट टीम के नाम का खुसाला हो गया है। बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के एलिमिनेटर-2 मुकाबले में यू मुंबा को 31-23 से हराकर तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स चौथी सेमीफाइनलिस्ट बनी। मुंबा को घर लौटना होगा और पटना को अब सेमीफाइनल में दबंग दिल्ली केसी का सामना करना होगा। चौथे खिताब के लिए प्रयासरत पटना की जीत में अयान (10), देवांक (8) और गुरदीप (5) का योगदान रहा जबकि मुंबा के लिए जफरदानेश (7) और अजीत (5) ही कुछ हद तक चमक दिखा सके। पटना की टीम ने 17वीं बार प्लेआफ खेलते हुए 12वीं जीत हासिल की है। पटना ने डिफेंस में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 7 के मुकाबले 11 अंक लेकर अंतर पैदा किया।वैसे मुंबा के डिफेंस ने अच्छी शुरुआत की और पहली रेड पर देवांक को लपक लिया। लेकिन अयान ने परवेश को बाहर कर उन्हें रिवाइव करा लिया। अजीत ने गुरदीप को बाहर किया तो देवांक ने सुनील के रूप में बड़ा शिकार कर लिया। इसके बाद पटना ने लगातार

दो अंक के साथ स्कोर 4-2 कर दिया। फिर अयान ने चार के डिफेंस में लोकेश को आउट कर मुंबा के लिए सुपर टैकल आन कर दिया।

मुंबा आलआउट की कगार पर थे लेकिन जफर ने मल्टीप्वाइंटर के साथ एक रिवाइव ले लिया लेकिन जल्द ही पहला आलआउट ले पटना ने 11-5 की लीड ले ली। आलइन के बाद मुंबा के डिफेंस ने पलटवार कर देवांक को लपक लिया। 10 मिनट बाद पटना 11-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने रोहित, जफर और अजीत को बाहर कर लीड दोगुनी कर दी।

देवांक ने इस मैच में तीसरी बार सुनील को बाहर कर स्कोर 15-7 कर दिया। रोहित के डू ओर डाई रेड पर आउट होने के बाद मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था और लोकेश ने देवांक को लपक दो अंक ले स्कोर 9-16 कर दिया। इसके बाद अजीत ने एक अंक लिया। बहरहाल, पटना ने 17-11 के स्कोर पर पाला बदला।

अजीत ने आलइन के बाद भी एक अंक लेकर फासला 5 का कर दिया। अजीत ने इसके बाद चार के डिफेंस में हामिद को बाहर कर पटना के लिए सुपर टैकल आन कर दिया लेकिन अयान ने परवेश का शिकार कर इस स्थिति को टाल दिया।

हालांकि पटना फिर सुपर टैकल सिचुएशन में आ गए लेकिन अयान ने उसे फिर उबार लिया। इस बीच मुंबा के डिफेंस ने देवांक का शिकार किया तो अजीत को लपक अयान ने सुपर टैकल के दो अंक ले लिए। 30 मिनट के बाद पटना 22-17 से आगे थे। ब्रेक के बाद पटना ने लीड सात की कर ली। हालांकि डू ओर डाई रेड पर मुंबा ने अयान को लपक लिया लेकिन अजीत का शिकार कर पटना ने इसका जवाब दिया। फिर रोहित लपक लिए गए। लीड 9 की हो चुकी थी और अब सिर्फ 4 मिनट बचे थे। फिर देवांक ने एक अंक के साथ मुंबा को आलआउट की ओर धकेला लेकिन धनसेकर ने उसे उबार लिया। अगली रेड पर भी धनसेकर ने अंक लिया। इसके बाद मुंबा ने वापसी की तमाम कोशिशें की लेकिन उसका प्रयास नाकाम रहा और वह घर लौटने को मजबूर हुई।

'मैं किसी के साथ रिश्ते में...' शादी पर क्या है

श्रुति हासन

की राय? एक्ट्रेस ने किया हैरान करने वाला खुलासा

साउथ सिनेमा और बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं एक्ट्रेस श्रुति हासन बेबाकी से अपनी बात रखना पसंद करती हैं. उन्हें किसी ने धोखा दिया, किसी के साथ रिलेशनशिप में रहीं या शादी क्यों नहीं करना चाहती हैं? इन सभी टॉपिक्स पर श्रुति खुलकर बात करती हैं. एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी शादी से लेकर रिलेशनशिप तक सबकुछ बताया.पिंकविला को दिए इंटरव्यू में श्रुति हासन ने अपनी लाइफ से जुड़ी कुछ अहम बातें बताईं. वो रिलेशनशिप में रहना पसंद तो करती हैं लेकिन शादी को लेकर उनके ख्याल दूसरे हैं. श्रुति ने इस इंटरव्यू में क्या-क्या कहा, आइए जानते हैं.

शादी पर क्या सोचती हैं श्रुति हासन ?

इंटरव्यू में श्रुति हासन से उनके पिछले एक बयान के बारे में पूछा गया. उसमें एक्ट्रेस ने बिल्कुल भी शादी नहीं करने की इच्छा पर बात की थी. एक्ट्रेस ने जोर देते हुए कहा था कि वो अभी भी अपनी उसी बात पर कायम हैं, साथ ही एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि वो शादी करने से ज्यादा एक रिश्ते में रहना पसंद करतीं हैं.अपनी च्वाइस पर बात करते हुए श्रुति हासन ने कहा कि उन्हें रिलेशनशिप में रहना पसंद है. उन्हें लव और रोमांस पसंद है, लेकिन ये सबकुछ उनको रिलेशन में अच्छा लगता है. श्रुति ने अपनी बात को समझाते हुए कहा कि मैं खुद को किसी से काफी ज्यादा जोड़ लेती हूं लेकिन मैं कभी किसी को ना नहीं कह सकती. कोई आ गया अनमोल रतन जैसा और मेरा मन बदल जाए तो ये अलग बात है.'

पास्ट एक्सपीरियंस पर क्या बोलीं श्रुति हासन ?

जब श्रुति से पूछा गया कि क्या प्यार में उनके पिछले अनुभवों का उनकी शादी की बात से कुछ लेना देना है, तो एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि ये शायद सिर्फ उनकी अपनी सोच थी. एक्ट्रेस ने कहा कि उन्होंने अपने आसपास कई सफल, खुशहाल और खूबसूरत शादियां देखी हैं, जिनका असल में उनकी पसंद पर कोई असर नहीं पड़ा. श्रुति कहती हैं कि लाइफ में अगर कोई सही मिला और लगा तो शादी कर सकतीं हैं लेकिन फिलहाल उनका ऐसा कोई इरादा नहीं है.

श्रुति हासन का फिल्मी करियर

सुपरस्टार कमल हासन और एक्ट्रेस सारिका की बड़ी बेटी श्रुति ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में काम किया है. श्रुति हासन पहली बार स्क्रीन पर फिल्म 'हे राम' (2000) में नजर आई थी जो उनके पापा की ही फिल्म थी. 2009 में फिल्म 'लक' से श्रुति ने बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके बाद श्रुति ने 'रमैया वस्तावैया', 'डी-डे', 'बहन होगी तेरी', 'गब्बर इज बैक' जैसी फिल्मों में काम किया. श्रुति ने बहुत कम हिंदी फिल्में की हैं बाकी वो साउथ सिनेमा में ज्यादा एक्टिव हैं. श्रुति हासन की आने वाली फिल्म 'सलार 2' है जो 2026 तक रिलीज हो सकती है.

'वो पूरी तरह से...'

कियारा आडवाणी

को शूट के बीच में किस करने पर वरुण धवन ने दी सफाई, जानें 'बेबी जॉन' एक्टर ने क्या कहा

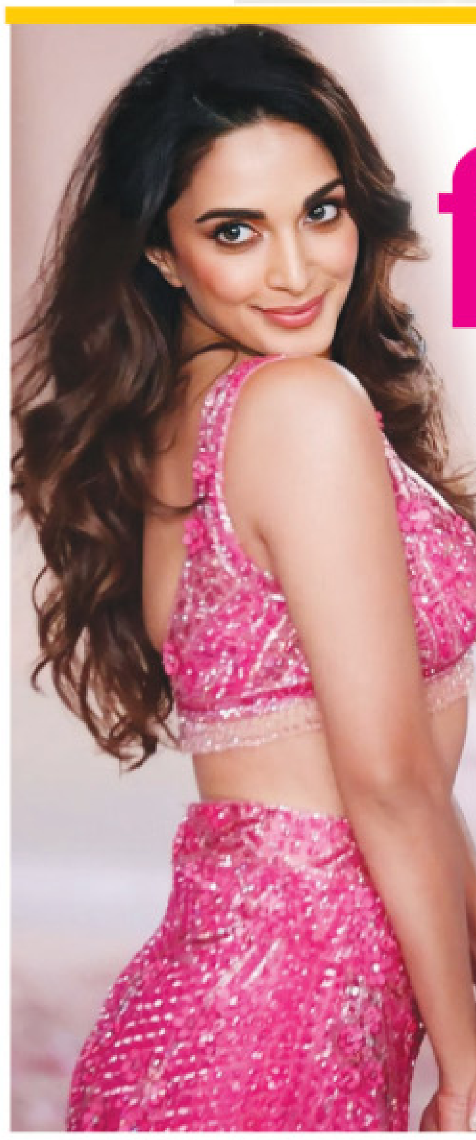

25 दिसंबर यानी 'बेबी जॉन' वर्ल्डववाइड रिलीज हो चुकी है. फिल्म को लेकर काफी चर्चें हैं और उम्मीद जताई जा रही है कि फिल्म अच्छी कमाई करेगी. एक्टर ने फिल्म के प्रमोशन में कोई कमी नहीं छोड़ी. प्रमोशन के दौरान वरुण धवन ने अलग-अलग टॉपिक्स पर बात की. वहीं जब वरुण से पूछा गया कि उन्होंने एक शूट के दौरान कियारा को किस (Kiss) किया था तो उसका जवाब एक्टर ने खुलकर दिया.एक पॉडकास्ट में वरुण धवन फिल्म बेबी जॉन के प्रमोशन के लिए आए. इस दौरान जब एंकर ने उनसे कियारा आडवाणी को लेकर सवाल किया तो वरुण ने कहा कि जो प्लान होता है वो भी बताएंगे और जो प्लान्ड नहीं होता है वो भी बताएंगे, कुछ भी झूठ नहीं बोलेंगे.

कियारा आडवाणी पर क्या बोले वरुण धवन ?

पॉडकास्ट में एंकर वरुण से पूछते हैं कि एक फोटोशूट चल रहा था, वरुण ने उन्हें देखते-देखते गाल पर किस कर दिया. तो वरुण जवाब देते हैं, 'मैं बहुत खुश हूं कि आपने मुझसे से सवाल किया. वो पूरी तरह से प्लान्ड है, वो पूरी चीज हमें करने को बोली गई थी. ऐसा करने पर ही तो देखने वाले उसे बार-बार देखेंगे और हमने वो डिजिटल कवर के लिए शूट किया था.' लोगों ने रिएक्ट किया तो इसका मतलब हम अच्छे एक्टर्स हैं, कियारा अच्छी एक्ट्रेस हैं तभी तो वो इतनी अच्छी एक्टिंग कर पाईं.

वहीं एंकर पूछते हैं तो एक शूट के दौरान आप अचानक कियारा की कमर पकड़ लेते हैं वो क्या था? इस पर बोले, 'कियारा स्विमिंग पुल में गिर सकती थीं इसलिए मैंने कमर पकड़कर उन्हें बचाया. ये मेरा नेचर है कि मैं अपने साथ रहने वाली एक्ट्रेसेस की केयर करता हूं.' इसका पूरा वीडियो आप उसी पॉडकास्ट में देख सकते हैं.

एटली कुमार की फिल्म है 'बेबी जॉन'

एटली कुमार के निर्देशन में बनी तमिल फिल्म थेरी (2016) में थलापति विजय लीड रोल में नजर आए थे. वो फिल्म सुपरहिट हुई थी और उसी का हिंदी रीमेक है फिल्म बेबी जॉन. इसमें वरुण धवन लीड रोल में नजर आए हैं. इस फिल्म को एटली कुमार ने ही प्रोड्यूस किया है. वहीं फिल्म को कालीस कुमार ने डायरेक्ट किया है.

भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह ने दिखाया अपना 'हीरोइन मोमेंट', ग्लैमरस अवतार से फैंस के उड़ाए होश

भोजपुरी सिनेमा में हर एक्ट्रेस की अपनी लोकप्रियता है, लेकिन अक्षरा सिंह अब साउथ सिनेमा तक फेमस हो गई हैं. 'पुष्पा 2' के ट्रेलर लॉन्च पर एक्ट्रेस की परफॉर्मेंस ने सबका दिल जीत लिया था. हाल ही में एक्ट्रेस ने कुछ तस्वीरें शेयर की, जिसमें उनका अलग ग्लैमर अंदाज नजर आ रहा है. फैंस उनके इस पोस्ट पर भर-भरकर प्यार लुटा रहे हैं.अगर आप अक्षरा सिंह के फैन हैं तो उनकी लेटेस्ट तस्वीरें भी जरूर देखी होंगी. अक्षरा सिंह की ये तस्वीरें इंटरनेट पर छा गई हैं और कमेंट बॉक्स में फैंस उनकी तारीफ भी कर रहे हैं.

अक्षरा सिंह की लेटेस्ट तस्वीर में दिखा 'हीरोइन मोमेंट'

इंस्टाग्राम पर अक्षरा सिंह ने कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसके कैप्शन में उन्होंने 'हीरोइन मोमेंट' लिखा. इसके साथ ही उन्होंने हार्ट इमोजी भी बनाई है. अक्षरा ने 5 तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनके कर्ली हेयर ने महफिल लूट ली है. ब्लू शॉर्ट्स और ब्लैक टॉप के साथ अक्षरा सिंह ने सिल्वर शूज पहने हैं.

इन तस्वीरों पर फैंस के जमकर कमेंट्स आ रहे हैं. एक ने कमेंट में लिखा, 'भोजपुरी सिनेमा में पावर स्टार पवन सिंह तो फीमेल में पावर स्टार अक्षरा सिंह हैं.' कमेंट में कोई अक्षरा को भोजपुरी फिल्मों की रानी बुला रहा तो कोई बता रहा कि वो उनका कितना बड़ा फैन है. अक्षरा सिंह की लोकप्रियता भोजपुरी दर्शकों में तो है ही साथ में देशभर में लोग उन्हें पहचानने लगे हैं.

अक्षरा सिंह का फिल्मी करियर

33 साल की अक्षरा सिंह ने साल 2010 में फिल्म सत्यमेव जयते से भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू किया था. इस फिल्म में लीड एक्टर रवि किशन थे और ये फिल्म हिट हुई थी. इसके बाद उन्होंने फैमिली ड्रामा पर आधारित फिल्म प्राण जाए पर बचन ना जाए (2011) की और ये फिल्म सुपरहिट हुई थी. इसके बाद अक्षरा ने पवन सिंह, खेसारी लाल यादव और निरहुआ जैसे बड़े स्टार्स के साथ भी फिल्में की हैं. 2015 में अक्षरा 'काला टीका' और 'सर्विस वाली बहू' जैसे सीरियल में भी नजर आईं. अक्षरा अभी भी भोजपुरी फिल्मों और हिंदी सीरियल में एक्टिव हैं.

'पुष्पा 2' के ट्रेलर लॉन्च में अक्षरा सिंह की परफॉर्मेंस

17 नवंबर को पटना में फिल्म पुष्पा 2 का ट्रेलर लॉन्च किया गया था. इसमें साउथ के सुपरस्टार्स अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना पहुंचे थे. इस दौरान अक्षरा सिंह ने जबरदस्त डांस परफॉर्मेंस दी थी, जिससे फैंस काफी खुश हुए. इसके बाद अक्षरा ने अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना के साथ तस्वीरें भी शेयर की थीं. ये अक्षरा सिंह के लिए बड़ा मौका था.

जब हिंदी वेब सीरीज में भोजपुरी एक्ट्रेसेस ने ढाया कहर, हर कोई देखता रह गया, आपने देखी क्या?

भोजपुरी सिनेमा में कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जो हिंदी टीवी सीरियल और वेब सीरीज में भी हाथ आजमा चुकी हैं. इनमें से कुछ एक्ट्रेसेस ने भोजपुरी सुरस्टार्स के साथ काम किया है और अकेले दम पर भी सुपरहिट फिल्में दी हैं. इन हसीनाओं ने हिंदी वेब सीरीज में भी काम किया है और अचानक उन्हें सीरीज में देखकर दर्शक भी हैरान रह गए. भोजपुरी फिल्मों में एक्ट्रेसेस का ग्लैमरस अंदाज देखने के बाद अब लोग भोजपुरी एक्ट्रेसेस को पसंद करने लगे हैं. हिंदी दर्शक भी भोजपुरी एक्ट्रेसेस को फॉलो करते हैं और इन एक्ट्रेसेस को जब मौका मिला तो हिंदी वेब सीरीज में भी वो अपना जलवा बिखेरती नजर आईं.

भोजपुरी एक्ट्रेसेस ने की हिंदी वेब सीरीज

भोजपुरी सिनेमा में अलग-अलग भाषाओं की एक्ट्रेसेस काम करने आती हैं. लेकिन भोजपुरी बोलने वाली इन एक्ट्रेसेस ने जब हिंदी में वेब सीरीज में दस्तक दी तो कमाल कर गईं.

आम्रपाली दुबे

भोजपुरी सिनेमा की पॉपुलर एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे को आपने दिनेश लाल यादव के साथ खूब देखा होगा लेकिन उन्हें वेब सीरीज में देखना काफी दिलचस्प लगा. यूट्यूब पर आप 'पूर्वांचल' नाम की वेब सीरीज देख सकते हैं, जिसमें आम्रपाली ने दिनेश लाल के साथ ही काम किया है.

गुंजन पंत

भोजपुरी सिनेमा की बेबी डॉल कही जाने वाली एक्ट्रेस गुंजन पंत ने भी हिंदी वेब सीरीज में काम किया है. 'बिन्नी वर्सेज बिरजू' में इनका अंदाज देखकर आप भी इनके फैन हो जाएंगे. इस सीरीज को एमएक्स प्लेयर पर फ्री में देख सकते हैं.

मोनालिसा

भोजपुरी सिनेमा की फेमस एक्ट्रेस अंतरा बिस्वास यानी मोनालिसा ने कई हिंदी टीवी सीरियल में काम किया है. लेकिन उन्हें हिंदी वेब सीरीज में भी देखा गया है. हंगामा प्ले पर उनकी वेब सीरीज 'धप्पा' एक बार जरूर देखें.

रानी चटर्जी

भोजपुरी सिनेमा की मोस्ट पॉपुलर एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने ढेरों सुपरहिट फिल्में दी हैं. वहीं जब 'मस्तराम' जैसी चर्चित वेब सीरीज में रानी को देखा गया तो फैंस हैरान रह गए. इसमें रानी चटर्जी का अंदाज देखकर आप भी उनके फैन बन जाएंगे.